आई.एस.ओ.9001:2000 अवार्ड प्राप्त

यश भारत

नये जमाने के साथ ...

● वर्ष- 15 अंक 194- ● जबलपुर ● शनिवार, 14 अगस्त, 2021 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ-8 ● श्रावण कृष्ण पक्ष -6 ● विक्रम संवत् 2078 शके 1935

महात्मा गांधी को अमेरिका का सर्वोच्च नागरिक सम्मान दिया जा सकता है। इस संबंध में अमेरिकी संसद में एक बार फिर प्रस्ताव पेश किया गया। महात्मा गांधी को कांग्रेस के स्वर्ण पदक से सम्मानित करने का प्रस्ताव अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में पेश किया। वह अमेरिकी कांग्रेस का स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले पहले भारतीय होंगे।

हर पल रहें ताजा तरीन खबरों के साथ लॉगिंन करें

WWW.yashbharat.co.in

पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन योजना के साथ मुख्यमंत्री कोविड-19 बाल सेवा योजना का भी लाभ मिलेगा

कोविड से अनाथ हुए बच्चों को मिलेंगे 10 लाख

भोपाल। कोरोना महामारी में अनाथ हुए बच्चों को केंद्र की प्रधानमंत्री केयर्स फॉर चिल्ड्रन योजना के साथ प्रदेश की मुख्यमंत्री कोविड-19 बाल सेवा योजना का भी लाभ मिलेगा। पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन योजना में बाल हितग्राही के 18 वर्ष के होने पर बच्चे के नाम से 10 लाख रुपये के फंड का प्रविधान किया गया है। इसी से बच्चे को मासिक आर्थिक सहायता दी जाएगी। बाल हितग्राही की आयु 23 वर्ष होने पर उन्हें 10 लाख रुपये दिए जाएंगे। आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत बाल हितग्राही को पांच लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा कवर दिया जाएगा। राज्य शासन की ओर से बताया गया कि बाल हितग्राही को 10 वर्ष की आयु तक नजदीकी केंद्रीय विद्यालय अथवा निजी विद्यालय में गैर-आवासीय विद्यार्थी के रूप में प्रवेश दिया जाएगा। फीस केंद्र सरकार द्वारा वहन की जाएगी।

आवेदन की प्रक्रिया - योजना के अंतर्गत पात्र बच्चों के चिह्नांकन की कार्रवाई कलेक्टर द्वारा की जाएगी। सिटीजन लॉग-इन से सीधे

आवेदन किया जा सकता है। बाल कल्याण समिति के लॉग-इन से भी आवेदन किया जा सकता है। योजना में माता-पिता की कोविड से मृत्यु संबंधी प्रमाण-पत्र का होना अनिवार्य नहीं है, लेकिन कलेक्टर द्वारा इसका सत्यापन आवश्यक है। सिटीजन लॉग-इन अंतर्गत एक मोबाइल नंबर से अधिकतम 10 आवेदन फीड किए जा सकते हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि कोरोना महामारी अभी समाप्त नहीं हुई है। इसकी तीसरी लहर की आशंका जताई जा रही है। ऐसे में स्वयंसेवकों को आवश्यक तैयारी कर लेनी चाहिए। नगरगांव में चयनित लोगों का प्रशिक्षण हो जाए, इस बात की चिंता की जाए। भोपाल प्रवास के दौरान होसबोले संगठनात्मक बैठक में बोल रहे थे। उन्होंने स्वयंसेवकों से कहा कि संघ कार्य भौगोलिक और सर्वस्पर्शी, दोनों प्रकार से बढ़ना चाहिए। इसके लिए स्वयंसेवकों को आगामी तीन वर्ष की कार्ययोजना तैयार करनी चाहिए। विद्यार्थी शाखा के विस्तार पर भी ध्यान देना चाहिए। जिस प्रकार हमने भोपाल में श्रम साधकों के बीच विशेष प्रयास करके कार्य किया है, उसी प्रकार सभी वर्गों एवं क्षेत्रों में कार्य करना है। हमें अब कार्य विस्तार के साथ कार्य की गुणवत्ता बढ़ाने की दिशा में भी प्रयास करने चाहिए।

14 अगस्त को अब मनेगा विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस

भुलाया नहीं जा सकता देश के बंटवारे का दर्द- मोदी

नई दिल्ली। स्वतंत्रता दिवस से एक दिन पहले यानी 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मनाया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे मनाने का एलान किया है। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के लिए जान गंवाने वालों वीरों को याद किया। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट किया देश के बंटवारे के दर्द

को कभी भुलाया नहीं जा सकता। नफरत और हिंसा की वजह से हमारे लाखों बहनों और भाइयों को विस्थापित होना पड़ा और अपनी जान तक गंवानी पड़ी। पीएम मोदी ने अगले ट्वीट में लिखा कि यह दिन हमें भेदभाव, वैमनस्य और दुर्भावना के जहर को खत्म करने के लिए न केवल प्रेरित करेगा, बल्कि इससे एकता, सामाजिक सद्भाव और मानवीय संवेदनाएं भी मजबूत होंगी।

1380 शूरवीरों को मिलेगा गैलेंट्री अवॉर्ड

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने स्वतंत्रता दिवस के मौके पर दिए जाने वाले वीरता पुरस्कारों गैलेंट्री अवॉर्ड की घोषणा कर दी है। इस बार 662 पुलिस कर्मियों को पुलिस पदकए 628 कर्मियों को राष्ट्रपति पुलिस पदक, 88 कर्मियों को विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक और 662 कर्मियों को मेधावी सेवा के लिए पुलिस पदक प्रदान किया जाएगा। इस तरह इस साल कुल 1380 पुलिस कर्मियों को पदक मिलेगा। 75वें स्वतंत्रता दिवस पर 23 आईटीबीपी कर्मियों को वीरता के लिए पुलिस पदक से सम्मानित किया गया है। इनमें से से 20 सेना के वे जवान हैं जो मई.जून 2020 में पूर्वी लद्दाख सीमा पर चीन के साथ हुई झड़प में शामिल थे। जम्मू.कश्मीर पुलिस को इस साल 256 वीरता पुरस्कार और एक राष्ट्रपति पुलिस पदक मिला है। वीरता के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक (पीपीएमजी) 02, वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) 628, सेवा पदक, विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक (पीपीएम) 88, सराहनीय सेवा के लिए पुलिस पदक (पीएम) 662 मध्य प्रदेश से अभिषेक तिवारी, आईपीएस, अजीत सिंह,, विपिन खल्को, रवि द्विवेदी, राजेश गुप्ता, अतिरिक्त महानिदेशक, एजेके, पीएचक्यू, भोपाल डी श्रीनिवास राव, अतिरिक्त महानिदेशक, प्रशासन, पीएचक्यू, आदर्श कटियार, अतिरिक्त महानिदेशक, खुफिया, पीएचक्यू को भी पदक मिले हैं।

वैक्सीन का कॉकटेल बैड आइडिया

साइरस पूनावाला बोले- सामने आ सकती है बड़ी मुसीबत

नई दिल्ली। कोरोना से बचाव के लिए वैक्सीनेशन को सबसे प्रभावी उपाय माना जा रहा है। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक भारत में फिलहाल 53.61 करोड़ से अधिक लोगों को वैक्सीन की कम से कम एक खुराक मिल चुकी है। वैक्सीनेशन की प्रभाविकता को बढ़ाने के लिए दुनियाभर में तमाम अध्ययन किए जा रहे हैं। इसी से संबंधित हाल ही में भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने भारत में निर्मित कोविशील्ड और कोवैक्सीन के मिक्स डोज को कोरोना के खिलाफ प्रभावशाली होने का दावा किया था, हालांकि सीरम इंस्टीट्यूट के संस्थापक साइरस पूनावाला ने टीकों के मिश्रण पर आपत्ति जताई है।

सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) के संस्थापक साइरस पूनावाला ने वैक्सीन के मिक्स-एंड-मैच को लेकर अस्वीकृति व्यक्त करते हुए इसे बैड आइडिया करार दिया है। साइरस पूनावाला का कहना है, वैक्सीन कॉकटेल की प्रभाविकता को लेकर फिलहाल ज्यादा साक्ष्य उपलब्ध नहीं हैं, ऐसे में मैं इसका समर्थन नहीं करता हूं। वैक्सीनों को मिक्स करने की कोई आवश्यकता और इसकी प्रभाविकता मुझे तो नजर नहीं आती है।

कंपनियों में हो सकता है ब्लेम-गेम

एसआईआई के संस्थापक साइरस पूनावाला कहते हैं, वैक्सीन का कॉकटेल बनाना कोई अच्छा आइडिया नहीं माना जा सकता है। पहले तो इसकी प्रमाणिकता को लेकर कोई साक्ष्य नहीं है, दूसरा यह दो कंपनियों के बीच ब्लेम-गेम का कारण भी बन सकता है। अगर कॉकटेल वैक्सीनेशन के बाद किसी के साथ कुछ गलत होता है तो दो वैक्सीन निर्माताओं के बीच एक दूसरे के टीके में दोष खोजने की प्रतिस्पर्धा शुरू हो सकती है। ऐसे में किसी भी नजरिए से मिक्स-एंड-मैच वैक्सीन के आइडिया को फायदेमंद नहीं माना जा सकता है।

इस स्थिति में ली जा सकती है अलग-अलग वैक्सीन

पुणे में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान लोगों को संबोधित करते हुए पूनावाला कहते हैं, दो डोज में अलग-अलग वैक्सीन लेना सिर्फ एक ही स्थिति में सही माना जा सकता है। जिन लोगों ने वैक्सीन की एक डोज लगवा ली है पर किन्हीं कारणवश दूसरी खुराक के लिए उन्हें उसी कंपनी की वैक्सीन न मिल रही हो, ऐसे में एक विकल्प के रूप में अलग वैक्सीन ली जा सकती है। पर विशेष लाभ प्राप्त करने के लिए ऐसा करने के फायदे नजर नहीं आते हैं।

साजिश का खुलासा, चार संदिग्ध की तलाश

किश्तवाड़ में विस्फोटक उपकरण और जम्मू में एक बैग बरामद

नई दिल्ली। जम्मू शहर के सतवारी चौक इलाके में शनिवार को संदिग्ध बैग मिलने से अफरा-तफरी का माहौल हो गया। यह बैग सतवारी चौक नाके के पास बरामद किया गया है। पुलिस की टीम जांच में लगी हुई है। इसके साथ ही संभाग के किश्तवाड़ जिले में एक विस्फोटक उपकरण मिला है। जिसे निष्क्रिय कर दिया गया है। जिले के कुरिया ब्रिज के पास केशवान रोड पर सेना की 26-आरआर(राष्ट्रीय राइफल्स) और पुलिस की टीम ने एक एक्सप्लोसिव डिवाइस डिटेक्ट की। जिसकी सूचना बम निरोधक दस्ते को दी गई। विस्फोटक उपकरण को निष्क्रिय कर सुरक्षाबलों ने बड़ी साजिश को नाकाम कर दिया है। उधर, जम्मू-राजोरी राजमार्ग पर चार संदिग्ध एक कार से जाते हुए देखे गए हैं। संदिग्धों की तलाश में बड़े पैमाने पर अभियान चलाया जा रहा है।इससे पहले कल जम्मू संभाग के किश्तवाड़ में सुरक्षाबलों ने हिजबुल मुजाहिदीन के एक आतंकी को गिरफ्तार करने में सफलता पाई है। कुछ दिन पहले ही इस समूह के दो आतंकी जिले में गिरफ्तार किए गए थे। बता दें कि शुक्रवार को पुलिस को इलाके में आतंकी के सक्रिय होने की सूचना मिली थी। जिसके आधार पर पुलिस, सेना की 17-आरआर(राष्ट्रीय राइफल्स) और सीआरपीएफ की 52-बटालियन की संयुक्त टीम ने तलाशी अभियान शुरू किया था।

फटाफट खबरें

साओ जैसिंटो द्वीप पर तिरंगा फहराने का विरोध

गोवा। आजादी का अमृत महोत्सव शुरू होने से पहले गोआ से हैरान करने वाली खबर आई है। राज्य के साओ जैसिंटो द्वीप के रहवासियों ने नौसेना द्वारा वहां झंडा फहराने व जश्न मनाने पर आपत्ति ली है। इसके बाद गोवा नौसेना क्षेत्र के अधिकारियों ने शुक्रवार को वहां कार्यक्रम आयोजित नहीं करने का निर्णय किया। नौसेना ने भी इस बार आजादी के अमृत महोत्सव के मौके पर देशभर के द्वीपों पर 13 से 15 अगस्त तक तिरंगा फहराने की योजना बनाई है। पर जैसिंटो द्वीप पर उसे कार्यक्रम निरस्त करना पड़ा है।

मेडिकल साइंस यूनिवर्सिटी जबलपुर के कुलपति टी एन दुबे ने दिया इस्तीफा

भोपाल,। आज एक अप्रत्याशित घटना क्रम में मेडिकल साइंस यूनिवर्सिटी जबलपुर के कुलपति टी एन दुबे ने इस्तीफा दे दिया है। राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंप दिया है। उन्होंने इस्तीफे का कारण निजी बताया।

ग्वालियर में महाराज बाड़ा स्थित नगर निगम कार्यालय में बड़ा हादसा

तिरंगा लगाते हाइड्रोलिक मशीन टूटने से तीन की मौत

ग्वालियर। महाराज बाड़ा स्थित नगर निगम कार्यालय पर तिरंगा लगाते समय बड़ा हादसा हो गया। जिस हाइड्रोलिक मशीन पर चढ़कर निगम कर्मचारी तिरंगा लगा रहे थे, वह अचानक टूट गई। इस घटना के बाद हर तरफ अफरा तफरी मच गई। घायलों को तत्काल नीचे लाया गया। इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो चुकी है। जबकि एक को गंभीर चोटें आईं हैं। इस घटना के बाद गुस्साए एक व्यक्ति ने प्रभारी निगमायुक्त को चाटां मार दिया। पुलिस ने हंगामा बढ़ते देखा तो तत्काल भीड़ को दूर खदेड़कर निगम अफसरों को बाहर निकाला। ग्वालियर प्रवास पर आए

प्रभारी मंत्री तुलसी सिलावट महाराज बाड़ा पहुंच गए। उन्होंने घायल कर्मचारी के उपचार के पर्याप्त इंतजाम करने के भी निर्देश दिए हैं। साथ ही पीड़ित परिवारों से भी चर्चा की है। शहर में पंद्रह अगस्त की तैयारियां जारी हैं। इसके तहत महाराज बाड़ा स्थित नगर निगम कार्यालय पर भी ध्वजारोहण की तैयारी चल रही थी। हाइड्रोलिक मशीन पर चढ़कर कुछ कर्मचारी इमारत पर तिरंगा लगाने के लिए चढ़े थे। इसी दौरान अचानक हाइड्रोलिक मशीन टूट गई। इस हादसे में निगम कर्मचारी मंजर आलम, कुलदीप दंडौतिया और विनोद की मौके पर ही मौत हो गई है। जबकि एक कर्मचारी को गंभीर चोट आई है।

एलान के बाद दिल्ली में तिरंगा फहराने के कयास खत्म

राकेश टिकैत का एलान, 15 अगस्त को दिल्ली से दूर फहराएंगे तिरंगा

नई दिल्ली। तीन कृषि कानूनों के खिलाफ चल रहे आंदोलन को भारतीय किसान यूनिय के नेता राकेश टिकैत ने जन-जन का आंदोलन बताया। उन्होंने कहा कि किसानों के साथ हर वर्ग जुड़ गया है। उन्होंने कहा कि यह अंदर की बात है। अब फोर्स भी हमारे साथ है। शुक्रवार को राजस्थान से आए प्रतिनिधिमंडल ने भाकियू नेता से मुलाकात की। यूपी गेट पर चौधरी राकेश टिकैत ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा है कि इस बार 15 अगस्त का झंडा दिल्ली से दूर हिमालय की गोद में फहराया जाएगा। उन्होंने कहा मैं दिल्ली से दूर किसी गांव में जाकर झंडा फहराने वाले कार्यक्रम का हिस्सा बनूंगा। जहां आज तक शायद ही कोई सरकार का प्रतिनिधि पहुंचा होगा। टिकैत ने देशभर के किसानों से अपील है कि इस स्वतंत्रता दिवस पर किसान अपने घरों की छतों पर, गाड़ियों पर और यूपी गेट के किसान यहां अपने-अपने अस्थाई झोपड़ियों पर झंडा फहराएंगे। आपको बता दें कि कई दिन पहले तक कुछ किसान संगठन दिल्ली के अंदर तिरंगा फहराने पर अड़े हुए थे, लेकिन राकेश टिकैत के इस एलान के बाद दिल्ली में तिरंगा फहराने के कयास खत्म हो गए हैं।

ट्विटर ने राहुल गांधी का अकाउंट अनलॉक किया

नई दिल्ली। कांग्रेस के साथ तकरार के बीच ट्विटर ने राहुल गांधी के अकाउंट को बहाल कर दिया है। एक सप्ताह तक अस्थायी तौर पर अकाउंट सस्पेंड करने के बाद ट्विटर ने शनिवार को यह कदम उठाया। दरअसल, कुछ दिनों पहले ही दिल्ली में दलित बच्ची के बलात्कार और हत्या मामले में उसके परिजन की तस्वीर साझा करने को ट्विटर ने नियमों का उल्लंघन बताया था। इसके बाद ट्विटर ने राहुल समेत पार्टी और कई वरिष्ठ नेताओं के ट्विटर अकाउंट बंद कर दिए थे। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी का ट्विटर हैंडल पिछले शनिवार को लॉक किया गया था। अनलॉक किए जाने के ठीक एक दिन पहले यानी शुक्रवार को वीडियो स्टेटमेंट जारी कर राहुल ने ट्विटर पर निशाना साधा था। राहुल ने कहा था कि एक कंपनी के रूप में देश की राजनीति तय करने का काम ट्विटर कर रहा है, जो लोकतांत्रिक ढांचे पर हमला है। उन्होंने कहा था कि ये केवल मेरी आवाज बंद करने की बात नहीं, करोड़ों लोगों को चुप कराने का मामला है।

तालिबान बोला-हम भारत के शुक्रगुजार

भारत के खिलाफ नहीं होगा अफगान धरती का इस्तेमाल

काबुल। पिछले दिनों भारत की अध्यक्षता में हुई संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में तालिबान की क्रूरता का मुद्दा जोर-शोर से उठा था। उधर, भारत, अमेरिका और ब्रिटेन ने भी अपने लोगों को तालिबान से निकालने के लिए सैनिकों को भेजे जाने की बात कही है। इसके बाद से तालिबान के सुर बदलना शुरू हो गए हैं। तालिबानी प्रवक्ता मुहम्मद सुहेल शाहीन ने शनिवार को एएनआई को दिए बयान में कहा कि भारत या किसी भी देश के खिलाफ अफगानिस्तान

की जमीन का प्रयोग नहीं होगा। तालिबान किसी को भी अफगानिस्तान की जमीन का प्रयोग करने की इजाजत नहीं देगा। फिर चाहें वह पड़ोसी राज्य ही क्यों न हो। तालिबान के प्रवक्ता ने कहा कि तालिबान पहले भी यह बात कह चुका है कि अफगानिस्तान में अन्य देशों के दूतावासों व राजनायिकों को कोई नुकसान नहीं पहुंचाया जाएगा। यह तालिबान का वादा है। शाहीन ने कहा कि हम पर पाकिस्तान से संबंध रखने के आरोप लग रहे हैं। लेकिन, यह जमीनी हकीकत नहीं है। यह एक राजनैतिक चाल है। शाहीन ने कहा कि अफगानिस्तान के लोगों के लिए जो भी संसाधन उपलब्ध कराए गए हैं, यहां जो भी विकास हुआ है। उसके लिए हम भारत के शुक्रगुजार हैं।

लाल किले पर पहली बार सुरक्षा में लगे कंटेनर

आज शाम होगा राष्ट्रपति का उद्बोधन

नई दिल्ली। देश में 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस मनाने की तैयारियां के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। पहली बार लाल किले की सुरक्षा में कंटेनर लगा दिए गए हैं। राजधानी दिल्ली में सुरक्षा व्यवस्था के कारण ट्रैफिक व पार्किंग व्यवस्था में भी बदलाव किया गया है। इस संबंध में दिल्ली पुलिस ने दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। मिली जानकारी के मुताबिक राजधानी दिल्ली में मेट्रो एक दिन पहले यानी शनिवार को सुबह 6 बजे से रविवार 15 अगस्त तक यात्रियों के लिए पार्किंग की सुविधा नहीं होगी। हालांकि इस अवधि में मेट्रो ट्रेन सामान्य रूप से चलती रहेगी। दिल्ली मेट्रो को ओर से भी इस बारे जानकारी साझा की गई है।

आजादी | नारे जिन्होंने देशवासियों के खून में ला दिया था उबाल

वेब डेस्क। 15 अगस्त का दिन हर भारतवासी के लिए एक यादगार दिन है, अगर 15 अगस्त का दिन नहीं होता तो भारत आजाद भी नहीं होता। 200 साल की हुकुमत के बाद 15 अगस्त 1947 को अंग्रेजो ने भारत को अपने चंगुल से मुक्त कर दिया था, जिसका जश्न समस्त भारतवासी हर साल 15 अगस्त के दिन 'स्वतंत्रता दिवस' के रूप में मनाते हैं। भारत की आजादी और अंग्रेजी ताकत को कुचलने के लिए देश के कई महापुरूषों ने अपना बलिदान दिया। लाखों लोगों ने देश की आजादी के लिए अपनी जान गवां दी। देश के नागरिकों में आजादी का जुनून कायम करने के लिए देश के कई महापुरूष आगे आते रहे और अपने-अपने नारों से देश के लोगों में अंग्रेजो के खिलाफ आजादी की अलख जलाते

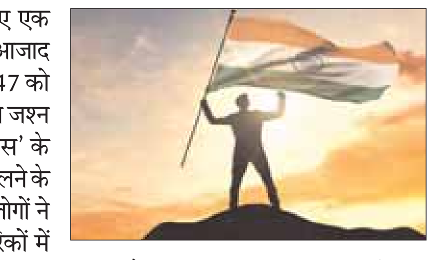

रहे। आज भी जब इन नारों को पुकारा जाता है तो पूरा माहौल क्रांतिकारी हो उठता है। ये वही नारे हैं, जिनकी मदद से देश के लोगों के अंदर स्वतंत्रता की चिंगारी को हवा दी गई। इस साल देश अपना 75 वां स्वतंत्रता दिवस मनाने जा रहा है, आजादी का ये महापर्व हम सभी देश वासियों के लिए एक अहम स्थान रखता है। चलिए इस खास मौके पर आज हम यह जानते हैं कि किस महापुरूष ने देश वासियों के अंदर आजादी की अलख जलाने के लिए कौन से नारे कहे थे, जिनको सुनने के बाद देश वासियों के खून में उबाल आ जाता था।

बंकिमचंद्र चटर्जी – वंदे मातरम

सुभाष चंद्र बोस – तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा।

महात्मां गांधी – 'अंग्रेज भारत छोड़ो'

भगत सिंह – इंकलाब जिंदाबाद

लाला लाजपत राय – 'मेरे सिर पर लाठी का एक-एक प्रहार, अंग्रेजी शासन के ताबूत की कील साबित होगा'

बाल गंगाधर तिलक – 'स्वराज मेरा जन्मसिध्द अधिकार है, और मैं इसे लेकर रहूंगा।

चंद्र शेखर आजाद – 'दुश्मन की गोलियों का हम सामना करेंगे, आजाद ही रहे हैं, आजाद ही रहेंगे।

अल्लामा इकबाल – सारे जहां से अच्छा हिन्दोस्तां हमारा

सुभाष चंद्र बोस – जय हिंद

रामप्रसाद बिस्मिल – सरफरोशी की तमन्ना, अब हमारे दिल में है

लाल बहादुर शास्त्री – 'जय जवान, जय किसान'

पंडित मदन मोहन मालवीय – 'सत्यमेव जयते'

तेजी से बढ़ रहे वायरल, डेंगू पीड़ित

कई क्षेत्रो में न फागिंग न ही दवा का छिड़काव

जबलपुर,यशभारत। कोरोना संकट से भले ही राहत मिल गई हो, लेकिन अब मच्छरों से लोग परेशान हैं। मानसून सीजन में वायरल, डेंगू बुखार से पीड़ित मरीजों की संख्या बढ़ रही है। शहर के कई इलाकों में स्वास्थ्य विभाग का अमला अब न तो फॉगिंग करा रहा है और न ही मच्छरों की रोकथाम के उपाय कर रहा है। कई क्षेत्रों में साल भर से फॉगिंग तक नहीं हुई। खाली प्लॉट्स में भरे पानी में मच्छर पनप रहे हैं, लेकिन मलेरिया विभाग की टीमें नजर नहीं आ रही हैं। पूरे शहर में हाल यह है कि खाली पड़े प्लॉटों में पानी भरे हैं और इनकी वजह से मच्छर पनप रहे हैं। बावजूद मच्छरों की रोकथाम के लिए फॉगिंग नहीं कराई जा रही है। कॉलोनी के खाली प्लॉटों में भरे पानी में मच्छर पनप रहे हैं। पहले तो मलेरिया विभाग की गाड़ियां फॉगिंग करने आती थीं। लेकिन जब से कोरोना आया है, कोई टीम नहीं आई। मच्छरों से लोग परेशान हैं।शहर में रांझी, दमोहनाका, लालमाटी व सिंधी कैंप में डेंगू के सर्वाधिक मरीज सामने आए हैं। बुखार से पीड़ित मरीजों की संख्या में बेतहाशा वृद्धि हुई है। तमाम मरीजों की पैथोलाजी जांच में खून में प्लेटलेट की मात्रा कम मिल रही है। जिनमें से कई मरीजों की डेंगू रिपोर्ट निगेटिव आ रही है। हालांकि बुखार के 10 में तीन-चार मरीजों में डेंगू की पुष्टि हो रही है। बरसात थमने के बाद डेंगू का खतरा बढ़ गया है। फ्रिज के कंटेनर, पौधों के गमले, पानी टंकियों, कूलर व जगह-जगह जमा बरसात के पानी में पल रहे मच्छर इसकी मुख्य वजह हैं। साफ पानी में पैदा होने वाले एडीज मच्छरों का हमला डेंगू मरीजों की संख्या बढ़ा रहा है। हालात यह हैं कि इस साल छह माह तक डेंगू के सिर्फ छह मरीज सामने आए थे। जिसके बाद 25 दिन के भीतर मरीजों का आंकड़ा बढ़कर 104 पहुंच गया।शहर के विभिन्न क्षेत्रों में मलेरिया विभाग द्वारा सर्वे कराया जा रहा है। सर्वे के दौरान तमाम घरों में डेंगू मच्छरों के लार्वा मिले जिनका विनिष्टीकरण कराया गया। घरों में रखे कूलर, गमले, फ्रिज के कंटेनर आदि में लार्वा मिल रहे हैं। नागरिकों को मच्छरों की रोकथाम व लार्वा विनिष्टीकरण के लिए जागरुक किया जा रहा है। इधर राहत की बात यह है कि डेंगू की तुलना में इस साल अब तक मलेरिया व चिकनगुनिया के मरीजों की संख्या बेहद कम है। ये दोनों बीमारियां भी मच्छरों के काटने से फैलती हैं। इधर, डेंगू पर प्रभावी रोकथाम के लिए जिला मलेरिया विभाग ने बुखार से पीड़ित प्रत्येक मरीज की डेंगू एंटीजन एनएस-1 जांच शुरू की है। जांच की सुविधा जिला मलेरिया लैब में की गई है। यह जांच इसलिए भी शुरू की गई क्योंकि कोरोना का खतरा अभी टला नहीं है।

यह रखें सावधानी – मच्छरों को घरों में पनपने से रोकना चाहिए। घर के आसपास पानी जमा न होने दें। कूलर, गमले, टंकियां, फ्रिज की सफाई पर ध्यान दें। घरों के आसपास बने गड्ढों में बरसात का पानी जमा न होने दें। मच्छरों से बचाव के लिए पूरी बांह के कपड़े पहनें।

कॉलेजों में एडमिशन का दूसरा राउंड 27 से

जबलपुर। कॉलेजों में दाखिले के लिए पहले राउंड के रजिस्ट्रेशन अब अंतिम दौर में हैं। ऐसी स्थिति करीब 60 फीसदी छात्रों ने कॉमर्स को अपना पसंदीदा के रूप में चयन किया है। गुरुवार को रजिस्ट्रेशन का आखिरी दिन था। अब तक 3.83 लाख छात्रों ने यूजी प्रथम वर्ष में प्रवेश के लिए अपना रजिस्ट्रेशन करवा लिया है। इस बार प्रवेश प्रक्रिया 30 सितंबर को समाप्त हो जाएगी। इस वजह से सीटों में भी बढोतरी की गई है। यही वजह है कि पहले ही राउंड में बड़ी संख्या में छात्रों ने अपना रजिस्ट्रेशन करवा लिया है। अधिकारियों के मुताबिक तय समय सीमा में करीब तीन गुना रजिस्ट्रेशन होने के आसार हैं ऐसे में पहले राउंड में ही अधिकांश सीटें भरने की संभावना है। यहां जब काउंसलिंग की जाएगी उसके साथ ही दस्तावेजों का सत्यापन भी किया जाएगा। अन्य कॉलेजों में 27 अगस्त से एडमिशन का दूसरा चरण शुरू होगा और 14 सितंबर तक चलेगा।

महाप्रबंधक व्ही एफ जे ने नागपंचमी पर किया पूजन

जूनियर क्लब में होंगे सांस्कृतिक आयोजन

जबलपुर यशभारत। सभी आयुध निर्माणियों में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए चर्चा में रहने वाले जूनियर क्लब व्ही एफ जे में फिर से सांस्कृतिक गतिविधियों को गति देने का आगाज किया जा चुका है।इसके लिए पूर्व परंपरा के अनुसार जूनियर क्लब वाहन निर्माणी में नागपंचमी के अवसर पर अखाड़े में पूजन अर्चन कर शुरुआत कर दी गई है।बताया गया है कि जूनियर क्लब वाहन निर्माणी में वर्षों से बंद पड़ा अखाड़ा एवम कर्मचारियों के लिए खेल कूद गतिविधियों को अंतिम सचिव कमलेश कुमार एवम भवानी पटेल के अथक प्रयासों से पुनः शुरू कराया गया । इस अवसर पर मुख्य अतिथि अतुल गुप्ता महाप्रबंधक ओ. पी. तिवारी उपाध्यक्ष जू .क्लब एम . के . मौर्य (संयुक्त महाप्रबंधक/प्रशासन वाहन निर्माणी जबलपुर) एवम अन्य अधिकारियों द्वारा वृक्षारोपण कर पर्यावरण के संरक्षण के संदेश के साथ शुरुआत की।इसके साथ ही ग्रे आयरन के कर्मचारियों को जूनियर क्लब की सुविधाओं का लाभ मिलने लगेगा । मौजूदा समय में जूनियर क्लब में बैडमिंटन , टेबल टेनिस , कैरम एवम शतरंज जैसे खेलों की व्यवस्था की गई है । जिसमे वाहन निर्माणी के मुन्ना सिंह, सागर यादव, राजेश मिश्रा श्रीकांत साहू ,पप्पू पवार ,अतुल,दुर्गेश राजपाली गणेश प्रसाद ,राजेश राउत एवम अन्य कर्मचारियों का निरंतर सहयोग प्राप्त हो रहा ।

हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

दौड़ी मेमू, मिली राहत

जबलपुर यश भारत। जबलपुर मंडल की बहुप्रतिक्षित मेमो ट्रेन बीती रात 21:30 बजे आकर यहां से गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति तथा हरी झंडी दिखाने के उपरांत जबलपुर से इटारसी की ओर रवाना हुई। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सांसद विष्णु दत्त शर्मा एवं गणेश सिंह की उपस्थिति में इन मेमू ट्रेनों का शुभारंभ किया गया था । इस ट्रेन के जबलपुर आगमन पर इसे भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष जी एस ठाकुर पूर्व एमआईसी सदस्य कमलेश अग्रवाल, विजय रोहणी सहित अनेक लोगों ने हर्ष व्यक्त करते हुए हरी झंडी दिखाकर इटारसी की ओर रवाना किया इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक दीपक कुमार गुप्ता सहित रेलवे के अधिकारी सुनील श्रीवास्तव, देवेश सोनी, पंकज दुबे, मृत्युंजय कुमार, अखिलेश नायक सहित रेलवे स्टाफ बड़ी संख्या में उपस्थित था।इस अवसर पर जबलपुर स्टेशन पर यात्रियों ने इस मेमू ट्रेन के अंदर जाकर इसका अवलोकन किया तथा इस ट्रेन को हूबहू मुंबई की लोकल ट्रेन बताया। साथ ही इस नई नवेली सुसज्जित ट्रेन की साफ-सफाई एवं इसमें व्याप्त अत्याधुनिक सुविधाओं पर हर्ष व्यक्त किया ।उल्लेखनीय है कि इस पर ट्रेन में प्रत्येक कोच में सीसीटीवी कैमरे लगे हुए हैं साथ ही बायो टॉयलेट की भी सुविधा है।

रात 9.30 बजे जबलपुर पहुंची मेमू

मंडल की बहुप्रतीक्षित मेमू ट्रेन शुक्रवार को जबलपुर स्टेशन पर रात 9.30 बजे आकर यहां से गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति तथा हरी झंडी दिखाने के उपरांत इटारसी की दिशा में रवाना हुई। इस ट्रेन के जबलपुर आगमन पर इसे भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष जी एस ठाकुर पूर्व एमआईसी सदस्य कमलेश अग्रवाल, विजय रोहणी सहित अनेक लोगों ने हर्ष व्यक्त करते हुए हरी झंडी दिखाकर इटारसी की ओर रवाना किया। इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक दीपक कुमार गुप्ता सहित रेलवे के अधिकारी सुनील श्रीवास्तव, देवेश सोनी, पंकज दुबे, मृत्युंजय कुमार, अखिलेश नायक सहित रेलवे स्टाफ बड़ी संख्या में उपस्थित था। इस अवसर पर स्टेशन पर यात्रियों ने इस मेमू ट्रेन के अंदर जाकर इसका अवलोकन किया तथा इस ट्रेन को हूबहू मुंबई की लोकल ट्रेन बताया। साथ ही इस नई नवेली सुसज्जित ट्रेन की साफ-सफाई एवं इसमें व्याप्त अत्याधुनिक सुविधाओं पर हर्ष व्यक्त किया। ये रहे लोको पायलट जबलपुर से इटारसी की ओर रवाना हुई इस मेमू ट्रेन के लोको पायलट पी.एम. राउ तथा उनके सहायक नवनीत कुमार ने हरी झंडी मिलते ही इसे रवाना किया इसके साथ ही इस ट्रेन के गार्ड ए के तिवारी ने सिग्नल एक्सचेंज करते हुए इस गाड़ी को आगे बढ़ाने के लिए अपनी स्वीकृति दी।

कैडेट यूथ वर्ल्ड तीरंदाजी प्रतियोगिता पोलैंड में भारतीय टीम का कल फ्रांस से फाइनल मुकाबला

जबलपुर के अमित पर होगी नजरें

जबलपुर। पोलैंड के रॉकला सिटी में चल रही कैडेट विश्व तीरंदाजी प्रतियोगिता के रिकर्व टीम इवेंट का फाइनल मुकाबला 15 अगस्त को भारत और फ्रांस के बीच खेला जाएगा। रिकर्व टीम इवेंट में मध्य प्रदेश राज्य तीरंदाजी अकादमी जबलपुर के प्रतिभावान खिलाड़ी अमित कुमार अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। भारतीय तीरंदाजी टीम में अमित कुमार के साथ सर्विसेस के विशाल चंगमय और विक्की कुशाल भी अपना जौहर दिखाएंगे। सभी की निगाहें अपने अमित कुमार के प्रदर्शन पर होगी। खेलमंत्री यशोधरा राजे सिंधिया ने विश्व तीरंदाजी प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन कर देश के लिए स्वर्ण पदक जीतने के लिए प्रोत्साहित करते हुए अमित कुमार को शुभकामनाएं दी हैं। भारतीय तीरंदाजी टीम के कोच रिछपाल सिंह सलारिया ने बताया कि सेमी फाइनल में भारत ने स्पेन को 5-1अंक से शिकस्त देकर फाइनल में जगह बना ली है। इससे पूर्व खेले गए प्री क्वार्टर फाइनल में भारत ने स्लोवाकिया को 6-0 से और क्वार्टर फाइनल मुकाबले में यूक्रेन को 6-0 अंको से परास्त किया था। उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश राज्य तीरंदाजी अकादमी जबलपुर में वर्ष 2016 से प्रशिक्षणरत अमित कुमार अकादमी के प्रशिक्षक रिछपाल सिंह सलारिया से तीरंदाजी खेल की बारीकियां सीख रहे हैं। अमित ने वर्ष 2018 में पुणे महाराष्ट्र में आयोजित सीनियर राष्ट्रीय तीरंदाजी प्रतियोगिता के टीम इवेंट में मध्य प्रदेश को स्वर्ण पदक दिलाया। इसी वर्ष विजयवाड़ा आंध्र प्रदेश में आयोजित मिनी राष्ट्रीय तीरंदाजी प्रतियोगिता की व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण तथा मिक्स टीम इवेंट में मध्य प्रदेश को रजत पदक दिलाया। उन्होंने मार्च, 2021 में देहरादून उत्तराखंड में आयोजित जूनियर राष्ट्रीय तीरंदाजी प्रतियोगिता की व्यक्तिगत स्पर्धा में कांस्य एवं मिक्स टीम स्पर्धा में मध्य प्रदेश को रजत पदक दिलाया।

एक दिन में लगाये गये 630 से अधिक वैक्सीन

जबलपुर, । जिला प्रशासन के नेतृत्व में मोक्ष संस्था के सदस्यों ने गुरुवार को सेंट अगस्टाइन स्कूल तिलवारा रोड में कैंप लगाकर 630 से अधिक वैक्सीनेशन कराए। वहीं यह क्रम 18 अगस्त तक जारी रहेगा। ताकि जिनको वैक्सीन नहीं लगी है वह सुविधा से वैक्सीनेशन करा सके। 14 अगस्त को पिसनहारी मढ़िया मेडिकल सर्वेंट क्वार्टर दादा सोमनाथ सिंह उद्यान में लगाई जाएगी। इसी तरह 18 अगस्त को धनवंतरि नगर चौराहा मोक्ष कार्यालय के सामने लगाया जाएगा। कैंप मोक्ष रेडक्रॉस जबलपुर के सम्मिलित प्रयास से प्रशासन के द्वारा कोवैक्सीन के कैंप लगाए जा रहे हैं। जिसमें प्रथम एवं द्वितीय डोज लगाए गए। इस पहल के लिए पूरी टीम और वैक्सीनेशन कराने आए लोगों ने कलेक्टर कर्मवीर शर्मा के इस पहल की सराहना की। मोक्ष संस्था के आशीष ठाकुर ने बताया कि सैकड़ों लोग ऐसे हैं, जो भीड़ अधिक होने के कारण रजिस्ट्रेशन नहीं करा पा रहे हैं, जिससे उनको समस्या का सामना करना पड़ रहा है। लेकिन इस पहल से सभी खुश हैं। मोक्ष और रेडक्रॉस की ओर से लगातार वैक्सीनेशन कैंप लगाए जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि इसके पहले भी कैंप लगाकर 800 से अधिक वैक्सीनेशन कराया गया था। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए डॉक्टर दहिया, डॉक्टर रंजीता के साथ मोक्ष के आशीष ठाकुर, रेडक्रॉस के आशीष दीक्षित ने सबको धन्यवाद दिया। वहीं मोक्ष की टीम संजय ठाकुर, विपिन शर्मा, अनुराग बाजपेई, अनु शर्मा, राहुल सेन, आशीष सिंह ने वैक्सीनेशन कराने आए लोगों को मास्क, बिस्किट और पानी बांटे।

कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर से होगी साहित्य नकल की जाँच

जबलपुर । जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय में कुलपति डॉ. प्रदीप कुमार बिसेन की अध्यक्षता में साहित्य नकल रोकने हेतु कार्यशाला सम्पन्न हुई। मुख्य वक्ता संचालक षिक्षण डॉ. अभिषेक षुक्ला ने बताया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने उच्च शिक्षा में साहित्यिक नकल रोकने हेतु कडे नियम जारी किए है। इस संदर्भ में जनेकृविवि ने अपने समस्त महाविद्यालयों में षोधग्रंथ जमा करने के पूर्व साहित्य नकल न होने के आषय के प्रमाण पत्र संलग्न करना अधिसूचित किया है।कार्यशाला में संबंधित विभागों के 48 प्राध्यापकों को प्रषिक्षित कर समितियाँ गठित की गईं। ये समितियाँ शोधर्थियों द्वारा स्नातकोत्तर एवं विद्यावाचस्पति उपाधि हेतु प्रस्तुत शोधग्रंथ (थीसिस) की कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर द्वारा साहित्य नकल की गहन जाँच करेंगी। तदोपरान्त ही शोधग्रंथ (थीसिस) स्वीकृत हो सकेगीं। इस मौके पर अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय डॉ. शरद तिवारी सहित कृषि वैज्ञानिक एवं प्राध्यापक एवं विषय वस्तु विषेषज्ञ शामिल रहे।

छात्रा स्वयं ही चिप लगी पुस्तकें निकाल और जमा कर सकेंगे

जबलपुर। नेशनल लाइब्रेरियन डे (पुस्तकालय विज्ञान के जनक पद्मश्री डॉ. एस.आर. रंगनाथन के 129वॉ जन्मदिवस) पर जवाहरलाल नेहरू कृषि विष्वविद्यालय के केन्द्रीय पुस्तकालय में आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि कुलपति डॉ. प्रदीप कुमार बिसेन ने आर.एफ.आई.डी. तकनीक का उद्घाटन किया। लाइब्रेरियन श्रीमति विनीता पांडे ने बताया कि रेडिया फ्रिक्वेंसी आईडेंटीफिकेषन सिस्टम (आर.एफ.आई.डी.) आधुनिक तकनीक है। इसमें छात्रगण स्वयं ही कियोस्क मषीन पर पुस्तकों का आदान-प्रदान कर सकते हैं। पुस्तक में चिप लगी है जिससे सतत् निगरानी के चलते चोरी असंभव है। असिस्टेंट लाइब्रेरियन प्रदीप दीक्षित ने बताया कि पुस्तकालय को कोहा साफ्ट्वेयर से जोड़ा गया है। विष्व के किसी भी हिस्से से यहां कि पुस्तकों को पढ़ सकते हैं। 20 हजार पुस्तकों में टेग लगाया गया है, जिसमें पुस्तकें 65599, जर्नल्स 15357, थीसिस 9174, ई-थीसिस 8283, ई-जर्नल्स 2800, ई-पुस्तकें 1174 हैं जिसे वेब ओपेक के माध्यम से देख सकते हैं। यहां 1964 से अब तक की समस्त थीसिस को कृषिकोष रिपोजटरी पर अपलोड़ किया है। साथ ही आनलाईन संसाधनों के उपयोग हेतु वाई-फाई सुविधा एवं एरिस लैब उपलब्ध है। इस मौके पूरी अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. धीरेन्द्र खरे, कुलसचिव रेवासिंह सिसोदिया, लेखानियंत्रक व्ही.एन. बाजपेयी, संचालक अनुसंधान सेवायें डॉ. जी.के. कोतू, संचालक विस्तार सेवायें डॉ. डी.पी. शर्मा, संचालक शिक्षण डॉ. अभिषेक शुक्ला, संचालक प्रक्षेत्र डॉ. दीप पहलवान, अधिष्ठाता कृषि अभियांत्रिकी संकाय डॉ. अतुल कुमार श्रीवास्तव, अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय डॉ. शरद तिवारी, कार्यपालन यंत्री इंजी. एस.एस. गौर, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. अमित शर्मा, उपकुलसचिव (परीक्षा) डॉ. आर.के. समैया, उपलेखानियंत्रक डॉ. अजय खरे, आईपीआरओ डॉ. मुमताज अहमद खान, तकनीकी प्रषासनिक अधिकारी डॉ. अनय रावत, सुरक्षा अधिकारी डॉ. योगेष मोहन शर्मा उपस्थित रहे।

जनेकृविवि में कुलपति ने आर.एफ.आई.डी. तकनीक का किया उद्घाटन

कमिश्नर जबलपुर को सौंपा ज्ञापन

जलसंसाधन विभाग में कर्मचारियों के लंबित प्रकरण शीघ्र निराकरण करने की मांग

जबलपुर। म.प्र. तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ ने बताया कि कमिश्नर राजस्व जबलपुर संभाग जबलपुर के नाम श्री क्लेमेंट मार्टिन अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर जल संसाधन विभाग के कर्मचारियों की समस्याओं से अवगत कराते हुए शीघ्र निराकरण करने की मांग की । जलसंसाधन विभाग में कार्यरत कर्मचारियों को एरियर का भुगतान नहीं किया जा रहा है, उन्हें अनावश्यक कारणों से भुगतान में आपत्तियां लगाकर विलंब किया जा रहा है, जिससे कर्मचारी अत्यधिक परेशानी का सामना कर रहे हैं और उन्हें वित्तीय नुकसान भी हो रहा है। कर्मचारियों का वर्ष 2019 से एरियर भुगतान लंबित है। संघ के योगेन्द्र दुबे, अर्वेन्द्र राजपूत, अवधेश तिवारी, नरेन्द्र दुबे, मुकेश सिंह, आलोक अग्निहोत्री, दुर्गेश पाण्डेय, आदि ने कमिश्नर जबलपुर से मांग की है कि जलसंसाधन विभाग संभाग जबलपुर में कार्यरत कर्मचारियों का शीघ्र एरियर भुगतान कराया जाये।

स्मार्ट रोड फेस 3 के निर्माण कार्यों में आयेगी और गति -निगमायुक्त

जबलपुर। स्मार्ट सिटी के अंतर्गत निर्मित स्मार्ट रोड फेस 3 के कार्यो में अब और गति आएगी। आज स्मार्ट सिटी के कार्यपालिक निदेशक एवं निगमायुक्त श्री संदीप जी.आर. ने फेस 3 के निर्माण कार्यो का निरीक्षण कर प्रगति की जानकारी ली। जानकारी के दौरान अधिकारियो ने बताया कि स्मार्ट रोड फेस 3 के निर्माण कार्यो को पूर्ण करने में कुछ अड़चने हैं जो रूकावट पैदा कर रहीं हैं।

वासना- विषय ,कषाय यह अज्ञानता के मार्ग -आचार्यश्री

जबलपुर। पूर्णायु परिसर दयोदय तीर्थ गौशाला आचार्य श्री विद्यासागर महाराज ने कहा कुछ लोग जो दीक्षा लेने आए हैं , वह आज बहुत प्रसन्न है जीवन भर अर्थ संग्रह किया , काम धंधा किया , बुढ़ापे तक दुकान ,काम- धंधा नहीं छूट रहा था, पिताजी दादाजी जो भी है काम करते ही रहते , अब यह नियम पूर्वक मोक्ष मार्ग पर प्रशस्त होंगे, जीवन की दशा यह है की जीवन पर्यंत काम करना और जीवन को यथार्थ रूप में भोगते रहना , इसे देखकर हमें ऐसा लगता है कि इन्हें जैन धर्म के नियमों का अध्ययन करना चाहिए ,अध्ययन से योग्यता बढ़ती है।आचार्य श्री ने कहा कि संतान हो जाने से पति पत्नी की आपस में दृष्टि हटती जाती है क्योंकि उसका पूरा ध्यान बच्चे के लालन पालन की दिशा ,संस्कार देने में लग जाता है वस्तुतः वासना- विषय ,कषाय यह अज्ञानता के मार्ग हैं एक ही संतान होने का कोई नियम नहीं है लेकिन संयम के कारण यह नियम बंध जाता है। आचार्य कहते हैं कि जो इस विषय को अध्ययन का विषय बनाते हैं वही समझ सकते हैं अन्य तो वासना के कारण विषयों और कषायों की ओर दृष्टि लगाए रहते हैं , जिसे धर्म की ओर लगाना चाहिए इसलिए धर्म अध्ययन किया करो तभी वैराग्य सामने आएगा । पांच पापों से विराम आना चाहिए , मन में पांच पापों से घबराहट होने चाहिए , हमें जीवन में सम्यक भाव रखना चाहिए सिर्फ अपने बारे में , अपना स्वार्थ सोचते रहते हैं या मिथ्या है ये आपको क्यों समझ में नहीं आता।

बेटा आईएएस और पिता चले बैराग्य की राह पर...

जबलपुर। आचार्य गुरुदेव विद्यासागर महाराज की एक झलक पाने वाला उनका मुरीद हो जाता है और जो वर्षो से उनकी चरण रज पा रहे हैं वे तो अपने को धन्य समझते हैं । बैंक ऑफ इंडिया से रिटायर्ड मल्ल कुमार जैन मल्लू भैया जबलपुर ने आचार्य भगवन के समक्ष दीक्षा लेने के भाव बनाए और गुरुदेव ने भी उनका वृत्ति जीवन और त्याग देख कर के उन्हें छुल्लक महाराज की दीक्षा देने का आशीर्वाद प्रदान किया । 72 वर्षीय मल्लू भैया वर्तमान में आचार्य श्री के आशीर्वाद से चल रही पूरे देश की दयोदय गौशाला महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। बेटा राहुल जैन सीनियर आईएएस अधिकारी है और वर्तमान में केंद्रीय राज्य मंत्री प्रहलाद पटेल के सचिव दिल्ली में पदस्थापना है। दो बेटियां रूपाली और रश्मि है गृहस्थ और सांसारिक जीवन छोड़ने से पहले मल्ल कुमार जैन घर से दूल्हे की तरह विदा हुए. घर से इनकी विदाई इतने भव्य तरीके से की गई जिसमें उनका पूरा समाज और मोहल्ला उमड़ पड़ा. 72 वर्षीय मल्ल कुमार जैन अब गृहस्थ जीवन का त्याग कर गौ रक्षा ,गौ सेवा और सामाजिक कल्याण में अपना बचा हुआ जीवन अर्पित करेंगे.. लंबी तपस्या के बाद आचार्य विद्यासागर ने मल्ल कुमार जैन को दीक्षा देने के लिए हामी भरी. मल्ल कुमार जैन और उनका परिवार उत्सव के माहौल में डूब गया. परिवार से दूर जाने का गम तो उन्हें है लेकिन समाज सेवा का संतोष है. परिवार ने उन्हें खुशी-खुशी विदा किया. ।

स्वतंत्रता दिवस पर कर्मचारियों के लिए डी.ए की घोषणा करे शासन

जबलपुर। मध्य प्रदेश जागरूक अधिकारी कर्मचारी संयुक्त समन्वय समिति के जिलाध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन ने बताया कि प्रदेश के कर्मचारी मंहगाई भत्ते मिलने की आस लगाए हुए हैं। ऐसे में कर्मचारियों की मांग है कि प्रदेश के मुख्य मंत्री स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष में 15 अगस्त को प्रदेश के कर्मचारियों को डी.ए देने की घोंषणा करें। ध्यान रहे की प्रदेश के कर्मचारियों/अधिकारियों को वर्तमान में 12 प्रतिशत मंहगाई भत्ता मिल रहा है जबकि केन्द्रीय कर्मचारियों को 28 प्रतिषत मंहगाई भत्ता दिया जा रहा है। वहीं प्रदेश के कर्मचारी/अधिकारी 16 प्रतिशत मंहगाई भत्ते से पीछे चल रहे हैं जिससे कर्मचारी हैरान, परेशान और हलाकान हैं कि आखिर शासन-प्रषासन उनकी सुध क्यों नहीं ले रहा। संघ के संघ के प्रांताध्यक्ष उदित भदौरिया, जिलाध्यक्ष- रॉबर्ट मार्टिन, जियाउर्रहीम, मीनूकांत शर्मा, दिनेश गोंड़, एनोस विक्टर, स्टेनली नॉबर्ट, शहीर मुमताज़, हेमंत ठाकरे, सुनील श्रीवास्तव, विनोद सिंह, आदि ने मुख्य मंत्री से मांग की है कि स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष में प्रदेश कर्मचारियों को मंहगाई भत्ता देने की घोषणा कर उन्हे तोहफा दें।

जेल की व्यवस्थाऐं देख खुश हुए महानिदेशक जेल

जबलपुर। महानिदेशक जेल एवं सुधारात्मक सेवाऐं अरविन्द कुमार ने नेताजी सुभाष चन्द्र बोस केन्द्रीय जेल का निरीक्षण किया। सर्वप्रथम परेड सलामी उपरांत नेताजी सुभाष चन्द्र बोस वार्ड में पहुंचकर प्रतिमा पर माल्यार्पण किया तथा शायिका में पुष्प अर्पित किया। तदोपरान्त पाकशाला में बंदियों के लिये तैयार किये जा रहे भोजन की गुणवत्ता की जॉच करने हेतु भोजन चख कर देखा इसके उपरांत उनके द्वारा जेल के पश्चिमी खण्ड ,महिला खण्ड आजाद हिन्द खण्ड एवं अन्य स्थानों का सूक्ष्मता से निरीक्षण कर जेल के पुरूष महिला बंदियों की परेड का अवलोकन किया गया तथा बंदियों की समस्याऐं सुनकर संबंधित अधिकारियों को शीघ्र निराकरण करने हेतु निर्देशित किया गया। महानिदेशक जेल और सुधारात्मक सेवाएं अरविंद कुमार ने जेल का दौरा करके वहां की व्यवस्थाएं देखी और उन्होंने इसे आदर्श जेल का दर्जा दिया। इस मॉडल को प्रदेश के अन्य जेलों में भी लागू किया जाएगा।इस अवसर पर उनके द्वारा राष्ट्रीय कौशल विकास निगम द्वारा प्रशिक्षित तथा इन्दिरा गांधी मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा शिक्षित बंदियों को प्रमाण पत्र वितरित किये गये तथा यह शुभकामनाऐं भी व्यक्त की गई की बंदी भाई एवं बहनें अपने जेल में परिरूद्ध समय का बेहतर उपयोग कर समाज एवं राष्ट्र की मुख्य धारा में जुड़ सकेंगे तथा जेल से रिहा होने उपरांत अपनी आजीविका भी कमा सकेंगे साथ ही महानिदेशक जेल एवं सुधारात्मक सेवाऐं द्वारा इंडिया विजन फाउंडेशन द्वारा तनाव प्रबंधन में प्रशिक्षण प्राप्त प्रहरियों को भी प्रमाण पत्रों का वितरण किया गया। जेल भ्रमण के दौरान उनके द्वारा जेल में संचालित कपड़ा उद्योग, पावरलूम काराखानाए कारपेंटर कारखाना आदि उद्योगों का सूक्ष्मता से निरीक्षण किया गया। जेल की साफसफाई, भोजन व्यवस्था,बंदी अनुशासन पर उनके द्वारा प्रसन्नता व्यक्त की गई एवं कहा गया कि प्रदेश के वरिष्ठतम जेल अधीक्षक गोपाल प्रसाद ताम्रकार के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में बंदियों को ई.मुलाकात व्यवस्थाए आर ओ प्लांट का शुद्ध पेयजल वीडियो कांफ्रेंसिंग आदि सुविधाऐं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इस अवसर पर विधि अधिकारी अशोक सिंह सहित जेल के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

पमरे से 3 जोड़ी मेमू स्पेशल ट्रेनें ,आज से नियमित

जबलपुर यश भारत। रेल मंत्रालय द्वारा पैसेंजर सेवा को मेमू ट्रेन में परिवर्तित कर पश्चिम मध्य रेल में नई मेमू ट्रेन स्पेशल गाड़ी सेवा शुरू की गयी है। इसी श्रृंखला में पश्चिम मध्य रेल से प्रारंभ होने वाली 03 जोड़ी मेमू ट्रेन की सेवा नियमित समय सारिणी और 01 जोड़ी मेमू ट्रेन की समय-सारणी में संशोधन के अनुसार आज 14 अगस्त 2021 से लागू कर दिया गया है। यह गाड़ी पूरी तरह अनारक्षित रहेंगी। इसके साथ ही परिचालन की सुगमता को ध्यान में रखते हुए बीना-कटनी-बीना अनारक्षित मेमू स्पेशल ट्रेन की समय-सारणी में दिनांक 14.08.2021 से संशोधन करने का निर्णय लिया गया है। इन सभी मेमू ट्रेन में मासिक एवं त्रैमासिक सीजन टिकिट की भी सुविधा रहेगी। मेमू स्पेशल ट्रेनों की विस्तृत जानकारी निम्न है।

1) गाड़ी संख्या 06619/06620 इटारसी-कटनी-इटारसी मेमू ट्रेन स्पेशल (अनारक्षित)- गाड़ी संख्या 06619 इटारसी से कटनी मेमू स्पेशल ट्रेन दिनाँक 14.08.2021 से इटारसी स्टेशन से 04:30 बजे प्रस्थान कर पिपरिया स्टेशन पर 05:38 बजे, गाडरवारा 06:18 बजे, नरसिंहपुर 06:58 बजे, श्रीधाम 07:58 बजे, जबलपुर 09:15 बजे, सिहोरा रोड 10:13 बजे और 11:30 बजे कटनी स्टेशन पहुँचेंगी। वापसी में गाड़ी संख्या 06620 कटनी से इटारसी मेमू स्पेशल ट्रेन दिनाँक 14.08.2021 से कटनी स्टेशन से 14:00 बजे प्रस्थान कर सिहोरा रोड स्टेशन पर 14:50 बजे, जबलपुर 15:50 बजे, श्रीधाम 17:08 बजे, नरसिंहपुर 17:48 बजे, गाडरवारा 18:23 बजे, पिपरिया 19:10 बजे और 21:50 बजे इटारसी स्टेशन पर पहुँचेंगी।

यह गाड़ी रास्ते में दोनों दिशाओं के गुर्रा, सोनतलाई, बागरातावा, गुरमखेडी, सोहागपुर, पिपरिया, बनखेड़ी, जुनहटा, सालीचैका रोड, गाडरवारा, बोहानी, करेली, नरसिंहपुर, घाटपिंडरई, बेलखेडा, करकबेल, श्रीधाम, बिक्रमपुर, भिटौनी, भेड़ाघाट, मदन महल, जबलपुर, अधारताल, देवरी, गोसलपुर, सिहोरा रोड, डुंडी, स्लीमनाबाद, संसारपुर, निवार एवं माधवनगर रोड स्टेशनों पर रुकेंगी।

2) गाड़ी संख्या 06625/06626 कटनी-सतना-कटनी मेमू ट्रेन स्पेशल– गाड़ी संख्या 06625 कटनी से सतना मेमू स्पेशल ट्रेन दिनाँक 14.08.2021 से कटनी स्टेशन से 14:00 बजे प्रस्थान कर पटवारा स्टेशन पर 14:08 बजे, झुकेही 14:16 बजे, पकरिया रोड 14:26 बजे, अमदरा 14:36 बजे, भदनपुर 14:50 बजे, मैहर 15:02 बजे, उचेहरा 15:13 बजे, लगरगँवा 15:23 बजे और 15:50 बजे सतना स्टेशन पर पहुँचेंगी। वापसी में गाडी संख्या 06626 सतना से कटनी मेमू स्पेशल ट्रेन दिनाँक 14.08.2021 से सतना स्टेशन से 12:05 बजे प्रस्थान कर लगरगँवा 12:14 बजे, ऊँचेहरा 12:24 बजे, मैहर 12:37 बजे, भदनपुर 12:48 बजे, अमदरा 13:02 बजे, पकरिया रोड 13:10 बजे, झुकेही 13:20 बजे, पटवारा 13:40 बजे और 13:55 बजे कटनी स्टेशन पर पहुँचेगी।

3) गाड़ी संख्या 06635/36 एवं 06637/38 सतना-मानिकपुर-सतना मेमू ट्रेन स्पेशल- गाड़ी संख्या 06635 सतना से मानिकपुर मेमू स्पेशल ट्रेन को 14.08.2021 से सतना स्टेशन से 16:00 बजे प्रस्थान कर सगमा 16:10 बजे, हाती 16:15 बजे, जैतवारा 16:22 बजे, खुटहा 16:32 बजे, चितहरा 16:40 बजे, मझगवां 16:50 बजे, टिकरिया 17:18 बजे, मारकुंडी 17:50 बजे और 18:50 बजे मानिकपुर स्टेशन पर पहुँचेंगी। वापसी में गाड़ी संख्या 06636 मानिकपुर से सतना मेमू स्पेशल ट्रेन को 14.08.2021 से 19:25 बजे मानिकपुर स्टेशन से प्रस्थान कर मारकुंडी 19:44 बजे, टिकरिया 19:54 बजे, मझगवां 20:08 बजे, चितहरा 20:18 बजे, खुटहा 20:38 बजे, जैतवारा 20:53 बजे, हाती 21:02 बजे, सगमा 21:12 बजे और 21:25 बजे सतना स्टेशन पर पहुँचेंगी।

गाड़ी संख्या 06637 सतना से मानिकपुर मेमू स्पेशल ट्रेन को दिनाँक 14.08.2021 से सतना स्टेशन से 05:25 बजे प्रस्थान कर सगमा 05:32 बजे, हाती 05:41 बजे, जैतवारा 05:48 बजे, खुटहा 05:58 बजे, चितहरा 06:10 बजे, मझगवां 06:20 बजे, टिकरिया 06:32 बजे, मारकुंडी 06:42 बजे और 07:25 बजे मानिकपुर स्टेशन पर पहुँचेंगी। वापसी में गाड़ी संख्या 06638 मानिकपुर से सतना मेमू स्पेशल ट्रेन को दिनाँक 14.08.2021 से 08:15 बजे मानिकपुर स्टेशन से प्रस्थान कर मारकुंडी 08:36 बजे, टिकरिया 08:46 बजे, मझगवां 08:58 बजे, चितहरा 09:08 बजे, खुटहा 09:30 बजे, जैतवारा 09:43 बजे, हाती 09:54 बजे, सगमा 10:04 बजे और 10:45 बजे सतना स्टेशन पर पहुँचेंगी।

4) 06621/06622 बीना-कटनी-बीना मेमू स्पेशल ट्रेन की समय-सारणी में संशोधन– गाड़ी संख्या 06621 बीना से कटनी मेमू स्पेशल ट्रेन को दिनाँक 14.08.2021 से बीना स्टेशन से 05.00 बजे प्रस्थान कर, सागर 06:30 बजे , दमोह 08:05 बजे और 11.50 बजे कटनी स्टेशन पहुँचेगी। वापसी में गाड़ी संख्या 06622 कटनी से बीना मेमू स्पेशल ट्रेन को दिनाँक 14.08.2021 से कटनी स्टेशन से 12.00 बजे प्रस्थान कर, दमोह 14:40 बजे, सागर 16:30 बजे और 18.30 बजे बीना स्टेशन पहुँचेगी। यह गाडी दिनों दिशाओं में मालखेड़ी, बघोरा, खुरई, सुमेरेरी, जरुआखेडा, ईसरवारा, नरियावल, रतोना, सागर, मकरोनिया, लिढोरा खुर्द, गिरवर, दंगीधार, गनेशगंज, पथरिया, असलाना, दमोह, करहिया भदौली, बांदकपुर, घटेरा, गोलापट्टी, सगोनी, रतनगांव, सलैया, बखलेटा, रीठी, पाटौहा, हरदुआ, मझगवां फाटक एवं कटनी-मुड़वारा स्टेशनों पर रुकेगी।

रेल प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि यह गाड़ी पूर्णतः अनारक्षित है। कोविड-19 संक्रमण से बचाव के लिए जरूरी सावधानियों के साथ सभी दिशा-निर्देशों का पालन करें।

अनियंत्रित होकर बुलेरो पलटी 5 महिलाओं सहित सात घायल

जबलपुर। बाकल थाना अंतर्गत ग्राम राजा सलैया के पास तेज रफ्तार बुलेरो जीप क्रमांक एम.पी.20सीके-0369 अनियंत्रित होकर पलट गई। जिसके कारण उसमें सवार 7 लोग घायल हो गए। घायलों में 5 महिलाएं व 2 पुरूष शामिल हैं। सभी को डायल-100 वाहन से लाकर बहोरीबंद सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में भर्ती कराया गया है। जहां उनका उपचार जारी है। घायलों की मदद करने में डायल-100 वाहन में तैनात सहायक उपनिरीक्षक एस.के.बड़गैयां, आरक्षक अंकित कनोजिया व पायलट गोवर्धन दाहिया की भूमिका रही। पुलिस ने ग्राम पटोरी निवासी अनार सिंह पिता नन्हेलाल लोधी की शिकायत पर बुलेरो चालक के विरूद्ध धारा 279, 337 व मोटर व्हीकल एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

आर टी ई के अंतर्गत ऑनलाइन लॉटरी के माध्यम से स्कूल का आवंटन आज

जबलपुर । शिक्षा का अधिकार अधिनियम के अन्तर्गत सत्र 2021.22 में नि:शुल्क प्रवेश की प्रथम चरण की प्रवेश प्रक्रिया उपरांत गैर अनुदान मान्यता प्राप्त अशासकीय स्कूलों में शेष रिक्त सीटों पर द्वितीय चरण की प्रवेश प्रक्रिया जारी रही है। इसके तहत ऑनलाइन लॉटरी के माध्यम से 14 अगस्त को स्कूल का आवंटन किया जाएगा। आवंटित स्कूल में 16 से 25 अगस्त तक बच्चे प्रवेश प्राप्त कर सकेंगे। संबंधित स्कूल को 25 अगस्त तक एडमिशन रिपोर्टिंग देनी होगी। द्वितीय चरण की लॉटरी के लिए केवल वे ही आवेदक पात्र होंगे जिन्होने पूर्व में ऑनलाइन आवेदन किया है ।

प्यार, सगाई और फांसी

गोहलपुर में युवती ने मानसिक तनाव में आकर दे दिए प्राण

जबलपुर, यशभारत। गोहलपुर थाना अंतर्गत शांति नगर में एक 27 वर्षिय युवती ने घर में फांसी लगाकर मौत को गले लगा लिया। जैसे ही परिजनों ने अपनी लाडली को फंदे पर लटका हुआ देखा तो उनकी चीखें निकल गयीं। जिसके बाद पड़ोसियों ने पुलिस को फोन कर सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम करते हुए जब प्रारंभिक जांच शुरु की तो पाया कि युवती की दो वर्ष पहले जबलपुर के ही एक युवक के साथ सगाई हो चुकी थी। दोनों एक दूसरे को प्यार करते थे। लेकिन शादी नहीं हो सकी। युवती मानसिक तनाव में थी और हाल ही में अस्पताल से डिस्चार्ज होकर घर आई हुई थी। पुलिस मामले की हरेक बिन्दुओं पर जांच कर रही है। गोहलपुर जांच अधिकारी एसआई मयंक यादव ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि 27 बर्षिय युवती पिता स्व. अशोक विश्वकर्मा शांति नगर में रहती थी। पिता के गुजर जाने के बाद मां की पेंशन से घर खर्च चलता था और भाई भी कार्यरत है। घर में तनाव का कोई कारण नहीं था।

शादी में आ रही थी परेशानी

पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक पड़ताल में यह तथ्य सामने आए है कि युवती की पसंद के लड़के से सगाई तो हो चुकी थी। लेकिन किसी कारण वश शादी नहीं हो पा रही थी। परिजनों ने पुलिस को बताया कि मृतिका अभी-अभी अस्पताल से डिस्चार्ज होकर घर आई थी और ठीक थी। लेकिन तनाव में थी, जिसके बाद युवती ने यह आत्मघाती कदम उठाया।

देहदान से अमर हो जाता नश्वर शरीर : कलेक्टर

जबलपुर । नश्वर शरीर भी आपको अमर कर सकता है। जीवनभर प्रमुख पर्वो व अनुष्ठानों पर किए गए दानों में देह का महादान से बड़ा कोई दान नहीं होता है सांस थमने के बाद शरीर का दान करने वाला देह व अंगों का महादान होता है, क्योंकि अंग दान से किसी व्यक्ति को नया जीवन प्राप्त होता है। ऐसा करने वाला व्यक्ति प्रभु की कृपा का पात्र और दुनिया की नजरों में महान बनता है। उपरोक्त विचार आज कलेक्टर श्री कर्मवीर शर्मा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में देहदान करने वाले परिवारों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए 30 परिवारों को प्रशस्ति प्रमाण पत्र प्रदान करते हुए आगे कहा कि मरणोपरांत देहदान संकल्प लेकर अद्भुत मिशाल पेश की। इनकी एवं इनके परिवार की जितनी तारीफ की जाए वह कम होगी आने वाले भविष्य में चिकित्सा शिक्षा के लिए बहुमूल्य वरदान होगा कार्यक्रम में प्रयास जनशक्तिकरण संस्था की राष्ट्रीय अध्यक्ष सुश्री रानू शर्मा,राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित श्रेया खंडेलवाल,श्रीमती श्यामा सिन्हा उपाध्यक्ष श्रीमती ज्योति जैन पारुल राजपूत रश्मि झारिया एडवोकेट राजेश सेन सुनील सेन प्रदीप शर्मा देवांशु सोनवानी पल्लवी गुप्ता वंदना गुप्ता सविता पटेल सोनू भाटिया कविता शर्मा रीना तिवारी रामनाथ राम सुधा भाटिया प्रेमलता शिव प्रसाद पटेल, प्रकाश चंद, संतोष कुमार सिंह, सरदार सुरेंद्र सिंह, संतोष नामदेव,और कलेक्ट्रेट कंट्रोल रूम से उमाशंकरअवस्थी,अनिल मरावी दीपक अहिरवार राकेश मून उमेश यादव आदि उपस्थित थे।

नकली पुलिस आफीसर

5 हजार हड़पने के लिए पहन ली वर्दी

जबलपुर, यशभारत। नकली पुलिस आफीसर बनकर पैसे ऐंठने वाले एक शातिर बदमाश को पुलिस ने उस वक्त धर दबोचा जब वह पुलिस की धौंस दिखाकर एक व्यक्ति से 5 हजार की राशि मांग रहा था। इतना ही नहीं पैसे नहीं देने पर जेल भेज देने की बकायदा कार्रवाई भी करने लगा, जिसके बाद पीड़ित डर गया। उसे कुछ सूझ नहीं रहा था। लिहाजा उसने कैंट थाना पहुंचकर इसकी शिकायत की। मामला जैसे ही पुलिस के संज्ञान में आया, तत्परता दिखाते हुए पुलिस ने आरोपी को कैंट से दबोच लिया। पुलिस ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि कमर अहमद उम्र 40 वर्ष कैंट में रहता है। दो दिन पहले पेंटीनाका में एक एक्सीडेंट हुआ था। जिसमें कार और बाइक सवार ने आपस में समझौता कर लिया था। जिसके बाद पीड़ित पक्ष ने पुलिस को कोई शिकायत नहीं दी थी। लेकिन मौके का फायदा उठाकर आरोपी पहुंच गया और पीड़ित पक्ष को दम देते हुए यह कहने लगा कि वह पुलिस आफीसर है और मामले की तुमने शिकायत नहीं की। मैं तुम्हे देख लूंगा।

पीड़ित पक्ष को फोन करके दे रहा था धमकी, कैंट पुलिस ने पहुंचाया सीखचों के अंदर

कैंट थाने में पदस्थ हूँ-

आरोपी कमर अहमद ने पीड़ित पक्ष आनंद डिसूजा का मोबाइल नंबर निकाला और कहा कि उसने एक्सीडेंट का मामला रफा-दफा करवाया है। लिहाजा उसे 5 हजार रुपए चाहिए। आरोपी ने अपनी धौंस जमाने के लिए यह भी कह दिया कि वह कैंट थाने में बतौर आफीसर पदस्थ है और जब चाहे उसे जेल की हवा खिलवा सकता है। जिसके बाद पीड़ित ने इसकी शिकायत थाने में की। पुलिस ने टीम गठित कर आरोपी को कैंट से उठा लिया और जब पूछताछ की तो आरोपी ने बताया कि उसे पैसों की जरुरत थी, पैसे कमाने का मौका देखा तो पुलिस अधिकारी बन गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर, जांच में लिया है।

आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत जिले के 13 गांवों में हुई फ्रीडम रन

जबलपुर। देश की आजादी के 75वें वर्ष पर भारत सरकार द्वारा आयोजित आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ शुक्रवार से हो चुका है। जिसके अंतर्गत आज नेहरू युवा केन्द्र जबलपुर द्वारा जिले के सभी विकासखण्ड के 13 गाँवो में फ्रीडम रन ;स्वतंत्रता दौडद्ध का भव्य आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों का आयोजन प्रतीक सिन्हा, जिला युवा अधिकारी तथा अतुल पाण्डेए कार्यक्रम सहायक के मार्गदर्शन में जिले के ग्राम आमाहिनोताए नुनसर,कुण्डम, महंगवा गिदुरहा, बडखेरा , टिकरिया, मगरमुहा, भर्रा, सुंदरपुर, गुरजी कटंगी बरगी में एनवाईव्ही स्वयंसेवको द्वारा किया गया। फ्रीडम रन के दौरान उपस्थित अतिथियों का स्वयंसेवको द्वारा स्वागत किया गया।

कलेक्टर ने दीनदयाल रसोई का निरीक्षण किया

जबलपुर कलेक्टर कर्मवीर शर्मा ने गोकुलदास धर्मशाला के पास नगर निगम द्वारा अंत्योदय योजना के अंतर्गत संचालित दीनदयाल रसोई का निरीक्षण किया।इस दौरान उन्होंने प्रतिदिन बनने वाले भोजन के साथ गुणवत्ता का निरीक्षण किया और कहा कि भोजन शुद्धता के साथ गुणवत्तापूर्ण हो। इस दौरान नगर निगम कमिश्नर श्री संदीप जीआर सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

आवश्यकता है

ज्वेलरी शोरूम के लिए अनुभवी सेल्समेन एवं सेल्सगर्ल, कैश काउन्टर के लिए सीनियर सिटीजन, स्टाफ मैनेजमेंट की आवश्यकता है।

संपर्क
श्री हनुमंत छाया ज्वेलर्स गोहलपुर
मालगुजार परिसर के पहले
मो.9977112211
बायोडाटा सहित संपर्क करें

जीसीएफ कर्मी से लूटा मोबाइल

जबलपुर, यशभारत। लूट की वारदात को अंजाम देकर भाग रहे दो लुटेरों को सिविल लाइन पुलिस ने घेराबंदी कर दबोच लिया। आरोपियों के पास से पुलिस ने जीसीएफ कर्मी से छीना गया मोबाइल फोन जब्त कर लिया है। आरोपियों ने इससे पहले सिविल लाइन क्षेत्र में भी लूट का प्रयास किया था। आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। घमापुर पुलिस ने बताया कि जीसीएफ कर्मी जगदीश आचाले शुक्रवार को ड्यूटी से छूटने के बाद घर जा रहे थे। रास्ते में उनके मोबाइल पर कॉल आ गया, वह बात करते हुए जा रहे थे। सीनियर क्लब के पास एक बाइक सवार दो लुटेरों ने ओवरटेक किया। इसी दौरान बाइक पर पीछे बैठे युवक ने मोबाइल छीन लिया। दोनों तेजी से सिविल लाइन की ओर भागे। आरोपियों ने न्यायिक क्षेत्र से जुड़े एक और व्यक्ति का मोबाइल छीन लिया था। वायरलेस सेट पर पुलिस ने लूट की वारदात की सूचना देते हुए आरोपियों का हुलिया भी प्रसारित किया। सिविल लाइन टीआई धीरज राज और उनकी टीम ने नाकाबंदी करते हुए आरोपियों को दबोच लिया।

पुलिस ने शातिर बाइक सवारों को धर दबोचा

जबलपुर मेडिकल छात्रावास में धूं-धूंकर जलीं दो बाइक - आरोपियों का सुराग नहीं

जबलपुर, यशभारत। नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज अस्पताल के छात्रावास क्रमांक-3 में दो मोटरसाइकिलों को आग लगा दी गई। घटना का पता शुक्रवार-शनिवार दरमियानी रात करीब तीन बजे चला। आग लगने से दोनों मोटरसाइकिल का ढांचा ही शेष बचा है। छात्रावास में देर रात उठी आग की लपटें देखकर मेडिकल छात्र दहशत में हैं। उन्होंने मोटरसाइकिलों में लगी आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। इधर घटना की सूचना मिलते ही गढ़ा पुलिस टीम मौके पर पहुंची। फ ायर ब्रिगेड को भी घटना की सूचना दी गई। पुलिस मामले की जांच में जुटी है, लेकिन अभी तक आरोपियों का कोई सुराग नहीं मिल सका है।

सुरक्षा के इंतजाम नहीं

मेडिकल के छात्रावास क्रमांक 3 में सुरक्षा के इंतजाम नहीं हैं। छात्रों ने बताया कि छात्रावास में सिक्योरिटी गार्ड अथवा चौकीदार की व्यवस्था नहीं की गई है। पूर्व में भी छात्रावास में आपराधिक घटनाएं सामने आ चुकी हैं। मेडिकल प्रशासन से सिक्योरिटी गार्ड की मांग की गई थी जिसे अनसुना कर दिया गया।

अमर शहीद गुलाब सिंह पटेल का पुण्य स्मरण

जबलपुर । अमर शहीद गुलाब सिंह पटेल शहीदी दिवस पर शहर जिला कांग्रेस कमेटी एवं जबलपुर शहर जिला स्वतंत्रता संग्राम सैनिक संघ ,शहर जिला स्वतंत्र अधिकारी सेनानी संगठन के संयुक्त तत्वावधान में घमंडी चौराहे पर अमर शहीद गुलाब सिंह की चित्र पर माल्यार्पण किया गया । इस मौके पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संघ के अध्यक्ष एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानी दादा जैन के उत्तराधिकारी अरुण जैन एवं सेवादल कांग्रेस कमेटी के मुख्य संगठन सतीश तिवारी ,पूर्व पार्षद भगत राम सिंह ,नगर कांग्रेस कमेटी के सुरेंद्र पटेल,सेवादल महासचिव के विष्णु विनोदिया स्वतंत्र अधिकारी संघ के मनोज नामदेव केशव प्रसाद चौरसिया रामनारायण शर्मा राकेश पटेल राम नारायण राय अशोक बर्मन जेपी अवस्थी आदि मौजूद रहे।

नाम सुधार सूचना

मैं राजकपूर उर्फ देवेन्द्र पटैल वल्द कालीचरण पटेल यह घोषणा करता हूं कि मेरे आधार कार्ड, बैंक खाता एवं समस्त दस्तावेजों में मेरा नाम देवेन्द्र पटैल दर्ज है एवं मेरी कृषि भूमि ग्राम मोहनिया पहनं 20/9 तह. पनागर जिला जबलपुर स्थित ख न 205 रकवा 0.450 हे. भूमि के राजस्व अभिलेखों में मेरा नाम राजकपूर दर्ज है। यह मेरा घर का नाम है। **यह कि राजकपूर एवं देवेन्द्र पटैल दोनों नाम मेरे ही नाम हैं।** मुझे मेरे इसी नाम से जाना एवं पहचाना जाये। मैं अपनी भूमि के रिकार्ड में अपना नाम राजकुमार उर्फ देवेन्द्र पटेल वल्द कालीचरण पटैल दर्ज कराना चाहता हूं। जिसके लिये मैंने शपथ पत्र प्रस्तुत किया है।

पता
ग्राम मोहनिया (कुशनेर) तह.
पनागर जिला जबलपुर (मप्र)

स्वतंत्रता दिवस पर विविध आयोजन कल

राइट टाउन स्टेडियम में होगा मुख्य कार्यक्रम

जबलपुर,यशभारत। । स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त को नगर में विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। शैक्षणिक संस्थाओं, सरकारी कार्यालयों, प्राइवेट संस्थानों, सामाजिक संस्थाओं, राजनैतिक दलों द्वारा ध्वजा रोहण किया जाएगा।मुख्य कार्यक्रम राइट टाउन स्थित पंडित रविशंकर शुक्ल स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा जहां प्रभारी मंत्री गोपाल भार्गव ध्वजारोहण करेंगे और परेड की सलामी लेंगे। मुख्य कार्यक्रम में आकर्षक मार्च पास्ट और परेड का शानदार, गरिमामय एवं भव्य आयोजन होगा। कलेक्टर कर्मवीर शर्मा ने जिले के सभी नागरिकों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनायें देते हुये स्वतंत्रता दिवस के मुख्य कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है। जहां कलेक्टर कार्यालय में कलेक्टर कर्मवीर शर्मा ध्वजा रोहण करेंगे। वहीं नगर निगम परिसर में निगमायुक्त संदीपजीआर ध्वजा रोहण करेंगे।

राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यालय में सीजे करेंगे ध्वजारोहण

उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधपति जस्टिस मोहम्मद रफ ीक म प्र [राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के सिविल लाइन पचपेढ़ी स्थित कार्यालय में स्वतंत्रता दिवस को प्रातः 10:15 बजे ध्वजारोहण करेंगे।

कांग्रेस का ध्वजारोहण

शहर कांग्रेस अध्यक्ष दिनेश यादव ने बताया कि आजादी की 75 वीं वर्षगांठ पर शहर कांग्रेस कमेटी के द्वारा 15 अगस्त को सुबह 8~30 बजे तिलक भूमि तलैया में ध्वजारोहण कर एवं मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ के संदेश का वाचन किया जाएगा 9~00 बजे त्रिपुरी कांग्रेस स्मारक कमानिया गेट में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी उत्तराधिकारी के द्वारा ध्वजारोहण होगा । 9~15 बजे खादी आश्रम स्थल पर कांग्रेस महिला नेत्रियों के नेतृत्व में ध्वजारोहण कर स्वतंत्रता की 75 वीं वर्षगांठ मनाई जाएगी।

कमला नेहरू नगर गढ़ा रोड व्यापारी संघ

कमला नेहरू नगर गढ़ा रोड व्यापारी संघ द्वारा ध्वजारोहण कार्यक्रम कमला नेहरू नगर पार्क उत्तर मध्य विधायक विनय सक्सेना, अध्यक्ष धनंजय बाजपेई ,पूर्व राज्य मंत्री एस के मुद्दीन अध्यक्ष पंडित अमित खम्पारिय विजय गुप्ता रमेश कोहली आदि की उपस्थिति में किया जाएगा ।

एक शाम शहीदों के नाम कार्यक्रम कल

आम आदमी पार्टी का झंडा वन्दन 15 अगस्त को सुबह 8 बजे प्रदेश कार्यालय मदन महल चौक में प्रदेश संगठन मंत्री डॉ मुकेश जायसवाल मुख्यातिथि की आयोजित किया गया है। 15 अगस्त की एक शाम शहीदों के नाम एक दिया जहाँ है वही अवश्य जलाएं । देश संगठन मंत्री प्रदेश संगठन सचिव आशीष सिंगरहा जिला अध्यक्ष मनोहर लाल जाटव की उपस्थित में एक शाम शहीदों के नाम कार्यक्रम आयोजित है। शाम 6 बजे रद्दी चौकी अव्दुल हमीद चौंक एवं शाम 7 बजे मालवीय चौंक कार्यक्रम आयोजित है।उक्त कार्यक्रम में देवी सिंह,प्रवीण परसाई, आशीष सोनी, चरनजीत सिंह मरवाहा, मयंक राज, जगदीश विश्वकर्मा, राहुल श्रीवास्तव,लेखीराम विश्वकर्मा, शंकर लाल अहिरवार ने अधिक से अधिक संख्या में उपस्थिति की अपील की है।

सांकेतिक रूप में मनाया जाएगा श्रीकृष्ण जन्मोत्सव

जबलपुर। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के आयोजन को लेकर अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा जबलपुर की आवश्यक बैठक शहर अध्यक्ष मनोज यादव के द्वारा दीपचंद यादव की अध्यक्षता में छोटी लाइन फाटक में आयोजित की गई बैठक में शामिल सभी सदस्यों ने अपने अपने सुझाव दिये चूंकि पूरा देश कोरोना महामारी से ग्रसित है जिसके चलते प्रसासन सामूहिक कार्यक्रम शोभायात्रा चल समारोह की अनुमति देने में असमर्थ है और समाज को शासन की गाइड लाइन का पालन भी करना है इसी कारण भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव को सांकेतिक रूप में मनाने का निर्णय लिया गया। सभी सम्मानीय सदस्यों के सुझाव आ जाने के बाद ये निर्णय लिया गया कि 30 अगस्त सोमवार को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का आयोजन तिलवारा स्थित यादव समाज के राधा कृष्ण मंदिर में दोपहर 11 बजे से 2 बजे के बीच पूजन-अर्चन, सामाजिक चर्चा, वृक्षारोपण कर प्रसाद वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। इस वर्ष भी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के एक दिन पूर्व 29 अगस्त रविवार को युवा यादव महासभा के द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन एल्गिन अस्पताल में किया जायेगा। 31 अगस्त दिन मंगलवार को नंद महोत्सव का आयोजन यादव महासभा जबलपुर के द्वारा इस्कॉन मंदिर चौकीताल लम्हेटाघाट रोड में आयोजित किया जायेगा जिसके लिये सभी सामाजिक बन्धु 12 बजे छोटी लाइन फाटक श्री मनोज यादव जी के ऑफिस में एकत्रित होंगें सामाजिक बैठक में मनोज यादव शहर अध्यक्ष, दीपचंद यादव, शशांक यादव युवा शहर अध्यक्ष, रवि यादव, विजय यादव, नरेश यादव, रामरतन यादव, वीरेन्द्र यादव, रामदास यादव, अशोक यादव, परमू यादव, पवन यादव, सुनील यादव, दीपक यादव, रवि यादव, राघवेन्द्र यादव लालू, टीकेन्द्र यादव, चित्रांश यादव, संदीप यादव, रमेश यादव, दीपक यादव, शिवम यादव, अनूप यादव, देवांश यादव, बबला यादव, आदि स्वजातीय बन्धु उपस्थित थे।

संपादकीय

लोकतंत्र की मर्यादाएं तार-तार

यूं तो संसद का हालिया मानसून सत्र ही पूरी तरह हंगामे की भेंट चढ़ गया लेकिन सत्र के अंतिम दिन उच्च सदन में जो निम्न हुआ, उससे सदन की गरिमा को गहरे तक आघात पहुंचा। देश चलाने वाले और कानून बनाने वाले यदि ऐसा अराजक व्यवहार करेंगे तो लोकतंत्र की गरिमा कहां बचेगी? चुनावी जंग के दौरान व सड़कों पर होने वाला विरोध व संघर्ष यदि संसद के भीतर होगा तो लोकतंत्र की मर्यादाएं तार–तार होंगी ही। हालांकि, सत्ता पक्ष और विपक्ष सत्र के अंतिम दिन के घटनाक्रम के लिये एक–दूसरे पर दोष मढ़ रहे हैं, लेकिन हंगामे के वायरल हुए वीडियो हकीकत बयां कर रहे हैं, जिसमें महिला सांसद महिला मार्शल पर हमलावर नजर आ रही है। सत्ता पक्ष असंसदीय व्यवहार के लिये विपक्षी दलों को दोषी बता रहा है तो विपक्ष सरकार पर मार्शल लाकर सांसदों का अपमान करने की बात कर रहा है। जिसके विरोध में विपक्ष ने प्रदर्शन किया तो सत्ता पक्ष के मंत्रियों ने प्रेस कॉनफ्रेंस करके विपक्ष पर आरोप दागे। बहरहाल, इस हंगामे को देश और दुनिया ने देखा। अब हम किस तरह दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र का गुणगान करेंगे। सवाल स्वाभाविक है कि क्या राज्यसभा में हुए हंगामे की हकीकत देश जान सकेगा? क्या इस अप्रिय घटनाक्रम की जांच होगी? यह भी कि क्या वह जांच राजनीतिक दुराग्रहों से मुक्त हो सकेगी? ऐसे तमाम यक्ष प्रश्न हमारे सामने जवाब की प्रतीक्षा में हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि जब देश महामारी के दंश से आहत है तब देश का राजनीतिक नेतृत्व लोकतंत्र के प्रहसन में लिप्त रहा। हंगामे की भेंट चढ़े सत्र के दौरान लोकसभा में महज 22 फीसदी काम का होना बताता है कि हमारे चुने सांसदों की लोकतंत्र के लिये प्रतिबद्धताएं क्या हैं? ऐसा लगा जैसे सुनियोजित ढंग से कामकाज को अवरुद्ध करने का प्रयास किया गया। विपक्ष आरोप लगा रहा है कि पहली बार संसदीय इतिहास में राज्यसभा की कार्रवाई के दौरान मार्शलों का सहारा लिया गया। लेकिन सवाल यह भी है कि नियमावली को सभापति की ओर फेंकते और मेजों पर उछलकूद करते सांसदों को पहले भी देखा गया? संसद स्वस्थ बहस करने, सवाल पूछने और सरकार के जनविरोधी फैसलों का विरोध करने का स्थान है। लेकिन इसकी अभिव्यक्ति जनप्रतिनिधियों के गरिमामय व्यवहार तथा लोकतांत्रिक गरिमा के अनुरूप ही होनी चाहिए। सत्ता पक्ष इस घटनाक्रम को विपक्ष के दिवालिएपन का प्रतीक बता रहा है तो विपक्ष लोकतंत्र की हत्या का जुमला दोहरा रहा है। लेकिन क्या नेता व राजनीतिक दल अपने सांसदों को गरिमामय व्यवहार के लिये प्रेरित कर सकते हैं? यही वजह है कि संसद में मानसून सत्र निर्धारित समय से दो दिन पहले की समाप्त करना पड़ा है। लेकिन हकीकत यह भी है कि सत्ता पक्ष की ओर से भी उस जिम्मेदारी का परिचय नहीं दिया गया, जो विवाद टालने के लिये जरूरी था। अब चाहे तीन विवादास्पद कृषि कानूनों का मसला हो, पेगासस मामले की जांच हो या महंगाई और बेरोजगारी का मुद्दा हो, सरकार द्वारा इन्हें संबोधित ही नहीं किया गया। जाहिर है ऐसी हताशा में विपक्ष का आक्रामक होना स्वाभाविक ही था। लेकिन इस प्रतिरोध का संयमित और मर्यादित होना पहली शर्त ही है। देश का जनमानस पूछ सकता है कि संसद की कार्यवाही में करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद सिर्फ बाइस फीसदी ही काम क्यों हुआ? यह भी कि उच्च सदन, जिसे अपनी गरिमा व गंभीर व्यवहार के लिये जाना जाता है, वहां सभापति को रुंधे गले से सदन क्यों संबोधित करना पड़ा? क्यों सदन की शुचिता भंग हुई है? सवाल यह है कि देश की नयी पीढ़ी इन माननीयों से क्या प्रेरणा लेगी? क्या कल वे भी सार्वजनिक जीवन में ऐसा व्यवहार नहीं करेंगे? यह विडंबना ही है कि जब देश में कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर पूरी तरह खत्म नहीं हुई है, रोज चालीस हजार के करीब नये संक्रमण के मामले सामने आ रहे हैं तथा तीसरी लहर का खतरा लगातार बना हुआ है, तो क्या माननीयों को सदी के इस सबसे बड़े संकट पर गंभीर विमर्श नहीं करना चाहिए था? क्या जनप्रतिनिधियों को राजनीतिक प्रतिबद्धताओं से इतर देश के दर्द का अहसास होता है?

स्वतंत्रता के वास्तविक लक्ष्यों का प्रश्न

स्वतंत्रता का 75वां वर्ष किसी देश के लिए महोत्सव का अवसर होने के साथ आत्मनिरीक्षण का भी समय होता है। भारत के संदर्भ में सबसे महत्वपूर्ण बिंदु यह ध्यान रखने का है कि 15 अगस्त, 1947 अंग्रेजों की दासता से स्वतंत्र होने का दिवस है। भारत के अनेक भागों में अलग–अलग कालखंडों में दासता और मुक्ति की गाथाएं भरी पड़ी हैं। जिनके लिए 15 अगस्त, 1947 से भारतीय राष्ट्र का आविर्भाव हुआ या अंग्रेजों ने एक बिखरे हुए भूखंड को राष्ट्र–राज्य में परिणत किया, वे इन 75 वर्षों का मूल्यांकन इसी आधार पर करेंगे कि तब हम क्या थे और आज क्या हैं? इसके समानांतर संस्कृति और दर्शनमूलक वास्तविक भारतीय राष्ट्र की सतत जीविता को समझने वाले की दृष्टि व्यापक होगी।

अंग्रेजों के विरुद्ध स्वतंत्रता संघर्ष का ही निष्पक्षता से विश्लेषण करेंगे तो साफ हो जाएगा कि ये दो धाराएं उस दौरान भी थीं। 19वीं सदी में खासकर कांग्रेस के आविर्भाव के बाद भी स्वतंत्रता संघर्ष के अंदर ये धाराएं थी। एक पक्ष अगर अपने मूल भारत के लक्ष्य से संघर्ष कर रहा था तो दूसरे का लक्ष्य अंग्रेजों को भगाकर स्वतंत्रता प्राप्त करना था। इन सबका बलिदान एक ही श्रेणी का था, लेकिन दृष्टि और लक्ष्य अलग–अलग थे।

अगर स्वतंत्रता के 75वें वर्ष का मूल्यांकन इस आधार पर करें कि 15 अगस्त 1947 को अंग्रेज जिस दुरावस्था वाले भारत को छोड़ कर गए थे, उसकी तुलना में आज हम कहां खड़े हैं तो ज्यादातर मानक हमारे अंदर गर्व का अनुभव कराएंगे। आर्थिक, सामाजिक, शैक्षणिक, वैज्ञानिक, यातायात, संचार, रक्षा, सुरक्षा, प्रशासन, हर क्षेत्र में हम आज उन पायदानों पर खड़े हैं, जिसकी कल्पना आजादी के समय विश्व तो छोड़िए, स्वयं भारतीयों को नहीं थी। 193 करोड़ रुपये से पहला बजट पेश करने वाला भारत 27 लाख करोड़ के बजट वाला देश बना है तो कल्पना की जा सकती है कि कितनी बड़ी छलांग हमने लगाई है।

1962 में चीन के हाथों अपमानजनक पराजय झेलने वाले देश ने पिछले वर्ष गलवान घाटी में चीनी सैनिकों को जिस ढंग से मुंहतोड़ जवाब दिया, उससे बड़ा उदाहरण एक महत्वपूर्ण रक्षा शक्ति बन जाने का दूसरा नहीं हो सकता। पहले इंदिरा गांधी और फिर अटल बिहारी वाजपेयी ने नाभिकीय परीक्षण करके पूरी दुनिया को चौंका दिया तो नरेंद्र मोदी ने उपग्रहों को नष्ट करने की शक्ति का परीक्षण करके। स्वतंत्रता के समय अंग्रेजों सहित पश्चिमी विद्वानों ने भविष्यवाणी कर दी थी कि भारत में कभी संसदीय लोकतंत्र सफल नहीं हो सकता। 17 लोकसभा तथा लगातार राज्य विधानसभाओं का सफल आयोजन कर और अपनी एकता–अखंडता बनाए रखकर भारत ने उन सारी भविष्यवाणियों को गलत साबित कर दिया है।

वर्तमान अंतर्राष्ट्रीय राजनीतिक दृष्टिकोण से देखें तो भारत एक सफल लोकतंत्र है। 75वें वर्ष में गंभीरता से विचार करना चाहिए कि क्या हम राजनीतिक मतभेदों को दरकिनार कर देश हित में उस स्थिति में वापस जाने के लिए तैयार हो सकते हैं? ऐसे और भी कई प्रश्न हमारे सामने खड़े हैं। 75वें वर्ष का महामहोत्सव हम सबको भारत के प्रति संपूर्ण रूप से भावुक, संवेदनशील और ज्यादा समर्पित करने की प्रेरणा देने वाला बनना चाहिए।

15 अगस्त 1947 को ही हमारे देश में दो धाराएं साफ दिखीं। एक ओर प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू थे, जिन्होंने विक्टोरियन अंग्रेजी में प्रसिद्ध ट्रस्ट विद डेस्टिनी का भाषण दिया तो दूसरी ओर महात्मा गांधी नोआखाली में थे और उन्होंने स्वतंत्रता दिवस पर कोई वक्तव्य जारी नहीं किया। यह कहा कि आज से गांधी अंग्रेजी भूल गया है। गांधी जी कहते थे कि हम स्वतंत्र इसलिए होना चाहते हैं क्योंकि भारत का लक्ष्य अन्य राष्ट्रों से भिन्न है, हमको विश्व को रास्ता दिखाना है। सुभाष चंद्र बोस ने भी कहा था कि भारत को अन्य देशों की तरह महाशक्ति नहीं, इसे तो एक आदर्श महाशक्ति बनना है।75वें वर्ष में हमें शांत और संतुलित होकर विचार करना होगा कि वर्तमान लोकतांत्रिक व्यवस्था को धक्का पहुंचाए बगैर कितना और कैसे उन लक्ष्यों को साकार करने का उत्तरदायित्व पूरा किया जा सकता है? भारत राष्ट्र के वास्तविक सपने को साकार करने का लक्ष्य रखने वाले लोगों को उनके विरुद्ध भी अहिंसक आंदोलन करना ही होगा। सौभाग्य से पिछले कुछ वर्षों में इसके प्रति व्यापक जन जागरण हुआ है, भारी संख्या में लोग निस्वार्थ भाव से सक्रिय भी हुए हैं लेकिन इस धारा में अतिवाद, व्यावहारिकता की जगह भावुकता काफी हद तक अज्ञानता का बड़ा पक्ष है। इसे कम करते हुए ज्ञानवान, विवेकशील और भारत के प्रति समर्पित लोगों को काम करना होगा। तभी स्वतंत्रता के वास्तविक सपने को पूरा किया जा सकता है।

–अवधेश कुमार

बच्चे समाज के भविष्य का दर्पण

बच्चे किसी भी देश व समाज के भविष्य का दर्पण होते हैं। आजकल के आधुनिक युग में बच्चों के स्वभाव में उग्रता में वृद्धि, छोटी–छोटी बातों में चिड़चिड़ापन, उतावलापन, अनावश्यक बहस करना एवं अपने भाई, बहन व दोस्तों से झगड़ना आदि आदतें देखने को मिल रही हैं। बच्चे आजकल डरावनी फिल्मों, आपराधिक कार्यक्रम एवं टेलीविजन पर अव्यवहारिक व उग्रता से पूर्ण कार्यक्रम देखना अधिक पसंद करते हैं तो एक सजग अभिभावक के रूप में आपको इस बात पर अभी से ही काफी गंभीरता से ध्यान देने की जरूरत है।

मूलत- बच्चे के स्वभाव व व्यवहार में इस प्रकार के परिवर्तन के लिए टेलीविजन को दोषी माना जाता है। परंतु इसके लिए केवल टेलीविजन को ही कारण माना जाना उचित नहीं है। ऐसे वक्त में यह जरूरी है कि माता–पिता स्वयं भी धैर्य से काम लेते हुए बच्चे में इस प्रकार के परिवर्तन के कारणों को जानने का प्रयास करें एवं बच्चे को अधिक समय दें एवं प्रेम से उसका मार्गदर्शन करें। कई बार तो यह देखने में भी आया है कि बच्चे अपने जीवन के शुरुआती वर्षों में ही आपराधिक घटनाओं की ओर अग्रसर हो जाते हे एवं अनजाने की अपराधिक कृत्यों को अंजाम देते है। फलस्वरूप बचपन या बाल्यकाल में कारावास तक का दण्ड भी भुगतना प?ता है।

इसके लिए समझदार माता–पिता को ज्यादा से ज्यादा वक्त अपने बच्चों के साथ बिताना चाहिए। समय रहते आपके द्वारा की गई सही कोशिश बच्चों को हिंसात्मक एवं आपराधिक होने से बचा सकती है। इससे उसका आज और कल दोनों सुखमय रहेगा।

ऐसा हो बच्चे का कमरा

बच्चों के शयनकक्ष का अग्नि तत्व वाले जोन में होने से वे आपराधिक प्रवृत्तियों की ओर अग्रसर हो जाते है। इस बात का ध्यान रखा जाना चाहिए के बच्चा अपने शयनकक्ष में सो रहा हे तो टेलीविजन, इलेक्ट्रानिक गैजेट्स, चार्जर आदि सभी ऑफ हों। टूटे हुए खिलौने, ऐसी पुस्तकें जिनको पड़ा न जाता हो, खाली डिब्बे, पैकेट व अन्य बेकार सामान घर से हटा दिया जाना चाहिए, क्योंकि ये नकारात्मक ऊर्जा देती हैं। जहरयुक्त केमिकल घर में न रखें। अगर इन्हें घर में रखा भी है तो ध्यान रखें कि बच्चे की पहुंच से दूर हों। प्राय- घर में अब एक या दो बच्चे होते हैं और अभिभावक अपना पूरा प्यार–दुलार इन्हीं पर केन्द्रित करते हैं, जिससे बच्चों की अनावश्यक मांगों को भी पूरा किया जाने लगता है। बच्चों को खूब प्यार करें। पर, उनके पास खिलौनों का अंबार लगाने की गलती नहीं करें। बंदूक, राइफल्स आदि जैसे हिंसक खिलौने बच्चे को देने से बचें और साथ ही इस तरह के खिलौने उनके कमरे में भी नहीं रखें। बच्चों के शयनकक्ष की दीवारों को हल्के रंग में रंगवाएं। उनके कमरे की दीवारों पर वॉलपेपर लगवाने से बचें। बच्चों के सोने के लिए पलंग पर स्प्रिंग वाले गद्दों का इस्तेमाल नहीं करें। बच्चे को ढेर सारे खिलौने और उपहार देने की जगह उसके साथ खूब वक्त बिताएं, ताकि वो अपने मन की सारी बातें आपसे साझा कर सके। बच्चों के सोने के लिए केवल लकड़ी के पलंग का ही प्रयोग करें। लोहे या अन्य किसी धातु से बने हुए पलंग का इस्तेमाल बिल्कुल ना करें।

आप का राशिफल 15 अगस्त

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ)
जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान–सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंग। रुपए पैसों की सुविधा मिल जाएगी। दैनिक सुख–सुविधा में वृद्धि व खर्चा बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल–मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। शुभांक-3-4-5

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-2-4-5

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। खान–पान में सावधानी रखें। शुभांक-4-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगें। समाज में मान–सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-4-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानी पूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। कोई धार्मिक यात्रा करेगें। शुभांक-2-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
सुबह–सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन–भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां आज पैदा होगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। सभा–सोसायटी में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू)
कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आमोद–प्रमोद का दिन होगा। व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग–दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। ज्ञान–विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-2-4-6

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्त्री–संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। शुभांक-4-6-8

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी)
कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंग। सभा–गोष्ठियों में मान–सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख–आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। शुभांक-6-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
दिन–भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। भाई–बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। शुभांक-3-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख–आराम प्रभावित होगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। धर्म–कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंग। शुभांक-2-4-6

फिल्म वर्ग पहेली- 5527

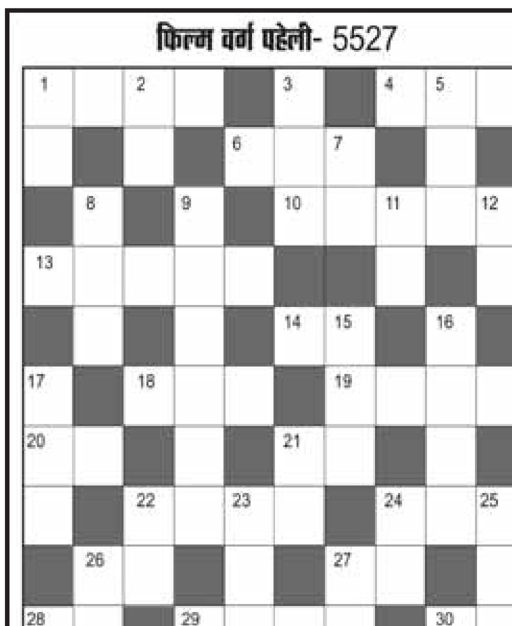

बायें से दायें:-

१. 'दिल ने ये कहा हैदिल से' गीत वाली अक्षयकुमार, शिल्पा की फिल्म-४
४. देवआनंद, जैकी, गोविंदा, रेखा की 'इस तरह देखो ना' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ना कजरे की धार' गीत वाली अक्षयकुमार, रवीना की फिल्म-३
१०. अनिल, माधुरी दीक्षित की 'आँखों के आगे पीछे' गीत वाली फिल्म-५
१३. 'आदमी मुसाफिर है' गीत वाली संजीव कुमार, सुलक्षणा की फिल्म-५
१४. अतिन भल्ला, संदली की 'साँवली सी इक लड़की' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'हुन हुना रे हुन हुना' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
१९. गोविंदा, मनीषा की 'ठहरो तो सही सोचो तो जरा' गीत वाली फिल्म-४
२०. एम. एफ. हुसैन की फिल्म 'मीनाक्सी' की नायिका कौन है-२
२१. 'बाबुल का ये घर बहना' गीत वाली मिथुन, रंजीता, पद्मिनी की फिल्म-२
२२. ऋषिकपूर, पद्मिनी की 'मेरी किस्मत में तू नहीं' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'मेरी शादी का खयाल' गीत वाली राजेश खन्ना, टीना की फिल्म-३
२६. विवेक, दीया मिर्जा की बाबूजी जरा धीरे' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'जब चाहा जज्बात से खेले' गीत वाली चंदनदास का गजल एलबम-२
२८. मिथुन, रंभा की 'पीलो इश्क दी विस्की' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'सच कहते हैं हं' गीत वाली अक्षयकुमार, करिश्मा की फिल्म-४
३०. फिल्म 'राजा जानी' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-२

ऊपर से नीचे:-

१. नवीन निश्चल, प्राण, रेखा की फिल्म-२
२. 'मोहब्बत हुई हुई' गीत वाली फिल्म-२
३. विश्वजीत, वहीदा रहमान की फिल्म-३
५. 'ऐ जिंदगी गले लगा' गीत वाली फिल्म-३
७. दीनो मारिया, बिपाशा बसु की फिल्म-२
८. विवेक ओबेराय, अंतरा की 'खाइस बचके तू रहना रे' गीत वाली फिल्म-३
९. 'करवटें बदलते' गीत वाली संजीव, राजेश खन्ना, मुमताज की फिल्म-२,१,३
११. 'लंबूजी लंबूजी' गीत वाली फिल्म-२
१२. अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
१५. फिल्म 'सब से बड़ा खिलाड़ी' में अक्षयकुमार के साथ नायिका कौन थी-३
१६. शत्रुघ्न, हेमा, मिथुन की 'बचके मेरी जान बचके' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'मैं तो हर मोड़ पर' गीत वाली अनिल धवन, रेहाना सुलतान की फिल्म-३
२१. राजेश, शर्मिला, राखी की 'मेरे दिल में आज' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'ओ मेरी चूड़ियाँ बजी' गीत वाली संजयकपूर, तब्बू की फिल्म-२
२३. फिल्म 'बरसात की रात' के संगीतकार कौन थे-३
२४. विनोद खन्ना, योगिता बाली की फिल्म-२
२५. फिल्म 'बागी' में सलमान खान के साथ नायिका कौन थी-३
२६. उमादेवी का गाया गीत 'अफसाना लिख रही हूँ' किस फिल्म का है-२
२७. नसीरुद्दीनशाह, अतुल अग्निहोत्री पूजा भट्ट की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 5526

Jagrutidaur.com, Bangalore

सक्सेस मंत्र

अपने लक्ष्य के साथ रुचियों को भी दें समय

हमारे देश में मुंह, गले के कैंसर के मामले दुनिया में सबसे ज्यादा हैं। हमारे समाज का एक ब?ा तबका तंबाकू से बने नशीले पदार्थों का सेवन करता है। एक रिपोर्ट के अनुसार हर साल लगभग पचास हजार मामले गले के कैंसर से जुड़े होते हैं, जिनमें से लगभग पांच हजार लोगों का कैंसर चौथी स्टेज पर होता है। ऐसी स्थिति में डॉक्टरों को उनका वॉइस बॉक्स निकालना पड़ता है। मरीज बोल नहीं पाते। बाजार में महंगे कृत्रिम अंग होने से ज्यादातर मरीज इन्हें खरीदते नहीं हैं। ऐसे लाखों लोगों की उम्मीद बने हैं डॉ. विशाल राव। उन्होंने आवाज गंवा चुके लाखों लोगों के लिए ओम् नाम का कृत्रिम अंग बनाया है, जो सिर्फ 50 रुपये का है। यह उपकरण गले की सर्जरी के बाद मरीजों को फिर से बोलने में मदद करता है। वह अपना ज्यादातर समय आवाज गंवा चुके मरीजों के इलाज में बिताते हैं।

कैसे हुए प्रेरित

डॉ. विशाल राव बैंगलुरु से हैं। वह जब स्कूल में थे, तब उनकी महत्वाकांक्षा चिकित्सा क्षेत्र में जाने की बजाय कुछ और ही बनने में थी। वह कल्पना में भी खुद को डॉक्टर के रूप में नहीं देखते थे। वह एक ऑटोमोबाइल इंजीनियर या फिर बाइकर बनने के सपने देखते थे। लेकिन, उनके माता–पिता चाहते थे कि वह चिकित्सा क्षेत्र में जाएं। उन्होंने बायोलॉजी की परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त किए थे। उनके माता–पिता ने उन्हें अपना निर्णय बदलने और चिकित्सा की पढाई के लिए प्रेरित किया। हालांकि, मेडिसिन की पढाई के दौरान भी उन्होंने ऑटोमोबाइल में अपनी रुचि को बनाए रखा। वह तिमाही परीक्षाओं के दौरान भी इंजन की अंदरूनी संरचनाओं को समझने में समय बिताते। पढाई पूरी करने के बाद वह कैंसर के मरीजों के इलाज में लग गए। कैंसर से जुडी कई चिकित्सा पद्धतियों के विशेषज्ञ बने। वह मरीजों को देखने के अलावा सामाजिक गतिविधियों में हिस्सा भी लेने लगे। खासतौर से तंबाकू सेवन जैसी बुरी आदत को लेकर

जागरूकता बढाने में आगे रहे। वह तंबाकू मुक्त दुनिया बनाने का सपना देखते हैं।

एक बार सर्जरी के बाद एक कैंसर का मरीज उनके पास आया। वह अपने मित्र शशांक महेश के साथ बैठे थे। वह एक उद्यमी थे। उस मरीज की शिकायत थी कि वह दोबारा कैसे बोल सकता है। जबकि बाजार में मौजूद महंगे ध्वनि यंत्र खरीदने के लिए उसके पास पैसे नहीं है। जब डॉ. विशाल अपने दोस्त से इस मरीज की मदद की बात कर रहे थे, तब उनके मित्र ने कहा कि क्यों न वे दोनों मिल कर आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों के लिए सस्ता और बढ़िया कृत्रिम वॉइस बॉक्स बनाएं।

दोनों दोस्त मिल कर इसे बनाने में लग गए। आखिर ओम् नाम का यंत्र बन कर तैयार हुआ, जो मरीज की भोजन नली को वॉइस बॉक्स में बदल कर उन्हें बोलने में मदद करता है। वह कहते हैं कि उन्होंने इसका आविष्कार बाजार को ध्यान में रख कर नहीं किया है। अब तक वह अपने इस यंत्र के जरिये हजारों कैंसर मरीजों को उनकी आवाज लौटा चुके हैं। फीचर डेस्क

काम की बात

जब हमारे भीतर महत्वाकांक्षा और मकसद एक साथ हो जाते हैं, तब हम बदलते हैं। सपने देखें और फिर आगे बढ कर कुछ करें। इस दौरान अपनी रुचियों के लिए भी समय निकालें।

गुरु मंत्र

मैंने हमेशा किसी व्यक्ति की बेहतरी के लिए ही आविष्कार करने पर यकीन किया है। मैं बाजार को ध्यान में रख कर न सोचता हूं, न करता हूं।

सूडोकु नवताल- 6045

★★★★☆ मध्यम

4	6		3		8	9		7
	1		9		6		5	4
						8		
	4		5				8	
2		5		4		6		1
	3				1		7	
		3						
5	9		7		2		6	
7		6	4		3		9	2

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भर जाने आवश्यक हैं।
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
■ पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकु नवताल -6044 का हल

5	7	2	3	8	4	1	9	6
8	6	1	9	2	5	7	3	4
3	9	4	1	6	7	5	8	2
2	5	7	4	1	3	8	6	9
4	8	6	5	9	2	3	7	1
1	3	9	6	7	8	4	2	5
6	2	3	7	4	1	9	5	8
9	4	5	8	3	6	2	1	7
7	1	8	2	5	9	6	4	3

विचार प्रवाह

10 साल के हो जाओ तो मां की उंगली पकड़कर चलना छोड़ दो। 20 साल के हो जाओ तो खिलौनों से खेलना छोड़ दो। 30 सालके हो जाओ तो इधर उधर घुमाना छोड़ दो। 40 साल के हो जाओ तो रात में खाना छोड़ दो। 50 साल के हो जाओ तो होटल में जाना छोड़ दो। 60 साल के हो जाओ तो व्यापार करना छोड़ दो। 70 साल के हो जाओ तो बिस्तर पर सोना छोड़ दो। 80 साल के हो जाओ तो लस्सी पीना छोड़ दो। 90 साल के हो जाओ तो और जीने की आशा छोड़ दो। 100 साल के हो जाओ तो दुनिया को ही छोड़ दो।

मुनिश्री तरुणसागर जी महाराज

शब्द पहेली - 7118

बाएँ से दाएँ

1. कंठ, गला-3
3. पक्षियों का शोर-4
5. शारीरिक ऊँचाई-2
6. पाचन शक्ति-3
7. मां की माता-2
8. प्यार, प्रेम(अंग्रेजी-2)
10. रचना करने वाला-5
12. शोरबा, तरी-3
15. खाद्य सामग्री-3
17. दोनों हाथों को पीटना-5
20. भाग्य(अंग्रेजी-2)
22. कदली, एक फल-2
23. उपासना, शीश झुकाना-3
24. घ्राणेन्द्रिय, नासिका-2
25. तहखाना-4
26. दया-3

ऊपर से नीचे

1. मर्यादा, सीमा-2
2. कहानी लिखने वाला-5
3. अचरज भरा कार्य-3
4. वर, इच्छित वस्तु देना-4
5. जलजला-3
7. मां के पिता-2
9. चिकनाई-2
11. हशीश, एक प्रकार का मादक पदार्थ-3
13. बोलने का तरीका-3
14. तमीजवाला-5
15. परंपरा, रिवाज-4
16. राजनीतिक पार्टी-2
18. आफत, मुसीबत-2
19. नाट्य, कथा मंचन-3
21. कमी-3
24. संबोधन-2

शब्द पहेली - 7117 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

मध्य प्रदेश में कोविड महामारी से अनाथ हुए बच्चों को मिलेंगे 10 लाख रुपये

भोपाल। कोरोना महामारी में अनाथ हुए बच्चों को केंद्र की प्रधानमंत्री केयर्स फॉर चिल्ड्रन योजना के साथ प्रदेश की मुख्यमंत्री कोविड-19 बाल सेवा योजना का भी लाभ मिलेगा। पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन योजना में बाल हितग्राही के 18 वर्ष के होने पर बच्चे के नाम से 10 लाख रुपये के फंड का प्रविधान किया गया है। इसी से बच्चे को मासिक आर्थिक सहायता दी जाएगी। बाल हितग्राही की आयु 23 वर्ष होने पर उन्हें 10 लाख रुपये दिए जाएंगे। आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत बाल हितग्राही को पांच लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा कवर दिया जाएगा। राज्य शासन की ओर से बताया गया कि बाल हितग्राही को 10 वर्ष की आयु तक नजदीकी केंद्रीय विद्यालय अथवा निजी विद्यालय में गैर-आवासीय विद्यार्थी के रूप में प्रवेश दिया जाएगा। फीस केंद्र सरकार द्वारा वहन की जाएगी। आवेदन की प्रक्रिया = योजना के अंतर्गत पात्र बच्चों के चिह्नांकन की कार्रवाई कलेक्टर द्वारा की जाएगी। सिटीजन लॉग-इन से सीधे आवेदन किया जा सकता है। बाल कल्याण समिति के लॉग-इन से भी आवेदन किया जा सकता है। योजना में माता-पिता की कोविड से मृत्यु संबंधी प्रमाण-पत्र का होना अनिवार्य नहीं है, लेकिन कलेक्टर द्वारा इसका सत्यापन आवश्यक है। सिटीजन लॉग-इन अंतर्गत एक मोबाइल नंबर से अधिकतम 10 आवेदन फीड किए जा सकते हैं।

तीसरी लहर से बचाव की तैयारी रखें स्वयंसेवक- दत्तात्रेय होसबाले

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि कोरोना महामारी अभी समाप्त नहीं हुई है। इसकी तीसरी लहर की आशंका जताई जा रही है। ऐसे में स्वयंसेवकों को आवश्यक तैयारी कर लेनी चाहिए। नगरगांव में चयनित लोगों का प्रशिक्षण हो जाए, इस बात की चिंता की जाए। भोपाल प्रवास के दौरान होसबोले संगठनात्मक बैठक में बोल रहे थे। उन्होंने स्वयंसेवकों से कहा कि संघ कार्य भौगोलिक और सर्वस्पर्शी, दोनों प्रकार से बढ़ना चाहिए। इसके लिए स्वयंसेवकों को आगामी तीन वर्ष की कार्ययोजना तैयार करनी चाहिए। विद्यार्थी शाखा के विस्तार पर भी ध्यान देना चाहिए। जिस प्रकार हमने भोपाल में श्रम साधकों के बीच विशेष प्रयास करके कार्य किया है, उसी प्रकार सभी वर्गों एवं क्षेत्रों में कार्य करना है। हमें अब कार्य विस्तार के साथ कार्य की गुणवत्ता बढ़ाने की दिशा में भी प्रयास करने चाहिए।

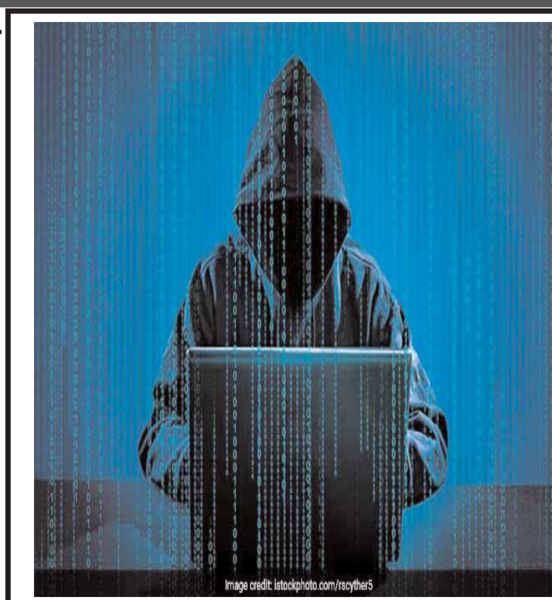

साइबर सेल ने पेंशनधारकों और खातों में बड़ी रकम रखने वालों को किया सावधान

भोपाल। राजधानी में ऑनलाइन ठगी के बढ़ते मामलों को देख अब जिला साइबर सेल ने एक एडवाइजरी जारी है। इस एडवाइजरी में विशेष तौर पर वरिष्ठ नागरिक, पेंशनधारक और जिन लोगों ने अपने बैंक में अधिक राशि जमा कर रखी हैं, उन्?हें सावधान रहने को कहा है। एडवाइजरी में कहा गया है कि ठग वरिष्ठ नागरिकों के मोबाइल नंबर बंद होने, केवायसी अपडेट करने के बहाने उनसे बैंक खातों की जानकारी ले रहे हैं। उनसे वह आधार नंबर, एटीएम कार्ड और एडीएम कार्ड के पीछे लिखे सीवीवी नंबर, जन्मतिथि पूछते हैं। साथ ही रिमोट एक्?सेस एप जैसे क्?विक सपोर्ट, लीम वीवर और एनीडेस्क आदि वरिष्ठ नागरिकों से उनके मोबाइल पर डाउनलोड करवाकर गोपनीय जानकारी प्राप्त कर लेते है। बाद में उनके खातों में जमा पूंजी को निकाल लेते हैं। हम बता दें कि पिछले दिनों इस प्रकार की दर्जनभर शिकायतें साइबर के पास पहुंची हैं। इस लिहाज से लोगों ठगी से बचाने यह एडवाइजरी जारी की गई है।

इन बातों का रखें हमेशा ख्याल-

– गोपनीय जानकारी जैसे आधार कार्ड का नंबर, जन्मतिथि, बैंक में रजिस्टर्ड नंबर, एटीम कार्ड नंबर, वैधता दिनांक आदि किसी भी अपरिचित से साझा न करें।

– किसी भी व्यक्ति से ओटीपी साझा नहीं करें।

– किसी अपरिचित के कहने पर रिमोट एक्सेस एप जैसे क्?विक सपोर्ट, टीम वीवर और एनीडेस्क आदि एप डाउनलोड बिल्कुल नहीं करें।

– किसी अनजान व्यक्ति द्वारा फोनपे, पेटीएम आदि वॉलेट पर पैसे रिसीव करने के लिए लिंक या क्यूआर कोड आए तो लिंक को नहीं खोलना है। क्यूआर कोर्ड को स्कैन नहीं करना है।

– इन सभी बातों के ख्याल रखने के बाद भी कोई घटना हो जाए तो तत्काल 9479990636 या 0755-2920664 पर सूचना दें।

निशातपुरा रेल कारखाना को एक हफ्ते बाद भी नहीं मिला नया मुख्य प्रबंधक

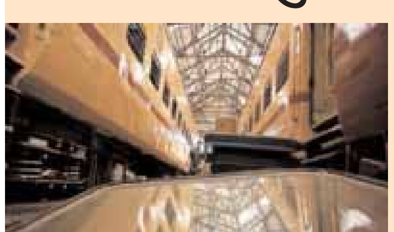

भोपाल। भोपाल के निशातपुरा स्थित रेल कारखाने को नया मुख्य कारखाना प्रबंधक नहीं मिला है। कोटा के मुख्य कारखाना प्रबंधक मनीष गुप्ता को अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। यह स्थिति मुख्य कारखाना प्रबंधक रहे मनीष अग्रवाल का प्रमोशन होने से बनी है। रेलवे बोर्ड ने एक हफ्ता पूर्व उन्हें तिरुचिलापल्ली का डीआरएम बनाकर भेज दिया है। भोपाल रेल कारखाना को नया मुख्?य प्रबंधक नहीं मिलने के कारण कामकाज पर असर पड़ने लगा है। जबसे कोटा रेल कारखाने के मुख्य कारखाना प्रबंधक मनीष गुप्ता को प्रभार दिया है, तब से उन्होंने एक बार भी भोपाल आकर कामकाज नहीं देखा है। आगे भी यही स्थिति रही तो कामकाज प्रभावित होना तय है।

मुख्य कारखाना प्रबंधक इसलिए जरूरी

— भोपाल का निशातपुरा रेल कारखाना काफी बड़ा है। यहां 2300 से अधिक रेलकर्मी काम करते हैं।

— इस कारखाने में पुराने कोचों का निर्माण नए तरीके से किया जा रहा है।

— अब तो एलएचबी कोचों का भी मेंटेनेंस व पुननिर्माण शुरू हो गया है।

— हर साल कारखाने में 700 से अधिक कोचों का पुनर्निर्माण किया जा रहा है, जिसे बढ़ाकर 1500 करने की कोशिश है।

— इस कारखाने में समय-समय पर हमसफर जैसी ट्रेनों के कोचों को तैयार किया जाता रहा है। इन सभी कामों के लिए स्थायी रूप से मुख्य कारखाना प्रबंधक का होना जरूरी है, जो कि बीते एक सप्ताह से नहीं है।

रेलवे बोर्ड और ज़ोन को करनी है नियुक्ति

भोपाल के रेल कारखाना में मुख्य कारखाना प्रबंधक की नियुक्ति रेलवे बोर्ड को करनी है। वरिष्ठता के आधार पर रेलवे बोर्ड को भरोसे में लेते हुए पश्चिम मध्य रेलवे भी मुख्य कारखाना प्रबंधक नियुक्त कर सकता है, लेकिन अभी तक नियुक्ति नहीं हुई है। वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि पूर्व में कारखाना बगैर मुख्य कारखाना प्रबंधक के बहुत कम रहा है।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले 39 हजार से अधिक पुलिसकर्मियों को कर्मवीर योद्धा पदक

भोपाल। कोरोना महामारी में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिस कर्मचारियों को कर्मवीर योद्धा पदक एवं प्रमाण-पत्र देने की स्वीकृति गृह विभाग ने दे दी है। इसके तहत वर्ष 2020 में कोरोना महामारी के दौरान ड्यूटी करने वाले 39,185 पुलिस कर्मचारियों को पदक प्रदान किए जाएंगे। पुलिस मुख्यालय की ओर से प्रदेश की सभी इकाइयों से इस संबंध में प्रस्ताव बुलाए गए थे। छानबीन समिति ने परीक्षण के बाद प्रस्तावों की अनुशंसा अवार्ड के लिए की थी। गृह विभाग की मंजूरी मिलने के बाद अवार्ड के लिए नाम घोषित कर दिए गए हैं। इनमें से भारतीय पुलिस सेवा के 114, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के 215, उप पुलिस अधीक्षक के 375, निरीक्षक स्तर के 776, उपनिरीक्षक/सूबेदार के 2510, सहायक उप निरीक्षक के 2621, प्रधान आरक्षक के 5613, आरक्षक के 26261, स्टेनो के 103, अनुसचिवीय संवर्ग के 597 पुलिस अधिकारी/ कर्मचारी शामिल हैं।

अगम जैन को बनाया राज्यपाल का परिसहाय

भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी अगम जैन को राज्यपाल मंगुभाई पटेल का परिसहाय बनाया है। वे अभी पीटीसी इंदौर में पुलिस अधीक्षक पदस्थ हैं। अखिल पटेल को अनूपपुर का पुलिस अधीक्षक बनाए जाने की वजह से यह पद रिक्त था।

भोपाल से प्रमुख शहरों के लिए बढ़ेगा हवाई किराया हैदराबाद व बंगलुरू का सफर सबसे महंगा

भोपाल। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने एयरलाइंस कंपनियों को न्यूनतम एवं अधिकतम किराये में बढ़ोतरी की अनुमति दे दी है। इस फैसले के बाद भोपाल से बड़े शहरों के किराये में 13 फीसद तक बढ़ोतरी हो सकती है। मंत्रालय ने इस साल दूसरी बार प्राइस बैंड बढ़ाने की छूट दी है। मई माह में न्यूनतम किराये में 16 फीसद तक बढ़ोतरी की अनुमति दी थी। शुक्रवार रात से शहरों के बीच दूरी के अनुसार न्यूनतम किराये में 9.83 फीसद एवं अधिकतम किराये में 12.82 फीसद बढ़ोतरी की अनुमति दी गई है। नए आदेश के अनुसार 60 से 90 मिनट दूरी वाले शहरों तक न्यूनतम किराया चार हजार 500 रूपये के बजाय पांच हजार 62 रूपये होगा। 90 से 120 मिनट दूरी वाले शहरों तक न्यूनतम किराया चार हजार 700 रूपये के बजाय पांच हजार 300 रूपये होगा। भोपाल से देश के प्रमुख शहरों की दूरी 80 मिनट से 135 मिनट तक की है। यानी दूरी के हिसाब से हैदराबाद व बंगलुरु जाने वाले हवाई यात्रियों की जेब पर ज्यादा भार पड़ेगा।

अधिकतम किराये में मनमानी खत्म होना जरूरी

मंत्रालय ने अधिकतम किराये की सीमा भी तय कर दी है। हालांकि किराया बढ़ाया गया है इसके बावजूद इस फैसले से यात्रियों को कुछ राहत भी मिलेगी। दरअसल एयरलाइंस कंपनियां अंतिम समय में मनमाना किराया वसूल करती हैं। कई बार स्पॉट फेयर बहुत अधिक होता है। इमरजेंसी में यात्रियों को मनमाना किराया अदा करना पड़ा है। यदि अधिकतम किराया स्लैब पर सख्ती से पालन कराया जाए तो यात्रियों को राहत मिल सकती है । नए आदेश के अनुसार 60 से 90 मिनट दूरी वाले शहरों तक अधिकतम किराया नौ हजार पांच सौ के बजाय 11 हजार रूपये होगा। 60 से 90 मिनट दूरी तक अधिकतम किराया 11 हजार के बजाय 13 हजार 200 रूपये होगा। इस किराये में यूजर डेवल्पमेंट फीस एवं एयरपोर्ट सर्विस शुल्क शामिल नहीं है।

नोट- यह एयरलाइंस से प्राप्त जानकारी के अनुसार अनुमानित किराया है। अंतिम समय में किराये में फेरबदल संभव है।

उड़ान योजना में केवल एक उड़ान , भारत सरकार की उड़ान योजना के तहत सरकार ने एक घंटे तक के सफर के लिए न्यूनतम किराया 2500 रूपये तय किया था। भोपाल से फिलहाल इस योजना के तहत एक ही उड़ान है। यह उड़ान प्रयागराज जाती है। आगरा उड़ान इसी योजना के तहत प्रारंभ होने की संभावना है।

भोपाल से वर्तमान में किराया एक नजर में

शहर-- स्पॉट फेयर-- प्री-बुकिंग फेयर-- यात्रा समय

दिल्ली-- 4794 रूपये-- 4269 रूपये-- 90 मिनट

मुंबई-- 3534 रूपये-- 3429 रूपये-- 105 मिनट

हैदराबाद-- 14244 रूपये-- 5109 रूपये-- 135 मिनट

बंगलुरू-- 7834 रूपये-- 5950 रूपये-- 115 मिनट

प्रयागराज-- 2855 रूपये-- 2855 रूपये-- 95 मिनट

पुणे-- 8784 रूपये-- 4585 रूपये-- 80 मिनट

खुदकुशी पर आमादा दंपती को पुलिस ने समझाइश देकर घर भेजा

भोपाल। राजधानी में बड़ा तालाब पर तैनात गोताखोर की सजगता और पुलिस की संवेदनशीलता से कमला पार्क के पास एक बड़ी अनहोनी टल गई। एक पति-पत्नी के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों तालाब में कूद जान देने पर उतारू हो गए। माजरा भांपते हुए मौके पर तैनात गोताखोर ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और उन्?हें समझाइश देते हुए ऐसा करने से रोका। श्यामला हिल्स थाना प्रभारी एलडी मिश्रा ने बताया कि छोला मंदिर क्षेत्र में रहने वाले 30-35 आयु वर्ग के महिला-पुरुष अपने दो बच्चों के साथ शुक्रवार दोपहर करीब दो बजे कमलापार्क के पास पहुंचे थे। दोनों आपस में विवाद करते हुए तालाब में कूदने की धमकी दे रहे थे। साथ में मौजूद मासूम बच्चे कुछ समझ नहीं पा रहे थे। यह देख गोताखोर शेख आसिफ ने तुरंत पुलिस को फोन पर सूचना दी। पुलिस वैन में बिठाकर दंपती और बच्चों को लेकर थाने आ गई। थाने में काउंसिलिंग के बाद दंपती को अपनी गलती का अहसास हुआ। इसके बाद उन्हें घर भेज दिया गया।

हास्टल नहीं खुलने से बाहर से आए छात्रों को परेशानी

भोपाल । राजधानी भोपाल में कलेक्टर के आदेश के बाद शुक्रवार से कोचिंग संस्थानों में साफ-सफाई और अन्य व्यवसथाएं होने के बाद कोचिंग संस्थान खुल गए है। कुछ कोचिंग संस्थानों में 25 फीसद क्षमता के साथ औपचारिक रूप से शुरूआत हुई है। इधर, कोचिंग संस्थान तो खुल गए है लेकिन अन्य जिलों से आकर भोपाल में कोचिंग करने वाले छात्रों के साथ परेशानियां है। इसके पीछे तर्क यह है कि अभी हॉस्टल पूरी तरह से नहीं खुले है। लिहाजा हॉस्टल न मिलने के कारण छात्र भोपाल नहीं आ रहे है। कोचिंग संचालक एसोसिएशन के सचिव आनंद सबधाणी ने बताया कि सोमवार याने 16 अगस्त से सभी कोचिंग संस्थान प्रारंभ हो जाएंगे। वहीं रक्षाबंधन के बाद सभी बैच 50 फीसद क्षमता के साथ लगना शुरू हो जाएंगे। उन्होंने बताया कि हर बैच के बाद सेनिटाइजेशन करवाया जाएगा। वहीं बिना वैक्सीनेशन सर्टिफिकेट के किसी को भी प्रवेश नहीं दिया जाएगा। इसके लिए कोचिंग संस्थानों में वैक्सीनेशन शिविर का भी आयोजन किया जाएगा। बता दें कि शहर में करीब 250 कोचिंग संस्थान है जहां करीब एक लाख से अधिक विद्यार्थी पढ़ते है। बता दें कि सभी कोचिंग संस्थान 50 फीसद क्षमता के साथ ही संचालित करना होगा। कलेक्टर अविनाश लवानिया ने इस संदर्भ में आदेश जारी कर दिए हैं। कोचिंग क्लास में सभी के लिए कोरोना गाइडलाइन का पालन करना जरूरी होगा। बगैर मास्?क के किसी को भी कक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। इसके साथ ही बैठक व्?यवस्?था में शारीरिक दूरी का पालन भी सुनिश्?चित करना होगा। इसमें किसी तरह की लापरवाही पाए जाने पर कोचिंग संचालकों के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती । कोरोना महामारी से जिन विद्यार्थियों के माता-पिता का निधन हो गया है, उनके लिए एसोसिएशन द्वारा कोचिंग और हॉस्टल का निन्शुल्क प्रबंध किया गया है।

कंटेनर में गुप्त चैंबर बनाकर ले जा रहे थे 150 पेटी शराब, पुलिस ने धर लिया

दिल्ली से सागर ले जा रहे शराब तस्?कर। पुलिस ने जब्त की 11 लाख की शराब। रास्ते भर बदलते रहे कंटेनर के चालक।

भोपाल। दिल्ली से कंटेनर के अंदर गुप्त चैंबर बनाकर शराब सागर जा रही थी। राजधानी भोपाल के अयोध्या वायपास चौराहा पर पुलिस ने कंटेनर को रोका और जांच की तो शराब की यह तस्?करी पकड़ में आ गई। पुलिस का कहना है कि रणनीति के तहत रास्तेभर ट्रक चालक और क्लीनर को बदलकर वाहन सागर ले जाया जा रहा था। रास्ते में अगर वाहन पकड़ भी जाए तो चालक शराब के बारे में कोई जानकारी पुलिस को नहीं दे पाए, इसलिए यह व्यवस्था की गई थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर ट्रक चालक और क्लीनर को गिरफ्तार कर लिया है। कंटेनर से मिली शराब की कीमत 11 लाख रुपये बताई जा रही है। पिपलानी थाना प्रभारी चैनसिंह रघुवंशी के मुताबिक स्वंतत्रता दिवस के चलते सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी दौरान गुरुवार देर रात सूचना मिली कि कंटेनर में अंदर बने गुप्त चैंबर में अवैध शराब छिपाकर भोपाल से बाहर ले जाई जा रही है। सूचना के बाद थाना प्रभारी टीम लेकर अयोध्या बायपास मार्ग पहुंचे और वाहनों की चेकिंग शुरू कर दी। कुछ देर बाद भानपुर की तरफ से आ रहे कंटेनर को पुलिस ने रोका। पूछताछ करने पर चालक ने अपना नाम बृजेश यादव निवासी ग्राम दरियापुरा थाना पिलुआ जिला जालौन उप्र और क्लीनर कोमल ग्राम चिह्नी डकोर जिला जालौन उप्र बताया। पुलिस ने कंटेनर की तलाशी ली तो आखिरी में बनाए गए गुप्त चैंबर के भीतर अलग-अलग कंपनियों की कुल 150 पेटी अंग्रेजी शराब मिली। पुलिस ने दोनों से शराब परिवहन के कागज मांगे तो वह नहीं दिखा पाए। इसके बाद पुलिस ने अवैध शराब और कंटेनर जब्त कर दोनों को गिरफ्तार कर लिया। जब्त हुए शराब की कीमत 11 लाख 720 रुपये बताई गई है।

विशेष योजना बनाकर चल रही थी शराब तस्करी

कंटेनर में गुप्त चैंबर बना रखा था, जिसमें शराब भरकर तस्करी की जाती थी। बृजेश यादव ने पूछताछ में कहा कि कंटेनर उसे ग्वालियर में सौंपा गया था। उससे पहले धोलपुर में ड्राइवर बदल गया। दिल्ली से अलग चालक कंटेनर लेकर चला था। चौंकाने वाली बात यह है कि यह ट्रक दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान पुलिस को चकमा देकर मप्र में ग्वालियर, शिवपुरी, राजगढ़ से होता हुआ सागर जा रहा था, लेकिन पिपलानी पुलिस की सूझबूझ के कारण वह पुलिस के हाथ लग गया।

आउटसोर्स बिजली कर्मियों के बोनस के ढाई करोड़ टेंडर की शर्तों में फंसे

भोपाल। मप्र मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के अधिकारियों ने 540 करोड़ रुपये के टेंडर में गड़बड़ी कर दी है। आउटसोर्स से कराए जाने वाले कार्यों के लिए यह टेंडर तीन साल के लिए हैं। ठेकेदारों ने टेंडर की शर्तों को आधार बनाकर आठ हजार कर्मचारियों के 2.56 करोड़ रुपये रोक लिए हैं। यह राशि बोनस की है, जो अप्रैल 2021 से नहीं दी जा रही है। दरअसल, भोपाल समेत कंपनी के 16 जिलों के 18 सर्किलों में आउटसोर्स कंपनियों के जरिए 10 हजार 200 कर्मचारी रखे गए हैं। ये कंपनियां एक अप्रैल 2021 से बिजली कंपनियों को सर्किल स्तर पर कर्मचारी उपलब्ध करवा रही हैं। इनमें से भोपाल व ग्वालियर शहर और होशंगाबाद सर्किल में काम करने वाली ओरियन व रक्षक कंपनी बोनस के साथ वेतन दे रही हैं, बाकी के 15 ठेकेदार बोनस नहीं दे रहे हैं। जिसका बकाया अब तक 2.56 करोड़ रुपये हो चुका है। इस मामले में कंपनी और संबंधित ठेकेदार एक-दूसरे पर बोनस की जिम्मेदारी डाल रहे हैं। कंपनी के अधिकारियों का कहना है कि ठेकेदार को बोनस देना है। वहीं, ठेकेदारों का कहना है कि कंपनी बोनस की राशि नहीं दे रही है, इसलिए वे भुगतान नहीं कर पा रहे हैं। कंपनी के मानव संसाधन विभाग और खरीदी विभाग के प्रमुख अधिकारियों ने टेंडर का ड्राफ्ट सभी सर्किलों को भेजा और टेंडर जारी किए गए। इसमें लिखा कि कर्मचारियों को वेतन पर 8.33 फीसद बोनस की राशि संबंधित ठेकेदारों को देनी पड़ेगी।

– जब ठेकेदारों ने बोनस की राशि के साथ आउटसोर्स कर्मचारियों के बिल बनाकर भेजे तो बिजली कंपनी के एमडी ऑफिस से बोनस की राशि काटकर भुगतान कर दिया।

– बोनस की राशि नहीं देने पर ठेकेदारों ने आपत्ति दर्ज कराई तो अधिकारियों ने टेंडर में लिखी शर्त दिखा दी।

– चार महीने से निराकरण नहीं होने पर आठ हजार कर्मचारियों को बोनस की राशि नहीं मिली है।

कंपनी ने इन्हें दिए नोटिस

मेसर्स सिग्मा इंफोटेक, इंगल हंटर, सेंगर सिक्योरिटी, आर्यन सिक्योरिटी सर्विस, ऑल सर्विसेस ग्लोबल, मेसर्स ए-1 फैसलिटी आदि आउटसोर्स कंपनियों को बिजली कंपनी के सर्किल कार्यालयों से नोटिस जारी कर 15 दिन के अंदर बोनस देने के निर्देश दिए गए हैं।

नोटिस का जवाब

आर्यन सिक्योरिटी सर्विस की तरफ से जवाब दिया गया है कि सभी ठेकेदार बोनस देने के लिए तैयार हैं लेकिन उन्हें कुछ दिक्कतें आ रही हैं।

इसको लेकर एमडी से चर्चा हुई है। वह जैसा कहेंगे उसके अनुरूप बोनस देंगे।

श्रेणी--बेसिक--ईपीएफ--ईएसआइसी--बोनस---प्राप्त वेतन
कुशल--10635--1276--80--886--10165
अर्धकुशल--9257--1111--69--771--8848
अकुशल--8400--1008--63--700--8029

कर्मचारियों को एक अप्रैल 2021 से यह वेतन मिलना था
श्रेणी--बेसिक--ईपीएफ--ईएसआइसी--बोनस---कुल वेतन
कुशल--10935--1312--82--911--10452
अर्धकुशल--9557--1147--72--796--9135
अकुशल--8700--1044--65--725--8315

कर्मचारियों को एक अप्रैल 2021 से यह वेतन मिल रहा है
श्रेणी - बेसिक - ईपीएफ - ईएसआइसी - बोनस - कुल वेतन
कुशल - 10935 - 1312 - 82 - 0 - 9541
अर्धकुशल - 9557 - 1147 - 72 - 0 - 8338
अकुशल--8700 - 1044 - 65 - 0 - 7591

पूर्व व पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ठेकेदारों को बोनस का भुगतान कर रही हैं, लेकिन मप्र मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी बोनस की राशि का भुगतान नहीं कर रही है। टेंडर शर्तों में कंपनी के अधिकारियों ने गड़बड़ी कर फंसा दिया है।

- डीवीएस सिंह सेंगर, एमडी, सेंगर सिक्योरिटी सर्विस

कर्मचारियों को बोनस देने के लिए जरूरी कार्रवाई चल रही है। जल्द ही बोनस दे देंगे।

-संजय दुबे, प्रमुख सचिव, ऊर्जा विभाग मप्र शासन

दायित्व शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने का लेकिन कर रहे नेतागिरी

रीठी तहसील सहित पूरे जिले में शिक्षण कार्य चौपट

रीठी। स्कूल शिक्षा विभाग के शिक्षक ही बच्चों को पढ़ाने में रुचि न लेकर राजनेताओ की चाटूकारिता करते देखे जा रहे हैं। देखा गया है कि शिक्षक विभिन्न पद पर पहुंचकर बच्चों को पढ़ाना ही भूल गए हैं। जिला शिक्षा केंद्र के अंतर्गत ऐसा ही एक पद होता है जन शिक्षक सीएसी। इनका कार्य होता है कि वे अपने जन शिक्षा केंद्र के अंतर्गत आने वाले किसी भी एक स्कूल में पहुंचकर न सिर्फ कठिन विषयों पर शिक्षक को आने वाली परेशानी का समाधान करेंगे, बल्कि उस स्कूल में कम से कम एक कक्षा को पढ़ाएंगे लेकिन हकीकत में यह जनशिक्षक स्कूलों का सिर्फ निरीक्षण करके वहां शिक्षकों की उपस्थिति, अनुपस्थित और मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता जांचकर साथी शिक्षकों पर ही अपना रौब झाड़ रहे हैं। विद्यालयों में शैक्षणिक गुणवत्ता की मॉनीटरिंग के लिए जिला शिक्षा केंद्र का गठन किया गया है। इसी के अंतर्गत डीपीसी, एपीसी, बीआरसीसी, बीएसी और सीएसी नियुक्त किए गए हैं। यह भी मूलरूप से शिक्षक हैं। इनमें से सबसे नीचे की कड़ी सीएसी है, जो कि एक जन शिक्षा केंद्र पर दो नियुक्त किए गए हैं। इनके कार्यक्षेत्र में 36 से 37 विद्यालय आते हैं। प्रत्येक जन शिक्षक को एक महीने में एक विद्यालय में कम से कम दो बार जाना है। बीएसी, सीएसी शैक्षणिक गुणवत्ता बढ़ाने के लिए बनाए गए हैं। इन्हें विद्यालय का निरीक्षण नहीं अनुवीक्षण करना है। इस संबंध में उन्हें हिदायत भी दी गई है। वे विद्यालय को देखकर कमियां लिखेंगे। साथ ही उन्हें सुधार के लिए सुझाव भी देंगे। यदि कोई शिक्षक गैरशिक्षकीय कार्य में लगा है तो इन पर कार्रवाई तो छोड़िए जनपद सीईओ व विधायक अपने साथ लेकर चलते हैं। इनको शिक्षा के गिरते स्तर से कोई लेना देना नहीं है। अपनी पहुंच का दबदबा दिखाकर ऐसे शिक्षक बाद में ट्रांसफर पोस्टिंग में दलाली कर मलाई मारते हैं। दलाल और कामचोर शिक्षक, ऐसे पदों पर पहुंचकर स्कूलों और शैक्षणिक कार्य से दूर हो गए हैं। पढ़ाई की ही जिम्मेदारी से भागते मंचो पर नेताओं और अधिकारियों के दांये बांये मंडराते मिलते हैं। बस पढ़ाने जैसे पवित्र कार्य को करना नहीं चाह रहे हैं।

जनशिक्षकों का यह दायित्व

जानकारी के मुताबिक डीपीसी का दायित्व स्कूलों में शैक्षणिक गुणवत्ता एवं शासन की योजना एवं गतिविधियों की मॉनीटरिंग करना है। एपीसी का दायित्व अलग-अलग योजनाओं की मॉनीटरिंग एवं बीआरसीसी से समन्वय करना है। बीआरसीसी का दायित्व अपने ब्लॉक के स्कूलों में शैक्षणिक गुणवत्ता एवं योजनाओं और गतिविधियों की मॉनीटरिंग करना है। इसी तरह बीएसी का दायित्व अपने ब्लॉक में अलग योजनाओं की मॉनीटरिंग व एक महीने में 30 स्कूलों का अनुवीक्षण करना है। इसके अलावा सीएसी का दायित्व अपने जनशिक्षा केंद्र के अंतर्गत स्कूलों का अनुवीक्षण व शिक्षक और बच्चों को पढ़ाना है।

एनसीसी के छात्रों ने किया श्रमदान

कटनी। चतुर्थ मप्र स्वतंत्र कम्पनी एनसीसी कटनी कर्नल व्ही पी सिंह के आदेशानुसार शासकीय तिलक स्नातकोत्तर महाविद्यालय प्राचार्य एवं शासकीय कन्या महाविद्यालय प्राचार्य के मार्गदर्शन एवं संयुक्त तत्वाधान में 75वे स्वतंत्रता दिवस समारोह के उपलक्ष में 13 अगस्त को एस.डी. कैडेट्स एवं एस.डब्लू कैडेट्स द्वारा एस.बी.आई चौराहे पर स्थित राष्ट्रकवि मैथली शरण गुप्त की प्रतिमा की साफ सफाई का कार्य कर जन साधारण को स्वच्छता का संदेष दिया गया। कार्यक्रम का क्रियान्वयन मेजर सरदार दिवाकर शासकीय तिलक स्नातकोत्तर महाविद्यालय एवं श्रीमती नेहा चौधरी केयर टेकर एन.सी.सी.शासकीय कन्या महाविद्यालय की देख रेख मे सम्पन्न किया। इनके द्वारा कैडेट्स को व्यक्तिगत स्वच्छता रखने के साथ-साथ अपने आस -पास के वातारण को स्वच्छ रखने की महत्ता समझाकर कार्यक्रम पूर्ण किया। कार्यक्रम का र्क्रियान्वयन कोविड -19 के नियमों का पालन करते हुये किया गया।

आदिवासियों ने एसडीओपी से लगाई न्याय की गुहार

विजयराघवगढ़। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर समूचे प्रदेश में एकजुट होकर आदिवासी समुदाय के लोग अंतरराष्ट्रीय दिवस मना रहे थे, वही मेहगांव के गरीब आदिवासी अपनी व्यथा लेकर विजयराघवगढ़ एसडीओपी कार्यालय पहुंचे और एसडीओपी शिखा सोनी से अपनी व्यथा बताते हुए कहा कि एसीसी मैनेजमेंट द्वारा विगत कई वर्षों से हमारा जीना हराम कर दिया गया है। आए दिन पत्थर खदानों से ब्लास्टिंग के पत्थर छप्पर में आते हैं, जिसके कारण परिवार के लोग घायल हो जाते हैं। किसी भी समय एसीसी की पत्थर खदानों में खुलेआम ब्लास्टिंग के कारण आदिवासियों को भय बना रहता है।

घरों के सामने ट्रकों से मलमा डाल दिया गया है, जिसके कारण घर से निकलना दूभर हो गया है। एसडीओपी ने आदिवासियों की व्यथा सुनकर अविलंब एसीसी मैनेजमेंट से बात कर आदिवासियों को न्याय दिलाने की बात कही है।

हर दिन हो रहा जुर्माना, फिर भी नहीं मान रहे लोग

कोविड प्रोटोकॉल का उल्लंघन करने पर 29 लोगों से वसूला जुर्माना

कटनी। नगर में कोविड -19 की वर्तमान संक्रमण दर एवं अपेक्षित तीसरी लहर को ध्यान में रखते हुए समुदाय में संक्रमण के नियंत्रण एवं रोकथाम हेतु कार्यालय कलेक्टर जिला कटनी के पत्र अनुसार जारी दिशा-निर्देश तथा जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की बैठक में लिये गये निर्णय के परिपालन में निगम के अतिक्रमण

अमले द्वारा कोविड प्रोटोकॉल का उल्लंधन कर नगर के सार्वजनिक स्थलों में बिना मास्क लगाये धूमनें वालों पर अर्थदण्ड अधिरोपित करनें की कार्यवाही की जा रही है। अतिक्रमण निरीक्षक प्रशांत परौहा नें जानकारी देते हुए बताया कि निगम के अतिक्रमण अमले द्वारा आज माधवनगर गेट में अभियान चलाया जाकर 29 लोगों के द्वारा कोविड प्रोटोकाल का उल्लंघन करते हुए सार्वजनिक स्थलों में बिना मास्क के घूमनें पर 2900 रूपये की चालानी कार्यवाही करते हुए सार्वजनिक स्थलों में मास्क का उपयोग कर कोरोना संर्क्रमण के प्रसार को राकेनें में जिला प्रशासन का सहयोग प्रदान करनें की समझाईश दी गई।

रेलवे ट्रैक पर आए मगरमच्छ की ट्रेन से कटकर मौत

रेलवे की पेट्रोलिंग टीम को मृत हालत में मिला

कटनी। बीना-कटनी रेलखंड पर सलैया स्टेशन के पास रेलवे ट्रैक में आए एक मगरमच्छ ट्रेन से कटकर मौत हो गयी। घटना गुरुवार दोपहर दो बजे की है। जब सलैया रेलवे स्टेशन के पास पेट्रोलिंग कर रही टीम ने एक मगरमच्छ को मृत हालत में देखा था। जिसकी सूचना टीम ने तुरंत सलैया स्टेशन मास्टर को दी और स्टेशन मास्टर ने वन विभाग को मगरमच्छ के मृत हालत में पाए जाने की जानकारी दी।

वन विभाग ने किया दाह संस्कार

वन विभाग के कर्मचारियों ने मौके पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में ले लिया। विभाग ने पंचनामा कार्यवाई के बाद मगरमच्छ को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पोस्टमॉर्टम के बाद विभाग द्वारा मगरमच्छ का दाह संस्कार किया गया। वन विभाग सलैया के डिप्टी रेंजर एमएस परिहार ने बताया कि पतने नदी के करीब ही रेलवे पुल है। शायद पतने नदी से ही निकलकर मगरमच्छ रेलवे ट्रैक पर आ गया होगा।

गवाही देने से मना करने पर आटो चालक की बेदम पिटाई

मुख्य स्टेशन के सामने जीआरपी की घटना

कटनी। मोबाइल चोरी के एक मामले में गिरफ्तार आरोपी के संबंध में गवाही देने से मना करने पर जीआरपी पुलिस के द्धारा ऑटो चालक की बेदम पिटाई करने की घटना प्रकाश में आई है। भठ्ठा मोहल्ला निवासी 21 वर्षीय सूरज चक्रवर्ती नामक

युवक ने बताया कि वह शहर में सवारी आटो चलाने का काम करता है। सूरज का कहना है कि आज सुबह 11 बजे के लगभग वह सवारियां लेने मुख्य स्टेशन गया था। जहां जीआरपी थाने में पदस्थ सहायक उपनिरीक्षक डी.के.चौबे ने उसे थाने बुलाया और मोबाइल चोरी के आरोप में गिरफ्तार किसी युवक की गिरफ्तारी पर गवाही देने के लिए कहा। सूरज का आरोप है कि उसने गवाही देने से मना किया तो जीआरपी के प्रभारी थाना प्रभारी आर.के.पटेल के सामने उसके साथ बेदम मारपीट शुरू कर दी गई। सूरज ने रेल पुलिस अधीक्षक का ध्यान इस ओर आकर्षित कराते हुए दोषी पुलिस कर्मियों पर कार्रवाई की मांग की है।

शिविर में लोगों ने जमा किया 4.89 लाख बकाया टैक्स

नगर निगम ने भारत चौक में किया शिविर का आयोजन

कटनी। वित्तीय वर्ष 2021-22 में निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ती एवं आम नागरिकों को शासन द्वारा प्रदाय प्रदाय की जा रही छूट का लाभ प्रदान करनें हेतु कलेक्टर एवं नगर निगम प्रशासक श्री प्रियंक मिश्रा एवं निगमायुक्त श्री सत्येन्द्र सिंह धाकरे के निर्देशन में नगर निगम कार्यालय के कम्प्यूटर कक्ष एवं जोन कार्यालय के अतिरिक्त नगर के अन्य स्थलों में रोजाना शिविर का आयोजन किया जाकर करों छूट प्रदान की जा रही है। प्रभारी अधिकारी राजस्व जागेश्वर पाठक एवं जलकर निरीक्षक अनिल त्रिपाठी ने जानकारी देते हुए बताया कि नागरिकों को निगम के बकाया करों को जमा करनें की सुविधा की दृष्टि से आज प्रातः 10 बजे से कावस जी वार्ड एवं फॉरेस्टर वार्ड स्थित भारत चौक में शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान शिविर स्थल पर उपस्थित होनें वाले करदाताओं को शासन द्वारा प्रदाय की जानें वाली छूट प्रदाय की जाकर शाम 5:30 बजे तक शिविर जोन कार्यालय एवं निगम के कम्प्यूटर कक्ष के माध्यम से सपत्तिकर के 3.13 लाख रूपये, जलकर के 1.76 लाख रूपये कुल 4.89 लाख रूपये निगम कोष में जमा किये गए। निगमायुक्त श्री सत्येन्द्र सिंह धाकरे नें जानकारी देते हुए बताया कि नागरिकों की सुविधा हेतु 13 अगस्त 2021 दिन शुक्रवार को हेमू कालाणी वार्ड, आचार्य कृपलानी वार्ड एवं संत करवर राम वार्ड हेतु नारायण बेकरी के सामनें शिविर का आयोजन किया जाकर नागरिकों को निगम के बकाया करों को जमा करनें पर छूट प्रदान की जावेगी। करदाताओं से शिविर स्थल पर उपस्थित होकर निगम के बकाया करों को जमा कर शासन द्वारा प्रदाय की जा रही छूट का लाभ प्राप्त करनें की अपील की है।

उर्वरक डीएपी का विक्रय एवं प्रतिस्थापन प्रतिबंधित

कटनी। पंजीयन अधिकारी (उर्वरक) एवं उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास कटनी एण्केण् राठौर ने जिले में नेशनल फर्टिलाईजर्स और कृभकों उर्वरक निर्माता कंपनी के उर्वरक डीएपी का जिले में विक्रय व प्रतिस्थापन तत्काल प्रभाव से प्रतिबंधित कर दिया है। इस संबंध में उर्वरक गुण नियंत्रण आदेश 1985 की धारा 26 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश भी जारी कर दिया गया है। उल्लेखनीय है कि नेशनल फर्टिलाईजर्स लिमिटेड के डीएपी उर्वरक का नमूना प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति विजयराघवगढ़ एवं एमपी एग्रो कटनी से लिये गये थे। वहीं कृभकों के उर्वरक डीएपी का नमूना प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति तेवरी विकासखण्ड बहोरीबंद से लिया गया था। इन नमूनों को जांच के लिये सहायक रसायन विशेषज्ञ उर्वरक गुण नियंत्रण प्रयोगशाला भोपाल एवं उज्जैन भेजा गया था। जांच उपरांत संबंधित प्रयोगशालाओं से प्राप्त परिणाम पत्रकों में संबंधित उर्वरकों के नमूने अमानक स्तर के पाये गये। जिस पर इनका जिले में विक्रय, प्रतिस्थापन तत्काल प्रभाव से प्रतिबंधित कर दिया गया है।

बिना टीपी रेत का परिवहन करते ट्रक जप्त

उबरा नाका में बरही पुलिस की कार्रवाई

कटनी। बिना टीपी रेत का परिवहन करते एक ट्रक को पकड़ कर बरही पुलिस ने थाने में खड़ा कराया है। मामले में ट्रक चालक के विरूद्ध चोरी व खनिज अधिनियम की धाराओं के तहत कार्रवाई की गई है। इस संबंध में बरही थाना प्रभारी संदीप अयाची ने बताया कि ट्रक क्रमांक एम.पी.19एचए-4105 में बिना टीपी रेत का परिवहन करने की सूचना मुखबिरों ने पुलिस को दी। सूचना की तस्दीक करने पुलिस उबरा नाका में पहुंची और ट्रक को पकड़ कर रेत के संबंध में कागजात चालक पन्ना जिले के मढला क्षेत्र

निवासी माखन पिता जानकी प्रसाद विश्वकर्मा पूछताछ की लेकिन चालक रेत के संबंध में कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। जिसके बाद रेत लोड इस ट्रक को थाने में लाकर खड़ा कराया गया और चालक के विरूद्ध चोरी व खनिज अधिनियम की धाराओं के तहत कार्रवाई की गई। कार्रवाई में सहायक उपनिरीक्षक दिनेश गौतम, प्रधान आरक्षक राजेश कोरी, केशव मिश्रा, वाहन चालक आरक्षक रोहित सिंह की भूमिका रही।

बड़वारा पुलिस ने भी की कार्रवाई

उधर बड़वारा पुलिस ने भी अवैध रेत उत्खनन व परिवहन पर कार्रवाई करते हुए दो नग रेत लोड ट्रेक्टर-ट्राली को जप्त कर थाने में खड़ा कराया है। बड़वारा थाना प्रभारी अंकित मिश्रा ने बताया कि ग्राम भुड़सा स्थित महानदी के संगम घाट से रेत का अवैध उत्खनन कर ट्रेक्टर-ट्राली में ले जाने की सूचना पुलिस को मिली। सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने महिन्द्रा कंपनी के लाल रंग के दो ट्रेक्टरों को मय ट्राली सहित थाने में खड़ा कराया है। दोनों मामलों में ट्रेक्टर चालक द्वय ग्राम भुड़सा निवासी राकेश कोल व ग्राम लमकना निवासी शंकर कोल के विरूद्ध चोरी व खनिज अधिनियम की धाराओं के तहत कार्रवाई की गई है।

ध्वजारोहण स्थलों, मंदिरों, देवालयों व कर्बला शरीफ की सफाई

कटनी। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की उपस्थिति में निगम के स्वच्छता दूतों द्वारा नगर के विभिन्न मंदिरों एवं अखाडा स्थलों के आसपास सहित स्वतंत्रता दिवस पर्व पर नगर के विभिन्न स्थलों में आयोजित होनें वाले ध्वजारोहण कार्यक्रम हेतु चिन्हित स्थलों पर विशेष सॉफ सफाई का कार्य किया गया। नगर पालिक निगम कटनी द्वारा रोजाना कराई जा रही सफाई व्यवस्था के तहत आज प्रातः बाबा नारायण शाह वार्ड स्थित संत कवरराम मंदिर के पास सहित उपनगरीय क्षेत्र माधवनगर के विभिन्न मुख्य मार्गो, विश्राम बाबा मुख्य मार्ग, पुलिस लाईन परेड ग्राउण्ड में झाडू एवं शहीद स्मारक के पास घांस की छिलई एवं सफाई कार्य, कावस जी वार्ड भीमराव चौक से विवेकानंद चौक, लखेरा मुख्य मार्ग, फारेस्टर वार्ड स्थित घ्वजारोहण स्तंभ के आसपास, मिशन चौक, सेंटपाल स्कूल पहुंच मार्ग, महात्मा गांधी वार्ड स्थित लाल बिल्डिंग मार्ग, बाल गंगाधर तिलक वार्ड स्थित कृषि उपज मंडी के सामनें मुख्य मार्ग की सफाई, बस स्टेण्ड परिसर पन्ना मोड से सांई मंदिर तक, बरगवां ओव्हर ब्रिज के नीचे, माधवनगर गेट, द्वारका सिटी गेट के पास के डिवाईडर की सफाई का कार्य कराया गया। इंदिरा नगर दुर्गा मंदिर के पास, लाल बहादुर शास्त्री वार्ड स्थित खेर माई माता मंदिर के आसपास, मदन मोहन चौबे वार्ड एवं आजाद चौक स्थित कर्बला शरीफ के आसपास एवं पहुंच मार्ग, जालपा देवी वार्ड स्थित जालपा माता मंदिर,कालका माता मंदिर, सुक्खन अखाडा एवं अन्य स्थलों की सफाई एवं चूने की लाईनिंग सहित नगर के अन्य देवालयों के आसपास विशेष सफाई का कार्य कराया गया।

नगर की नालियों की सफाई एवं पानी निकासी की सुगम व्यवस्था हेतु माधवनगर उपकार्यालय नगर निगम जोन कार्यालय के सामनें मुख्य मार्ग की नालियों, कटाएघाट रोड में प्रियदर्शन गौर के सामने स्थित बडे नाले, जालपा देवी वार्ड मुख्य मार्ग की नालियों कावस जी वार्ड गडढा टोला बस्ती में परसू वंशकार के सामने, श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड ओल्ड सिक लाईन सहित नगर के अन्य स्थलों के नाले नालियों की सफाई का कार्य कराया गया। नगर की सफाई व्यवस्था सुचारू बनी रहे इस हेतु रोजाना नगर के विभिन्न कचरा प्वाइंटों की सफाई, डोर टू डोर कचरे के संग्रहण के प्रयास अनवरत जारी है।

उन्मुक्त चंद अब अमेरिका में टी-20 लीग खेलते दिखाई देंगे

भारत के पूर्व अंडर-19 विश्व कप विजेता कप्तान उन्मुक्त चंद ने शुक्रवार को संन्यास लेने की घोषणा की। अब वे अमेरिका में टी-20 लीग में खेलते दिखाई देंगे।

वाशिंगटन ।भारत के पूर्व अंडर-19 विश्व कप विजेता कप्तान उन्मुक्त चंद ने शुक्रवार को खेल के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने की घोषणा की। अब वे अमेरिका में टी-20 लीग में खेलते दिखाई देंगे। वह अमेरिका में माइनर लीग क्रिकेट 2021 में खेलेंगे। उन्होंने सिलिकान वैली स्ट्राइकर के साथ करार किया है। वह इंडियन प्रीमियर लीग (ढ्ढक्क) में खेल चुके हैं और लिस्ट ए क्रिकेट में 4500 से अधिक रन बनाए। अब वह इस शनिवार को मोर्गन हिल के मोर्गन हिल आउटडोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में सोकल लैशिंग्स के खिलाफ स्ट्राइकर्स के लिए पदार्पण करेंगे। उन्मुक्त चंद ने अमेरिकी क्रिकेटरों की अगली पीढ़ी के साथ खेलकर और उनके मेंटर बनकर देश में खेल के विकास में मदद के लिए मेजर लीग क्रिकेट के साथ कुछ सालों के करार किए हैं। उन्होंने कहा, %मैं अमेरिकी क्रिकेट के दीर्घकालिक विकास और मेजर लीग क्रिकेट के शुभारंभ का हिस्सा बनने और अपने क्रिकेट करियर में अगला कदम उठाकर खुश हूं। मैं इस सप्ताह के अंत में माइनर लीग क्रिकेट में स्ट्राइकर्स के लिए खेलने और स्थानीय स्तर पर खेल के विकास में मदद करने के लिए उत्साहित हूं, जहां मैंने पहले ही क्रिकेट के खेल के लिए काफी जुनून देखा है।%

वह अमेरिका में माइनर लीग क्रिकेट 2021 में खेलेंगे। उन्होंने सिलिकान वैली स्ट्राइकर के साथ करार किया है।

माइनर लीग क्रिकेट के साथ किया करार

माइनर लीग क्रिकेट चैंपियशिप अमेरिका का राष्ट्रीय टी 20 क्रिकेट टूर्नामेंट है। देशभर से 27 शहरों की टीमें इसका हिस्सा हैं। इसकी शुरुआत इसी गर्मी में हुई। बयान के अनुसार इस टूर्नामेंट में 200 से अधिक मैचों का आयोजन 26 स्थानों पर होगा। इसमें 400 से अधिक खिलाड़ी खेलते दिखाई देंगे। माइनर लीग क्रिकेट, अमेरिका में क्रिकेट के लिए एक आधारभूत संरचना प्रदान करेगा। इससे देश के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी मेजर लीग क्रिकेट और संयुक्त राज्य अमेरिका की राष्ट्रीय टीम में जगह बना सकेंगे।

उन्मुक्त के क्रिकेट करियर पर नजर

उन्मुक्त घरेलू क्रिकेट में दिल्ली और उत्तराखंड जैसी टीमों के लिए खेल चुके हैं। दायें हाथ के विकेटकीपर बल्लेबाज उन्मुक्त ने 67 प्रथम श्रेणी मैच खेले और 113 पारियों में 31.60 की औसत से 3379 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने आठ शतक और 16 अर्धशतक जड़े। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 151 रन है। उन्होंने 121 लिस्ट-ए मैचों की 120 पारियों में 41.30 की औसत से 4507 रन बनाए। इस प्रारूप में उनके नाम सात शतक और 32 अर्धशतक दर्ज है, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 127 रन है। टी-20 करियर में उन्होंने 77 मैच खेलते हुए 75 पारियों में 22.40 की औसत से 1565 रन बनाए, जिसमें तीन शतक और पांच अर्धशतक जड़े।

रिव्यू लेने से की रोकने की कोशिश

रिषभ पंत ने पकड़ा कप्तान विराट कोहली का हाथ

नई दिल्ली। भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज के दूसरे मुकाबले में खेल रही है। लार्ड्स के मैदान पर खेले जा रहे इस मैच के दूसरे दिन भरात की पहला पारी 364 रन पर सिमट गई। ओपनर केएल राहुल ने सबसे ज्यादा 129 रन की पारी खेली। मैच के दूसरे दिन इंग्लैंड की बल्लेबाजी के दौरान कुछ ऐसा हुई जिसने सबको हैरान कर दिया। कप्तान विराट कोहली के रिव्यू लेने के फैसला को विकेटकीपर रिषभ पंत ने रोकना चाहा लेकिन रोक नहीं पाए। लार्ड्स टेस्ट में इंग्लैंड के कप्तान जो रूट ने पहले दिन टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। भारतीय ओपनर रोहित शर्मा और केएल राहुल ने दमदार शुरुआत करते हुए शतकीय साझेदारी कर दी। इसके बाद भारत को पहला झटका लगा रोहित 83 रन पर आउट हुए वहीं कप्तान कोहली 42 रन पर आउट हुए। दूसरे दिन राहुल 129 के स्कोर पर अपना विकेट गंवा बैठे। नीचले क्रम में रिषभ पंत ने 37 जबकि रविंद्र जडेजा ने 40 रन की पारी खेल टीम को 364 रन तक पहुंचाया। इंग्लैंड की टीम को मोहम्मद सिराज ने दो शुरुआती झटके दिए। चाय के ब्रेक के बाद पहले डॉम सिब्ली को 11 रन पर केएल राहुल के हाथों कैच करवाया। इसके बाद उन्होंने लगभग 5 साल बाद टेस्ट में वापसी कर रहे हसीब हमीद को पहली ही गेंद पर क्लीन बोल्ड कर बिना खाता खोले वापस भेजा। भारत को सिराज ने शानदार वापसी कराई।

रिषभ पंत की चपलता बेकार

कप्तान जो रूट के खिलाफ 22.4 ओवर में सिराज ने जोरदार अपील की और अंपायर से द्यड्ढ2 का मांग की। अंपायर ने इसे नकार दिया और फिर उन्होंने कप्तान कोहली की तरफ देखा। रिव्यू लेने की वक्त में महज 1 सेकेंड ही बचा था कि उन्होंने इशारा कर दिया। विकेटकीपर रिषभ पंत को इस बात का पता था कि गेंद विकेट पर नहीं लगी है इसलिए वह तेजी से कप्तान की तरफ दौड़े लेकिन जब तक कोहली की हाथ पकड़ते वह रिव्यू का इशारा कर चुके थे। थर्ड अंपायर ने रिप्ले देखा और रूट को नाट आउट करार दिया।

रिषभ पंत ने रिव्यू लेने के बाद कप्तान यह बात भी बताई कि गेंद विकेट पर नहीं लग रही थी। लेकिन विराट फैसला कर चुके थे लिहाजा उनकी एक रिव्यू बेकार चली गई। पंत के इस तरह से सामने दौड़कर आने और कप्तान को अपनी अहम राय देने को लेकर उनका काफी सराहना हो रही है। लोग कोहली के साथ उनकी इस बातचीज और रोकने के वाकये को शेयर कर रहे है।

जब भी मैं लार्ड्स में खेलता हूं, तो सोचता हूं कि क्या मैं यहां आखिरी बार खेल रहा हूं?

लंदन। भारत के खिलाफ लार्ड्स में दूसरे टेस्ट की पहली पारी में पांच विकेट लेने वाले इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन अपने प्रदर्शन से खुश हैं। उन्होंने कहा है कि एक खिलाड़ी जब भी इंग्लैंड के लिए खेलता है तो अच्छा प्रदर्शन करना चाहता है। अनुभवी सीमर ने कहा कि सात बार पांच विकेट लेना एक%अविश्वसनीय उपलब्धि है और उम्मीद है कि लार्ड्स में उन्होंने ऐसा आखिरी बार नहीं किया है। एंडरसन ने कहा, पिछले कुछ समय से जब भी मैं लार्ड्स में खेलता हूं, तो सोचता हूं कि क्या मैं यहां आखिरी बार खेल रहा हूं? आप इंग्लैंड के लिए खेलते हैं तो हमेशा अच्छा प्रदर्शन करना चाहते हैं, लेकिन लार्ड्स निश्चित रूप से मेरे लिए खास है। मैंने यहां पदार्पण किया। यहां अपना पहला पांच विकेट लिया। यहां सात बार पांच विकेट लेना अविश्वसनीय है। मैं इसे पसंद करता हूं और ऐसा लगता है कि यह मेरे लिए सर्वश्रेष्ठ है। उम्मीद है कि मैं यहां आखिरी बार नहीं खेल रहा हूं और आनर्स बोर्ड पर मेरा नाम आखिरी बार नहीं लिखा गया है। इंग्लैंड के कप्तान जो रूट शुक्रवार को पूर्व क्रिकेटर ग्राहम गूच को पीछे छोड़ते हुए खेल के सबसे लंबे प्रारूप में इंग्लैंड के दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए। रूट ने भारत के खिलाफ यहां लॉर्ड्स में चल रहे दूसरे टेस्ट में यह उपलब्धि हासिल की। इंग्लैंड के कप्तान ने शुक्रवार को दूसरे टेस्ट की पहली पारी में नाबाद 48 रन बनाए। एंडरसन ने रूट को %सुपरह्यूमन% करार दिया और इस उपलब्धि हासिल करने के लिए अंग्रेजी कप्तान की सराहना की। एंडरसन ने रूट को लेकर कहा, %बिल्कुल, जो अद्भुत रहे हैं। अपने पूरे करियर के दौरान और पिछले 12 महीनों में विशेष रूप से इस टीम पर महामारी और दबाव में जिस तरह से उन्होंने टीम की कप्तानी की है और प्रदर्शन किया है, वो बताता कि वह किसी %सुपरह्यूमन% से कम नहीं हैं।

फ़िल्म के स्केल पर हुई है शूटिंग

वेब सीरीज़ को लेकर बोलीं निर्देशक मिताक्षरा कुमार

नई दिल्ली। डिज़्नी प्लस हॉटस्टार पर आ रही वेब सीरीज़ द एम्पायर का निर्देशन मिताक्षरा कुमार ने किया है। स्वतंत्र निर्देशक के रूप में मिताक्षरा का यह पहला प्रोजेक्ट है। इससे पहले वो संजय लीला भंसाली के साथ असिस्टेंट के तौर पर जुड़ी रही हैं। उन्होंने बाजीराव मस्तानी और पद्मावत जैसी फ़िल्मों में भंसाली को असिस्ट किया है। द एम्पायर एक हिस्टोरिकल फिक्शन शो है, जिसमें मुगल साम्राज्य के पहले बादशाह बाबर की कहानी दिखायी गयी है। इस शो की ख़ासियत कहानी के साथ इसका विजुअल ट्रीटमेंट है। ट्रेलर रिलीज़ होने के साथ इस वेब सीरीज़ की विशालता और भव्यता का अंदाज़ा हो गया था। मिताक्षरा इस शो को लेकर कहती हैं- जब मुझे एम्पायर मिला, चूंकि स्केल इतना बड़ा था, इसलिए मैंने इसे कभी एक शो की तरह ट्रीट नहीं किया। मेरे लिए यह सिनेमा ही था और कुछ इस तरह हमने इसे शूट भी किया है। हमने हर एक छोटी से छोटी डिटेल का ध्यान रखा है। मुझे उम्मीद है कि द एम्पायर एक ऐसा अनुभव है, जिसे लोग कभी भूल नहीं पाएंगे।

सूटकेस एयरपोर्ट पर गलती से लगा लड़की के पैर पर

देबिना बनर्जी के समाने खूब पड़े चाटें, वीडियो हुआ वायरल

नई दिल्ली। लखनऊ में कैब ड्राइवर के साथ उलछ-उछलकर थप्पड़ मारने वाला मामला और उसका वीडियो सोशल मीडिया पर काफी चर्चा में रहा था। वीडियो में नजर आ रही लड़की का आरोप था कि ड्राइवर उन्हें जान से मारना चाहता था। इसीके बाद सोशल मीडिया पर लोग कैब ड्राइवर के सपोर्ट में आए और लड़के को अरेस्ट करने की मांग की थी। इसके बाद सोशल मीडिया पर इसी घटना पर कई वीडियो रीक्रिएट करके बनाए गए। कुछ ऐसा ही मामला हाल ही में मुंबई एयरपोर्ट पर देखने को मिला। जहां पर एक्टर करण सिंह छाबड़ा का सूटकेस गलती से एक लड़की के पैर पर लग जाता है। इसके बाद उस लड़की को इतना गुस्सा आता है कि वह एक्टर को जोर-जोर से थप्पड़ मारने लगती है। इस दौरान का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। यहां देखें वीडियो...

रीक्रिएट किया गया पूरी सीन

सबसे पहले आपको बता दें कि एक्टर करण सिंह छाबड़ा पूरी तरह से ठीक हैं। उनके साथ कोई मारपीट नहीं हुई है। दरअसल, एयरपोर्ट पर सिर्फ लखनऊ गर्ल वाली घटना को रीक्रिएट कर एक वीडियो बनाया गया है। वहीं इस मौके पर टीवी एक्ट्रेस देबीना भी मौजूद थीं। बात दें कि उसी वक्त करण के साथ एयरपोर्ट पर टीवी एक्टर्स देबीना मौजूद हैं। वीडियो में आप देख सकते हैं कि करण अपना बैग लेकर जा रहे होते हैं कि तभी एक लड़की के पैर से उनकी टक्कर हो जाती है। ये लड़की कोई और नहीं बल्कि डांसर सपना सर्यवंशी हैं। टक्कर होने के बाद सपना गुस्से में आकर करण को एक के बाद एक जोर जोर से थप्पड़ मारने लगती हैं।

गुरमीत चौधरी ने बनाया पूरा वीडियो

आपको बता दें कि वहीं पीछे खड़ी देबिना बनर्जी कुछ समझ नहीं पातीं हैं। वहीं इस पूरे सीन का वीडियो कोई और नहीं बल्कि एक्टर गुरमीत चौधरी बना रहे होते हैं। वहीं आप सुन सकते हैं कि देबीना उनसे बड़ी ही मासूमियत से पूछती हैं, क्या हुआ अभी। करण के इस वीडियो को सोशल मीडिया पर खूब पसंद किया जा रहा है। बता दें कि सपना सूर्यवंशी एक जानी मानी एक्ट्रेस हैं। वह %डीआईडी 4% में आ चुकी हैं और %जरा नाच के दिखा 2% की विनर हैं।

मिडिल क्लास परिवार के जांबाज़ बेटे की कहानी, जिसके पहाड़ जैसे पराक्रम से पंस्त हुए दुश्मन,

नई दिल्ली। अमेज़न प्राइम वीडियो पर रिलीज़ हुई शेरशाह को सिर्फ़ एक वॉर या देश पर कुर्बान हुए एक जांबाज़ नौजवान सैन्य अफ़सर की बायोपिक के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि यह भारत के छोटे शहर-क़स्बों में रहने वाले हर उस मध्यमवर्गीय परिवार की कहानी है, जिसके 14 साल के बेटे को दूरदर्शन पर आने वाले धारावाहिक %परमवीर चक्र% में मेजर सोमनाथ शर्मा (टीवी शो में यह किरदार फ़ारूक़ शेख़ ने निभाया था) की वीरगाथा देखकर फौजी वर्दी से मोहब्बत हो जाती है और खेल-खेल में ही सही, वो इस मोहब्बत को अपनी ज़िंदगी का मक़सद बना लेता है ।सपनों को उड़ान देने के लिए इंजीनियरिंग और मेडिकल व्यवसाय में जाने की 90 के दशक की भेड़-चाल के बीच वो फौज को अपना प्रोफेशन चुनता है और महज़ 25 साल की उम्र में बर्फ़ में लिपटे पहाड़ों के सीने पर शौर्य और शहादत की अमिट दास्तान लिख मुस्कुराता हुआ दुनिया को विदा कहता है ।कारगिल युद्ध में अपने पराक्रम के लिए सेना का सर्वोच्च सम्मान परमवीर चक्र पदक पाने वाले कैप्टन विक्रम बत्रा के जीवन को निर्देशक विष्णु वर्धन ने बड़े पर्दे पर उतारा है, जिनकी यह पहली हिंदी और वॉर फ़िल्म है। विष्णु ने इससे पहले दक्षिण भारतीय भाषाओं में फ़िल्में निर्देशित की हैं ।लेखक संदीप श्रीवास्तव ने शेरशाह की कहानी कैप्टन विक्रम बत्रा के जुड़वां भाई विशाल बत्रा के नज़रिए से पर्दे पर पेश की है, जिसमें बचपन की यादों के साथ कॉलेज की ज़िंदगी, प्रेम और फौज में भर्ती से लेकर कारगिल युद्ध में शहादत तक के घटनाक्रमों को समेटा गया है ।शेरशाह, कैप्टन बत्रा के पारिवारिक और मानवीय पहलू से लेकर उनके देशप्रेम और बलिदान के लिए तत्पर रहने वाले जज़्बे की तस्वीर पेश करती है। अच्छी बात यह है कि इसमें कुछ कर गुज़रने का उत्साह तो है, मगर ग़ैरज़रूरी उन्माद नहीं है, जैसा कि पिछले कुछ वक़्त से देशभक्ति पर आधारित फ़िल्मों का अनिवार्य हिस्सा बन चुका है। कारगिल में चल रहे एक्शन के ओपनिंग सीन के बाद फ़िल्म की शुरुआत पालमपुर में कैप्टन विक्रम बत्रा के बचपन के दृश्यों से होती है। अपने से बड़ी उम्र के बच्चों से भिड़ जाने वाले विक्रम को पिता उलाहना देते हैं कि बड़ा होकर गुंडा बनेगा। विक्रम कहता है कि उसने सोच लिया है, उसे क्या बनना है। यह दृश्य 14 साल के विक्रम के तेवरों की एक झलकी पेश करता है। विशाल के नैरेशन के साथ कहानी आगे बढ़ती है ।विक्रम (सिद्धार्थ मल्होत्रा) कॉलेज पहुंचता है। क्लास में साथ पढ़ने वाली डिम्पल (कियारा आडवाणी) से मुलाक़ात होती है। दोनों में प्यार हो जाता है। डिम्पल सिख है और विक्रम बत्रा पंजाबी खत्री। डिम्पल के पिता को रिश्ता स्वीकार नहीं होता। विक्रम, डिम्पल से शादी करने के लिए प्लान बी तैयार रखता है और अपने पैरों पर खड़ा होने के लिए मर्चेंट नेवी ज्वाइन करना चाहता है। मगर, फिर दोस्तों के समझाने पर एहसास होता है कि उसका सपना तो आर्मी है। आखिरकार एसएसबी पास करके विक्रम लेफ्टिनेंट बनता है और 13 जम्मू कश्मीर राइफल्स रेजीमेंट में पहली पोस्टिंग मिलती है ।लेफ्टिनेंट विक्रम बत्रा एक ज़िंदादिल, मिलनसार और उत्साही नौजवान अफ़सर है, जो जितनी आसानी से अपने साथियों के साथ घुलमिल जाता है, उतनी ही तरलता से स्थानीय कश्मीरियों के साथ संबंध कायम कर लेता है। हालांकि, साथी आगाह करते हैं कि कश्मीरियों का यक़ीन नहीं करना चाहिए, मगर विक्रम का मानना है कि जब हम उनका यक़ीन नहीं करेंगे तो उनका भरोसा कैसे जीतेंगे। उसका यह व्यवहार आगे काम भी आता है, जब एक कश्मीरी किशोर अरसलान (अफनान आशिया) को वो अपना मुखबिर बनाकर कुख्यात आतंकी हैदर (मीर सरवर) को पकड़ने में कामयाब होता है ।हैदर को पकड़ने की धमक कारगिल युद्ध का विकराल रूप लेकर सामने आती है। तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की फुटेज के ज़रिए दुश्मनों को तगड़ा जवाब देने वाली फुटेज का इस्तेमाल फ़िल्म की वास्तविकता में इजाफ़ा करता है, मगर पाकिस्तानी फौज के तत्कालीन जनरल परवेज़ मुशर्रफ़ का किरदार निभाने वाले कलाकार को स्पष्ट रूप से दिखाने में फ़िल्ममेकर की झिझक समझ नहीं आती ।वहीं, कारगिल युद्ध के टीवी समाचारों के ज़रिए कैप्टन सौरभ कालिया के बेहद चर्चित प्रकरण की भी झलक दिखायी गयी है, जिन्हें कारगिल युद्ध के दौरान पाकिस्तानी फौज ने उनकी पलटन के साथ पकड़ लिया था और अमानवीय ढंग से यातनाएं दी गयी थीं। यह मामला उस वक़्त काफ़ी सुर्खियों में रहा था और राजनीतिक इच्छाशक्ति के लिए एक चुनौती बन गया था ।कारगिल युद्ध के दौरान लेफ्टिनेंट वाई के जोशी (शितफ फिगार) कैप्टन विक्रम बत्रा और कैप्टन संजीव जाम्वाल (शिव पंडित) के जज़्बे को देखते हुए उनकी पलटन को लेफ्टिनेंट कर्नल वाईके जोशी अहम मिशन पर भेजते हैं, जिसमें दोनों कामयाब रहते हैं। इसी मिशन में कैप्टन विक्रम बत्रा का कोडनेम शेरशाह होता है और जीत का सिग्नल यह दिल मांगे मोर ।इस सफलता के बाद अगला मिशन होता है प्वाइंट 4875 को दुश्मन के कब्ज़े से छुड़ाने का, जो स्ट्रैटजीकली काफ़ी अहम है और इस चोटी को अपने क़ब्ज़े में लेने का मतलब था कारगिल युद्ध का अंत। ले. कर्नल जोशी कैप्टन बत्रा और कैप्टन जाम्वाल की यूनिट को आराम करने की सलाह देते हैं, मगर कैप्टन बत्रा इस मिशन को लीड करने की अनुमति मांगते हैं। ले. कर्नल उनके यह दिल मांगे मोर वाले जज़्बे को देखते हुए 4875 को कैप्चर करने के मिशन पर भेजते हैं। मिशन तो कामयाब रहता है, मगर कैप्टन बत्रा ज़ख्मी जवान को बचाते हुए शहीद हो जाते हैं। कारगिल का युद्ध जिस ऊंचाई पर लड़ा गया था। उस ऊंचाई पर जाकर कठिन भौगोलिक परिस्थितियों में युद्ध के दृश्यों को शूट करना भी हिम्मत का काम है। जागरण डॉटकॉम से बातचीत में निर्देशक विष्णु वर्धन ने बताया था कि लगभग 12-14 हज़ार फुट की ऊंचाई पर कास्ट एंड क्रू के साथ दृश्य शूट किये गये हैं। यह पहली फ़िल्म है, जो कारगिल के उन इलाक़ों में शूट हुई है। दुर्गम पहाड़ियों पर चढ़ना और युद्ध सामग्री के साथ दृश्यों को कैमरे में कैद करना आसान नहीं रहा होगा। सिनेमैटोग्राफर कमलजीत नेगी और बाकी क्रू सदस्यों की मेहनत से यह दृश्य प्रभावित करते हैं। इन दृश्यों के साथ फ़िल्म रफ़्तार भी पकड़ती है। कैप्टन विक्रम बत्रा का किरदार जिस प्रकार लिखा गया है, उसकी सीमाओं में सिद्धार्थ मल्होत्रा ने अच्छा काम किया है। इस किरदार के लिए जिस उत्साह और उमंग की ज़रूरत थी, उसे पर्दे पर लाने में सिद्धार्थ कामयाब रहे हैं। डिम्पल के किरदार के भावों को ज़ाहिर करने में कियारा आडवाणी कामयाब रही हैं। हालांकि, दोनों ही कलाकारों के स्थानीय भाषा के उच्चारण पर बेहतर काम हो सकता था। सिद्धार्थ की पंजाबी में पहाड़ों का कम दिल्ली का असर अधिक नज़र आता है। वहीं, कियारा का पंजाबी एक्सेंट भी ओवर लगता है। पटकथा में सारा फोकस कैप्टन विक्रम बत्रा के किरदार पर रखा गया है, जिसके चलते सहयोगी किरदार और कलाकार निकितन धीर (मेजर अजय सिंह जसरोटिया) और हिमांशु ए मल्होत्रा (मेजर राजीव कपूर) उभरकर नहीं आ पाते। विक्रम बत्रा के क़रीबी दोस्त सनी के रोल में साहिल वैद ने अच्छा साथ दिया है। इतने कलाकारों की भीड़ में सूबेदार रघुनाथ के किरदार में राज अर्जुन और नायब सूबेदार बंसीलाल शर्मा के रोल में अनिल चरनजीत ने खुद को खोने नहीं दिया। फ़िल्म में कारगिल युद्ध में बहादुरी का मेडल जीतने वाले तकरीबन सभी अफ़सरों और जवानों का प्रतिनिधित्व मिलता है। सम्भवत- यह भी एक वजह है कि कुछ किरदार असर छोड़ने में कामयाब नहीं रहते। फ़िल्म के अंत में सभी प्रमुख और सहयोगी किरदारों की ताज़ा स्थिति पेशे की जानकारी दी गयी है।

कलाकार- सिद्धार्थ मल्होत्रा, कियारा आडवाणी, शिव पंडित, निकितन धीर, राज अर्जुन, शितफ फिगार आदि। निर्देशक- विष्णु वर्धन निर्माता- करण जौहर रेटिंग- *** (तीन स्टार)

सहायक आबकारी आयुक्त निलंबित

शराब दुकानों में ज्यादा रेट पर शराब बिकने पर हुई कार्यवाही

जबलपुर यश भारत। जबलपुर की शराब दुकान में ज्यादा रेट पर मद्रा बिक्री होने पर इसकी सजा सहायक आबकारी आयुक्त को भुगतनी पड़ी। वाणिज्य कर विभाग के उप सचिवजबलपुर जिले में स्थित देशी तथा विदेशी मदिरा की फुटकर विक्रय दुकानों से विक्रय की जा रही मदिरा का निर्धारित अधिकतम विक्रय मूल्य (एम.आर.पी) से अधिक मूल्य पर विक्रय किये जाने का परीक्षण शासन द्वारा वाणिज्यिक कर आयुक्त मध्यप्रदेश इन्दौर के माध्यम से करवाया गया । बाणिज्यिक कर आयुक्त के निर्देश पर संभागीय उपायुक्त , वाणिज्यिक कर जबलपुर संभाग -1 द्वारा अपने अधीनस्थ अधिकारियों के दल गठित किये जाकर उन्हें दिनांक 30जुलाई को जबलपुर में स्थित कुछ विदेशी दुकानों में तथा 04 अगस्त को कुछ देशी मदिरा दुकानों में मदिरा कय करने हेतु भेजा गया । अधिकारियों के दलों द्वारा मदिरा दुकानों में मदिरा का खरीद मूल्य पूछा गया, जिस पर उन्हें संबंधित मदिरा दुकानों द्वारा जो विक्रय मूल्य बताया गया , वह विदेशी मदिरा के 180 एमएल के क्वार्टर के लिये उनके निर्धारित अधिकतम विक्रय मूल्य से रुपये 10 से रुपये 40 / तक अधिक था तथा देशी मदिरा के 180 एमएल के क्वार्टर के लिये उनके निर्धारित अधिकतम विक्रय मूल्य से रुपये 10 / से रुपये 25 / ङ्क तक अधिक था । जांच दलों के अधिकारियों द्वारा इन्हीं बतायी गई कीमतों पर देशी तथा विदेशी मदिरा के 180 एमएल के क्वार्टर उन दुकानों से खरीदे गये । 2 / जांच दलों द्वारा मदिरा दुकानों पर मदिरा कय करने के दौरान मदिरा दुकानों के स्टॉफ से की गई बातचीत की ऑडियों तथा विडियों रिकार्डिंग भी की गई है ।

स्वतंत्रता दिवस यशभारत विशेष

देश का पहला केंद्रीय जेल बनेगा जबलपुर

आम नागरिक देख सकेंगे नेताजी की स्मृतियां

जबलपुर, यशभारत। इस साल का स्वतंत्रता दिवस जबलपुरवासियों के लिए सौगात और इतिहास के पन्नों में दर्ज होने वाला होगा। नेताजी सुभाषचंद्र बोस केंद्रीय जेल जबलपुर देश का पहला ऐसा जेल बनने जा रहा है जहां पर आम व्यक्तियों को स्वतंत्रता सेनानियों से जुड़ी चीजों का अवलोकन करने के साथ श्रदासुमन अर्पित करने का मौका मिलेगा। ये व्यवस्थाएं अभी तक देश के किसी भी जेल में नहीं है।

इसमें सबसे प्रमुख बात यह है कि जबलपुर सहित पूरे प्रदेश के लोगों को अब यह आसानी से पता चलेगा कि आजादी के पहले किस तरह से स्वतंत्रता सेनानियों को यातनाएं दी जाती है, सेनानियों ने जेल में कैसे गुजारे हैं इस तरह की तमाम जानकारी केंद्रीय जेल में मौजूद रहेगी। दरअसल केंद्रीय जेल के नेताजी सुभाषचंद्र बोस संग्रहालय का कायाकल्प होना इसके लिए जेल विभाग ने 50 लाख रूपए स्वीकृत किए हैं। इस राशि से संग्रहालय में नेताजी सुभाषचंद्र बोस से जुड़ी चीजों को रखा जाएगा।

नेताजी की जयंती पर खुल जाएगा संग्रहालय 23 जनवरी 2022 का दिन जबलपुर वासियों के लिए यादगार होगा। क्योंकि केंद्रीय जेल प्रबंधन नेताजी सुभाषचंद्र बोस के जयंती मौके पर संग्रहालय का शुभारंभ करेगा। इस दिन से सभी आम लोगों के लिए जेल का संग्रहालय खुल जाएगा। यहां पर आने-जाने के लिए किसी भी तरह की रोक-टोक नहीं रहेगी।

संग्राहलय में ये देखने को मिलेगा

बताया जा रहा है कि केंद्रीय जेल के नेताजी सुभाषचंद्र बोस संग्रहालय में लोगों को नेताजी से जड़ी हर एक वस्तु देखने मिलेगी। साथ ही आजादी के पहले जेल में किस तरह से स्वतंत्रता सेनानियों को यातनाएं दी जाती थी इसकी पूरी जानकारी रहेगी। अंग्रेजों के समय कैदियों को यातनाएं देने के लिए किन चीजों का इस्तेमाल होता था यह भी लोगों को देखने के लिए रखा जाएगा।

एक संयोग ये भी है

संग्राहलय शुरूआत होने पर एक संयोग बन रहा है। दरअसल जेल अधीक्षक गोपाल ताम्रकार के रहते हुए 13 जनवरी 2007 में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने संग्रहालय का नामकरण नेताजी सुभाषचंद्र बोस ने किया था। फिर से संग्रहालय सभी आम लोगों के लिए खुल रहा है इस वक्त भी जेल अधीक्षक गेपाल ताम्रकार ही है।

इनका कहना है

जबलपुर सहित पूरे प्रदेश के लिए गौरव की बात है किसी केंद्रीय जेल का संग्रहालय आम व्यक्तियों के लिए खुलेगा। संभवत: नेताजी सुभाषचंद्र बोस केंद्रीय जेल जबलपुर देश का पहला जेल होगा जहां ऐसी व्यवस्थाएं शुरू हो रही हैं।

गोपाल ताम्रकार, जेल अधीक्षक नेताजी सुभाषचंद्र बोस

स्वाद चखने पिया एसिड

अस्पताल में इलाज के दौरान युवक ने तोड़ा दम

जबलपुर, यशभारत। थाना हनुमानताल में एक अनोखा मामला सामने आया है। जिसमें एक युवक को एसिड का स्वाद चखना था, लिहाजा उसने एसिड खरीदा और पी लिया। जिसके बाद उसकी हालत गंभीर हो गयी। परिजनों ने जब युवक की हालत देखी तो तत्काल उसे मेडिकल में भर्ती कर दिया। जिसके बाद उसकी इलाज के दौरान मौत हो गयी। पुलिस ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि मोह. इरफ ान उम्र 25 वर्ष निवासी किलकारी के सामने हनुमानताल ने सूचना दी कि भाई मोहम्मद सिद्दकी उम्र 40 वर्ष ने 3 अगस्त 21 को एसिड पी लेने से उपचार हेतु पहले विक्टोरिया फि र मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया था, मेडिकल कालेज में दौरान उपचार के आज सुबह लगभग 4 बजे भाई मोहम्मद सिद्दकी की मृत्यु हो गयी है। सूचना पर मर्ग कायम कर, शव को पीएम हेतु भिजवाते हुये पुलिस ने मामला जांच में लिया है।

मानसिक रुप से था विकलांग

हनुमानताल टीआई उमेश गुलानी ने बताया कि मृतक मानसिक रुप से दिव्यांग था। परिजनों ने बताया कि उसने एसिड का स्वाद चखने के लिए हाथ में एसिड लिया और पी गया। पुलिस मामले की विवेचना कर रही है।

नाबालिग को आया मिर्गी का दौरा, नाले में डूबने से मौत

तो वहीं, थाना मझगवां अंतर्गत हीरालाल काछी उम्र 45 वर्ष निवासी धनगवां ने पुलिस को बताया कि दुर्गेश काछी उम्र 17 वर्ष को पिछले 3 वर्ष से मिर्गी के दौरे आ रहे थे, जिसका इलाज भी चल रहा था। आज सुबह लगभग 7 बजे शौच के लिये सोठी नाले तरफ गया था, नाले के पास मिर्गी आने से दुर्गेश काछी नाले के पानी में गिर गया, जानकारी मिलने पर तुरंत जाकर दुर्गेश को पानी से निकाला, नाले के पानी में डूबने से भतीजे दुर्गेश काछी की मृत्यु हो गयी है। पुलिस ने मर्ग कायम कर, जांच में लिया है।

मैं... मां.. हूं - एनएच-30 में गाय की ममता नजर आई

मृत बछड़े को बार-बार चूमकर जिंदा करने तड़प रही थी

जबलपुर, यशभारत। मैं.. मां.. हूं... मेरा बच्चा मुसीबत में है... कुछ बोल नहीं पा रहा है... उसे मैं उठाने की कोशिश कर रही हूं...। इस तरह के शब्द उस वक्त चारितार्थ हो रहे थे जब एनएच-30 में एक गाय अपने मृत बिछड़े के आसपास होकर जिंदा करने की कोशिश कर रही थी।

मृत बछड़े को दुलार करती हुई मां

कहते हैं कि दुनिया में मां से बढ़कर कोई भी अपने बच्चे का दर्द नहीं समझ सकता। भले ही जानवर मुंह से बोलकर अपनी ममता को ना दिखा पाएं। लेकिन जब बच्चा मुसीबत में आता है। तब मां की बेचैनी देखकर हर कोई समझ जाता है कि वो तड़प रही है। बच्चे के दुख को देखकर आंखें नम हो रही है। ऐसा ही मामला जबलपुर के तिलवारा थाना क्षेत्र के एनएच 30 के चरगवां मोड़ पर में देखने को मिला जहां ममतामयी गाय अपने बछड़े को देखकर बेचैन हो रही है। इतना ही नही मृत बछड़ेको चारों तरफ खड़े होकर चूमकर दुलार कर रही है। और भी गाय उसे देखने आ गई और चारों तरफ चक्कर लगाने लगी जैसे अपने बच्चे को बचाने की मदद मांग रही हो। जिसने भी यह तस्वीर देखी वह भी भावुक हो गया। गौवंश की दुर्दशा शहर हो या गांव सभी जगह हो रही है। ऐसा कोई दिन नहीं बीतता जिस दिन गौ-वंश सड़क दुर्घटना का शिकार न हो, जिस दिन किसी गाय की तड़प-तड़प कर मौत न होती हो। इन सड़क दुर्घटनाओं का शिकार लोग भी हो रहे हैं। इन सड़क दुर्घटनाओ में लोग या तो घायल हो रहे हैं, या उनकी भी मौत हो रही है। गौ-वंश के सड़कों पर आ जाने से सड़क जाम से लेकर, दुर्घटनाओं में इजाफा हुआ है। हालात ये आ चुके हैं, कि दुर्घटना में रोजाना गाय और इंसान की मौत हो रही है। दो वक्त के दाना-पानी के बदले दूध देने और मरने के बाद शरीर के चमड़े से कई लोगों का रोजगार चलाने वाली गाय, सड़कों पर मारी-मारी इसलिए फिर रही हैं, क्योकि उनके रहने-खाने का इंतजाम इंसान ने छीन लिया। गाय सड़कों पर आ गईं, बस यहीं से गाय सड़क दुर्घटना की वजह और शिकार बनने लगी हैं।

30 हजार ऐसी गाय जिनका रहने का ठिकाना नहीं

जबलपुर में लगभग तीन हजार से ज्यादा गाय ऐसी हैं, जिनके न रहने का ठिकाना है, न खाने-पीने का इंतजाम है। शहर के हर वार्ड में कम से कम 50 गाय हैं, जो खाने की तलाश में सड़कों, गलियों में भटकती रहती है। हर सड़क पर इसी वजह से जाम लगता है। शहर की ट्रैफिक व्यवस्था चरमरा गई है। सड़क के किनारे और सड़क पर बैठी गायों को बचाने के प्रयास में सड़क दुर्घटना हो रही है, जिसका ताजा उदाहरण शहपुरा थाना क्षेत्र के नटवारा में देखने को मिला जहाँ रोड पर पड़ी एक मृत गाय को बचाने के चक्कर मे पिता ओर पुत्री की मौत हो गई। रात के समय सड़क पर बैठे गौ-वंश बड़ी सड़क दुर्घटनाओं की वजह बन रहे हैं। जहाँ लोग हादसों का शिकार होकर जान गंवा रहे हैं। गायों को बचाने के चक्कर में रोजाना जिले से लेकर गावं तक में पांच से ज्यादा एक्सीडेंट हो रहे हैं। ये तो आम दिनों की बात है, बारिश के मौसम में रोजाना कम से कम दर्जन भर एक्सीडेंट होते हैं। जिनमें गायों की मौत हो जाती है। समस्या गंभीर रूप ले चुकी है, लेकिन राहत की बात कही भी दिखाई नही दे रही है।

25 चैकिंग प्वाइंट के साथ मॉल, रेलवे और जुलूसों पर रहेगी विशेष नजर

12 सौ पुलिस कर्मी शहर सुरक्षा के लिए तैनात

जबलपुर, यशभारत। स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम के पहले पुलिस ने शहर की सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी है। इसके लिए करीब साढ़े बारह सौ पुलिस कर्मियों की तैनाती की गई है। जो मॉल, बस स्टेंड, होटल, लॉज सहित तमाम भीड़ वाले क्षेत्रों में नजर रखेंगे। इसके अलावा विशेष रुप से शहर में 25 चैक प्वाइंट बनाए गए है। जिसमें शहर में आने वाले वाहनों की चैकिंग और संदिग्धों की धरपकड़ की जा रही है। जानकारी के अनुसार रेलवे स्टेशन, शहर के सभी चौराहे, बस स्टेंड आदि शहर की प्रमुख मार्गों पर पुलिस का सख्त पहरा रहेगा। चप्पे-चप्पे पर पुलिस तैनात रहेगी। 15 अगस्त को देखते हुए वाहनों की चैकिंग अभियान जारी है। मौके पर डॉग स्क्वॉड की टीम और बम निरोधक दस्ता तैनात है, जो होटल, लॉज, बस स्टेंड, स्टेशन, मॉल में सक्रिय रहकर सुरक्षा व्यवस्था में तैनात है। शहर में आने-जाने वाले लोगों पर विशेष निगाह रखी जाएगी। ताकि व्यवस्था में कोई चूक न हो। इतना ही नही सायबर सेल भी सक्रिय है, जो ऑनलाइन साइट्स पर नजर रखेगी। सार्वजनिक स्थानों पर सख्त पहरा रहेगा। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पं. रविशंकर शुक्ल स्टेडियम में गरिमामयी माहौल में स्वतंत्रता दिवस मनाया जाएगा। स्टेडियम के आसपास कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रहेगी।

नहीं होंगे सांस्कृतिक आयोजन

जानकारी अनुसार स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर इस बार किसी भी प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं होंगे। स्टेडियम में बगैर छात्रों के कोविड नियमों के तहत झंडा फहराया जाएगा।

एयरपोर्ट की चौकसी बढ़ाई, जुलूस रोकने 2 बाहर की पार्टियां तैनात

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शहर की चाक चौबंद व्यवस्था के चलते एयरपोर्ट की चौकसी बढ़ा दी गई है। इतना ही नहीं शहर में जुलूस आदि सामूहिक कार्यक्रमों पर पूर्ण प्रतिबंध है। जिनके लिए विशेष रुप से दो बाहर की एंटी डिमोस्टेशन पार्टियां बुलवाई गईं है। जो व्यवस्था का तकाजा करेंगी।

कल रिहा होंगे 21 बंदी

जबलपुर, यशभारत। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में नेताजी सुभाष चंद्र बोस केन्द्रीय जेल से ऐसे 21 बंदियों को रिहा किया जा रहा है जो आजीवन कारावास की सजा काट रहे थे। लेकिन अच्छा आचरण होने के चलते शासन की ओर से बंदियों को यह कीमती उपहार दिया जा रहा है। जेल अधीक्षक गोपाल ताम्रकार ने जानकारी देते हुए बताया कि 75 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शासन ने यह निर्णय लिया है कि ऐसे बंदी जो आजीवन कारावास की 14 वर्ष से अधिक की सजा काट चुके है, उन्हें मुक्त किया जा रहा है।

DS44 रिटेल एवं होलसेल
फिक्स रेट शॉप
जीन्स 375/- लोवर 199/-
शर्ट 249/- टी-शर्ट 199/-
सम्पर्क 9109244144
पता- जबलपुर तुलाराम चौक स्टेट बैंक के आगें आनंद रेडियो के बाजू से

अधारताल में चाकूबाजी

जबलपुर, यशभारत। अधारताल अंतर्गत जमीन के बंटवारे को लेकर चाकूबाजी की घटना सामने आई है। जिसमें एक युवक बुरी तरह घायल हो गया। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी युवक फरार हो गए। पुलिस आरोपियों का पता लगा रही है।

श्रीमती शकुन बाई सोन खरे का देहांत

जबलपुर। छोटी ओमती निवासी नरेंद्र प्रसाद, धर्मेंद्र प्रसाद, फूलचंद घनश्याम की माता जी एवं स्व. बाबूलाल सोन खरे की धर्मपत्नी श्रीमती शकुन बाई सोन खरे का देहांत हो गया। अंतिम सस्कार करिया पात्थर श्मशान घाट में संपन्न हुआ ।

श्रीमती विद्यावती दुबे का स्वर्गवास

जबलपुर। रांझी भाजपा मंडल के पूर्व अध्यक्ष गुड्डू दुबे एवं आर आर दुबे की माताजी श्रीमती विद्यावती दुबे का स्वर्गवास विवेक कालोनी अधारताल हो गया है। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

SONY Panasonic INTEX Kurl-on Haier Godrej SAMSUNG USHA PHILIPS & All Product
शादियों के लिए विशेष पैकेज उपलब्ध
आसान किश्तों पर आसान शर्तों पर
बेटी की शादी का पूरा फर्नीचर सागौन द्वारा निर्मित
मिश्रा फर्नीचर्स एण्ड इन्टरप्राइजेज
फर्नीचर्स वारंटी पर उपलब्ध
सरकारी कुंआ, शीतलामाई रोड, जबलपुर फोन नं. 2626496 मो. 9827235010

स्थापना 1948 73 वर्षो का आपका विश्वास
मंदिर छाप छाता
छाते ही छाते
निर्माता- लक्ष्मी अम्ब्रेला इंडस्ट्रीज
905 जवाहरगंज जबलपुर (मप्र) फो. 0761-2481944
लक्ष्मी एम्पोरियम 905 जवाहरगंज जबलपुर (मप्र) फो. 0761-2481229
अधिकृत विक्रेता
प्लास्टिक सिल्पोलिन तिरपाल के थोक विक्रेता मो. 9826116661
न्यू लक्ष्मी एम्पोरियम 3/15 सिविक सेंटर मढ़ाताल जबलपुर (मप्र)फो. 0761-2481262, 2481362

Pure & Tasty AK's Special Jabalpur
मो. 9827681910
गर्मी के मौसम में स्पेशल सत्तू चने का उपलब्ध है। अब हमारे नये शोरूम गोरखपुर में
अशोक कुमार अजित कुमार
गुलाबी चना, मुरमुरा, बोल्ड चना, केला चिप्स, बोल्ड पीनट, मसाला चना, ड्राय मेल, चना जौर गर्म
प्रियदर्शनी एवं सेवा केन्द्र मढ़ाताल में उपलब्ध
होम डिलेवरी के लिए अनुभवी लड़कों की जरूरत है

योगमणि इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग
जामदार हॉस्पिटल जबलपुर
भारतीय नर्सिंग कॉन्सिल व म.प्र. नर्सिंग काउंसिल से मान्यता प्राप्त, तथा म.प्र. मेडिकल यूनिवसिटी से संबंद्ध
सीमित स्थान — नर्सिंग के क्षेत्र में कैरियर बनाने का सुनहरा अवसर — प्रवेश प्रारंभ
B.Sc. NURSING: 4 वर्षीय पाठ्यक्रम, प्रवेश योग्यता - 10+2 जीव विज्ञान से (45% अंकों के साथ)
Post Basic B.Sc. Nursing: 2 वर्षीय पाठ्यक्रम, प्रवेश योग्यता - GNM Pass
GNM: 3 वर्षीय पाठ्यक्रम, प्रवेश योग्यता - 10+2 किसी भी विषय से (40% अंकों के साथ)
तत्काल रोजगार: शासकीय मेडिकल अस्पताल CHC, PHC, AIIMS, Raiway, ESIC PGI, जिला अस्पताल, अन्य सभी शासकीय, अर्द्धशासकीय एवं प्राइवेट अस्पताल में रोजगार की अपार संभावना
SC/ST/OBC छात्रों को सरकारी नियमानुसार 100% तक छात्रवृत्ति
प्रतिभा सम्मान योजना
कक्षा 12 वीं में, 75% से अधिक अंक प्राप्त छात्रों को फीस में भारी छूट
योगमणि इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग
198/2, रैगवा, वार्ड नं. 72, अरिहंत वेयर हाउस के पीछे, पाटन वायपास चौक के पास, जबलपुर
मो.: 9926812233, ई-मेल: yogmaniinstituteofnursing@gmail.com
8989220333, 8989228333, 9340232133

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आशीष शुक्ला द्वारा एन.एम. पब्लिकेशन प्रा.लि. उखरी चौक जबलपुर से मुद्रित एवं 160/जी, जेडीए योजना क्रमांक 11 सेकेण्ड फेस, शताब्दीपुरम, विवेकानंद वार्ड, जबलपुर से प्रकाशित। सम्पादक श्याम कटारे*। फोन (0761) 2643333, 2646666, फैक्स : 4084085। डाक पंजीयन क्रं. एसएसपी/ जबलपुर/26/19-21 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार। RNI No. MPHIN/2007/18675. email - jabalpur@yashbharat.com (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार जबलपुर)